



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 95]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 11, 2011/वैशाख 21, 1933

No. 95]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 11, 2011/VAISAKHA 21, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 मई, 2011

विषय : कुछेक रबड़ रसायनों अर्थात् चीनी ताइपेई, यूरोपीय संघ के मूल के अथवा वहां से निर्यातित, पीएक्स 13 चीन जन गण, यूरोपीय संघ एवं अमेरिका एमओआर और चीनी ताइपेई एवं यूरोपीय संघ टीडीक्यू के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच—अंतिम जांच परिणाम ।

फा. सं. 15/14/2009-डीजीएडी.—यतः समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, चीन जन गण, चीनी ताइपेई, यूरोपीय संघ और अमेरिका (जिन्हें एतद्पश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कुछेक रबड़ रसायनों (एमओआर, पीएक्स 13 एवं टीडीक्यू) (जिन्हें एतद्पश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात पर दिनांक 20 अक्टूबर, 2005 का अधिसूचना सं. 94/2005-सीमा-शुल्क के जरिए मूल रूप से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था ।

क. पृष्ठभूमि

2. और यतः भारतीय मेटल एंड फेरो अलॉयज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी, रिट याचिका (सिविल) सं. 2006 का 16896 के मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को ध्यान में रखते हुए तथा पाटनरोधी नियमों के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार प्राधिकारी ने लागू शुल्कों को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने तथा इस बात की जांच करने के लिए कि क्या ऐसे शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति के जारी रहने अथवा पुनः शुरू होने की संभावना है, निर्णायक समीक्षा जांच शुरू करते हुए दिनांक 12 मई, 2010 को सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जो भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित हुई थी ।

3. और यतः, दिनांक 20 अक्टूबर, 2005 की अधिसूचना सं. 94/2005-सीमा-शुल्क द्वारा यथा अधिसूचित पाटनरोधी शुल्क को अधिनियम की धारा 9(क)(5) के अनुसार दिनांक 28 दिसम्बर, 2010 की अधिसूचना सं. 132/2010-सीमा-शुल्क के द्वारा 11 मई, 2011 तक जारी रखा गया था ।

शामिल देश / क्षेत्र

4. इस जांच में शामिल देश / क्षेत्र निम्नानुसार हैं :-

- पीएक्स-13-चीनी ताइपेई, यूरोपीय संघ
- एमओआर- चीन जन गण, यूरोपीय संघ, अमेरिका
- टीडीक्यू -चीनी ताइपेई, यूरोपीय संघ

ख. प्रक्रिया

5. इस जांच में नीचे उल्लिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- i. पाटनरोधी नियमों के नियम 6(2) के अनुसार भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के कार्यालय/संबद्ध देशों के दूतावासों/ आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों को जांच की शुरुआत के संबंध में सूचना दी गई थी ।
- ii. प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के कार्यालय/संबद्ध देशों के दूतावासों/ आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों, अपने पास उपलब्ध सूचना के अनुसार संबद्ध देशों/क्षेत्रों के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग को दिनांक 12 मई, 2010 की जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रतियां भेजी थीं । इस जांच के पक्षकारों से निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने और निर्धारित समयावधि के भीतर अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अनुरोध किया गया था । संबद्ध देशों/क्षेत्रों के निर्यातको/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने के अनुरोध के साथ ज्ञात निर्यातकों / उत्पादकों की सूची के साथ निर्यातकों को भेजे गए पत्र एवं प्रश्नावली की प्रतियां यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के कार्यालय/संबद्ध देशों के दूतावासों/ आर्थिक एवं सांस्कृतिक केंद्रों को भी भेजी गई थीं ।
- iii. पाटनरोधी नियमों के नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देश / क्षेत्र में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी द्वारा उन्हें प्रश्नावलियां प्रेषित की गई थीं ।

क्र. सं.

कंपनी का नाम

1. वाइना सनसाइन केमिकल्स होल्डिंग्स लि0, चीन जन गण
2. प्योंग विलिंग केमिकल्स कं0, लि, चीन जन गण

3. रोंगचेंग केमिकल जनरल फैक्टरी कं०, लि, चीन जन गण
4. शेनयांग नार्थइस्ट ऑक्सिलरी केमिकल इंडस्ट्री कं०, लि, चीन जन गण
5. मेयर्स केमिकल इंक लि०, चीन जन गण
6. लिंकवेल रबर केमिकल्स कं०, लि, चीन जन गण
7. नानजिंग केमिकल इंडस्ट्री कारपोरेशन केमिकल प्लांट, चीन जन गण
8. शानडोंग शानजियान केमिकल कं०, लि, चीन जन गण
9. साल्यूशिया इंक, यूएसए
10. फलेक्सिस एनवी, बेल्जियम
11. लैंक्सेस एनवी, जर्मनी
12. डूलसो, ए एस, स्लोवाक गणराज्य
13. केमट्यूरा इटली, एसआरएल
14. जनरल किमीका एस ए, कोलंबिया
15. इमरल्ड पोलीमर एडीटिव्स, एलएलसी, यूएसए

मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। संबद्ध देशों/क्षेत्रों के अन्य किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने उपरोक्त प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

- iv. पाटनरोधी नियमों के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगवाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों, प्रयोक्ताओं एवं एसोसिएशनों को प्रश्नावली प्रेषित की गई थी।

क्र. सं.	कंपनी का नाम
1.	जेके इंडस्ट्रीज लि, कोलकाता
2.	सीईएटी लि, मुम्बई
3.	अपोलो, टायर्स लि, कोच्चि
4.	बिरला टायर, कोलकाता
5.	एमआरएफ लि, चेन्नै
6.	मेट्रो टायर्स लि, लुधियाना
7.	पोद्दार टायर्स लि, लुधियाना
8.	रायसन इंड लि, नई दिल्ली
9.	रबर प्राडक्ट्स लि, ठाणे

क्र. सं.	संस्था का नाम
1	ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (ए टी एम ए)

- v. वाणिज्यिक अधिसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों एवं जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयोतों के ब्यौरे उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया था, प्राधिकारी को वे ब्यौरे प्राप्त हुए थे।
- vi. केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली से संबन्धित वस्तु के आयात एवं घरेलू उत्पादन के सम्पूर्ण एवं प्रमाणिक ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। इसके अलावा प्राधिकारी के अनुरोध के उत्तर में उप आयुक्त, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, कोचीन के कार्यालय ने कम्पनियों के उत्पादन एवं बिक्री के संबंध में ब्यौरे उपलब्ध कराए थे।
- vii. प्राधिकारी द्वारा दिनांक 12 मई, 2010 को जारी अधिसूचना के अनुसरण में प्राधिकारी को मै0 नेशनल ऑर्गेनिक केमिकल्स इंडस्ट्रीज लि (एनओसीआईएल) से एक आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें संबद्ध देशों के उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में रबड़ रसायनों (एमओआर, पीएक्स-13 एवं टीडीक्यू) के पाटन के विरुद्ध लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा, उसे जारी रखने एवं उसमें बढ़ोत्तरी हेतु अनुरोध किया गया था। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी को मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ था। जे.के. इंडस्ट्रीज लि0, कोलकाता तथा अपोलो टायर्स लि, कोच्ची, मै0 ऑटोमोटिव टायर्स मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) ने इस संबंध में अपने अभ्यावेदन प्रस्तुत किए थे। तथापि, चीन जन गण, चीनी ताइपेई और अमेरिका के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने उत्तर नहीं दिया है।
- viii. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा।
- ix. जैसाकि उल्लेख किया गया है, पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने हेतु अनुरोध मै0 एनओसीआईएल से प्राप्त हुआ है जो भारत में संबद्ध वस्तु का प्रमुख उत्पादक है। उन्होंने क्षति विश्लेषण के लिए सूचना/आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। प्राधिकारी ने हुई क्षति का विश्लेषण करने तथा भारत में संबद्ध वस्तु का उत्पादन लागत एवं क्षतिरहित कीमत निकालने के लिए सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर यथासंभव सीमा तक कम्पनी द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- x. पाटनरोधी नियमों के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने दिनांक 29 अक्टूबर, 2010 और 11 मार्च, 2011 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर भी प्रदान किया। सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से विचार प्रकट करने वाले पक्षकारों से

मौखिक रूप से प्रस्तुत विचारों को लिखित रूप में दर्ज कराने का अनुरोध किया गया । हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों/खण्डनों में दिए गए तर्कों, जहां भी वे संगत पाए गए हैं, पर इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है ।

- xi. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि अप्रैल 2009 से मार्च 2010 तक (जांच अवधि) थी । तथापि, क्षति विश्लेषण में अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007-मार्च, 2008, अप्रैल 2008-मार्च, 2009 और जांच अवधि को शामिल किया गया था ।
- xii. घरेलू उद्योग तथा सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना एवं आंकड़ों के संबंधों में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था ।
- xiii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अनुसार वर्तमान मामले में प्राधिकारी द्वारा जिन अनिवार्य तथ्यों पर विचार किया गया है उन्हें ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया है । प्रकटन विवरण पर प्राप्त टिप्पणियों पर संगत समझी गई सीमा तक अंतिम जांच परिणाम में विधिवत विचार किया गया है ।
- xiv. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच, गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संदर्भ में की गई थी । संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हो, गोपनीयता का अधिकार प्रदान किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों पर प्रकट नहीं किया गया है । जिन पक्षकारों ने गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराई है, उन्हें जहां भी आवश्यक हो, गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है ।
- xv. यदि किसी हितबद्ध पक्षकार ने आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है तो उस स्थिति में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।
- xvi. इस अधिसूचना में *** का तात्पर्य गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना है और नियम के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा यही माना गया है ।

5.क. प्रकटन विवरण के उत्तर में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

हितबद्ध पक्षकारों से निम्नलिखित टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं जिन्हें प्रासंगिक पाया गया है ।

मै. सॉलुसिया यूरोप बीबीबीए/एसपीआरएल

पी एक्स 13 के संबंध में मै. सॉलुसिया ने संक्षेप में निम्नानुसार तर्क दिया है :

- कंपनी का नाम सॉलुशिया इंक. से सुधार कर सॉलुसिया यूरोप वी बी ए ए/एसपीआरएल:- यह अनुरोध किया गया है कि कंपनी के नाम में सुधार किया जाए और उसे मै. सॉलुसिया यूरोप वी बी ए ए/एसपीआरएल, किया जाए । उसने कंपनी के वर्तमान नाम के बारे में हस्तांतरण दस्तावेज संलग्न किया है ।
- घरेलू उद्योग की ओर से गोपनीयता का अनुचित और अवांछित दावा किया गया है ।
- घरेलू उद्योग को सतत क्षति का गलत निष्कर्ष निकाला गया है : क्षमता में वृद्धि और निर्यातों में गिरावट के कारण इकाई लागत में वृद्धि के प्रभाव का कोई विश्लेषण नहीं किया गया है ।
- घरेलू उद्योग ने ई यू में क्षमता तथा क्षमता उपयोग के बारे में गलत तथा अपुष्टिकृत सूचना दायर की है । ई यू से निर्यातों में वृद्धि की कोई संभावना नहीं है ।
- पैरा 102 के मुकाबले पैरा 24 में क्षति मार्जिन के विरोधाभासी आंकड़े दिए गए हैं ।
- अधिनियम की धारा 9 (5) के अंतर्गत पाटनरोधी शुल्क के पुनः निर्धारण का प्रावधान नहीं है ।

मै. आटोमोटिव टायर मैन्यु. एसो. (ए टी एम ए)

ए टी एम ए ने संक्षेप में निम्नानुसार तर्क दिया है :

- पी एक्स 13 के आयात के बारे में क्षति संबंधी निष्कर्ष का संबद्ध वस्तु के उपयो करने वाले प्रयोक्ता उद्योग पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि घरेलू उद्योग भारत में प्रयोक्ता उद्योग की मांग को पूरा नहीं कर सकता ।
- घरेलू उद्योग को ई यू से पी एक्स 13 के आयात के कारण कोई क्षति नहीं हो रही है और न ही क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।
- जहां तक टी डी क्यू का संबंध है, आयातित उत्पादों द्वारा कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का घरेलू उद्योग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि वह उचित बिक्री कीमत प्राप्त करने में समर्थ रहा है । टी डी क्यू के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के लाभ में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।
- जहां तक एम ओ आर का संबंध है, यह देखा गया है कि चीन जन.गण. से हुए आयातों के कारण कीमत में सकारात्मक कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है । परंतु यद्यपि, चीन जन.गण. से कीमतों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत कटौती/कम कीमत पर बिक्री हो सकती है । तथापि, उसका घरेलू उद्योग पर कोई क्षतिकारी प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि घरेलू उद्योग अपनी कीमतें बढ़ाने में समर्थ रहा है । इसका प्रदर्शन घरेलू उद्योग के लाभ में भी होता है ।

- मात्र कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री को घरेलू उद्योग को हुई क्षति नहीं माना जा सकता । घरेलू उद्योग द्वारा दर्ज लाभ से पाटित आयातों के प्रभाव का पता चलता है ।
- इस तथ्य के बावजूद कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है, मजदूरी और रोजगार से घरेलू उद्योग की समग्र स्थिति का सामान्य संकेत मिलता है । घरेलू उद्योग की सुधरी हुई उत्पादकता में क्षति विश्लेषण में विचार किया जाना चाहिए ।
- आंकड़ों में मेल नहीं है क्योंकि एक वर्ष का अंतिम स्टॉक अगले वर्ष के अथ स्टॉक से मेल नहीं खाता है ।
- कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का घरेलू उद्योग पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है और इस प्रकार कोई कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं होता है ।
- क्षति रहित कीमत- क्षति रहित कीमत की गणना हेतु लगाई गई पूंजी पर 22% (कर पूर्व) की उचित आय की अनुमति दी गई थी । इस प्रकार का कोई अनुमान कि घरेलू उद्योग के पास प्रति वर्ष पूंजी पर निर्धारित आय होनी चाहिए, त्रुटिपूर्ण तथा खुले बाजार के मानदंडों के प्रतिकूल है क्योंकि इससे घरेलू उद्योग के लिए कृत्रिम जोखिमपूर्ण वातावरण पैदा हो सकता है ।
- अग्रिम लाइसेंस स्कीम (ए एल एस) के आयातों को मात्रात्मक विश्लेषण से अलग रखा जाना चाहिए । यदि ए एल एस के अंतर्गत हुए आयातों को समग्र मांग के निर्धारण से अलग रखा जाता है तो इसे मात्रात्मक प्रभाव से भी अलग रखा जाना चाहिए ।
- दोहरे लाभ के मुद्दे पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया है । किसी रक्षोपाय जांच में क्षति का स्तर “गंभीर क्षति” होता है जो किसी पाटनरोधी जांच में हुई क्षति के स्तर अर्थात् “वास्तविक क्षति” की तुलना में अधिक महत्व रखती है । अतः घरेलू उद्योग द्वारा शुरू की गई किसी रक्षोपाय याचिका में अनिवार्य रूप से पाटित आयातों के कारण हुई क्षति शामिल होगी क्योंकि यह उसी जांच अवधि से हुई है ।
- जहां तक संचयन का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के पैरा 3, अनुबंध-II के शब्दों में दो अलग-अलग जांचों के बीच संचयन की अनुमति नहीं है ।
- घरेलू उद्योग को अत्यधिक गोपनीयता प्रदान की गई है । परिकलित सामान्य मूल्य के लिए विचारित आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए गए हैं ।
- यह बताया गया है कि राजस्व विभाग द्वारा जारी स्पष्टीकरण के बावजूद धारा 9 क (5) की शब्दावली स्पष्ट है कि शुल्क 5 वर्ष से अधिक समय तक लागू नहीं रह सकता । इस बात का अनुमान लगाते हुए परंतु उसे स्वीकार न करते हुए एक प्रकटन रिपोर्ट में प्रदत्त स्पष्टीकरण वैध है, इसका तात्पर्य केवल यह होगा कि एस एस आर जांच की अवधि 5 वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जा सकती लेकिन इसमें मूल शुल्क को 5 वर्ष से अधिक समय तक लागू रखने की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी ।

ऑल इंडिया रबड़ इंड एसो (ए आई आर आई ए)

ए आई आर आई ए ने संक्षेप में निम्नानुसार तर्क दिया है :

- घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है और न ही क्षति की पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना है और इसलिए क्षति का कोई प्रश्न नहीं उठता है । घरेलू उद्योग ने क्षति के लगभग सभी मापदंडों, जिनमें सभी तीन उत्पादों के लिए उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, स्थापित क्षमता, घरेलू लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय, निवल बिक्री प्राप्ति शामिल है, के बारे में पर्याप्त वृद्धि दर्ज की है ।
- प्रकटन रिपोर्ट आयातों में वृद्धि के कारण हुई क्षति तथा पी एक्स 13 के पाटित आयातों के कारण हुई क्षति के बीच भेद करने में विफल रही है । घरेलू उद्योग द्वारा उसी उत्पाद के लिए उसी अवधि हेतु परंतु 2 अलग-अलग मंचों पर क्षति का दावा किया जा रहा है । रक्षोपाय महानिदेशक द्वारा कोई रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से अनिवार्यतः पाटित आयातों के कारण हुई क्षति शामिल होगी क्योंकि किसी रक्षोपाय जांच में क्षति का मानक पाटनरोधी जांच की तुलना में काफी अधिक होता है ।
- घरेलू उद्योग के पास क्षमता के अभाव के कारण प्रयोक्ता उद्योग आयात करने के लिए बाध्य हुआ है । अतः प्रयोक्ता उद्योग द्वारा आयात विवशता में किए गए हैं न कि पसंद के अनुसार ।
- डी जी ए डी द्वारा आई बी आई एस के आंकड़ों पर भरोसा करना गलत है ।

घरेलू उद्योग

घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण के उत्तर में संक्षेप में निम्नानुसार तर्क दिए हैं :

- ई यू से एम ओ आर तथा टी डी क्यू के आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन का हवाला देते हुए यह तर्क दिया गया है कि सामान्य मूल्य के आधार के रूप में परिकलित सामान्य मूल्य कानूनन संगत है जब ई यू में प्रचलित कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का साक्ष्य रिकॉर्ड में उपलब्ध हो ।
- आगे यह तर्क दिया गया है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने के लिए नकारात्मक पाटन मार्जिन हर हालत में अपर्याप्त है । मौजूदा अवधि के दौरान ई यू तथा चीन के बीच पर्याप्त कीमत अंतर से स्पष्टतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में एम ओ आर के पाटन की संभावना का पता चलता है ।
- यूरोप से एम ओ आर की निर्यात कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के साथ की जाए । यह देखा जाएगा कि ई यू पर पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आएगी । परिणामतः निवेश पर आय तथा नकद लाभ में भी कमी आएगी ।

- यूरोप में एम ओ आर का उपयोग प्रतिबंधित है अतः यूरोप में इस उत्पाद के उत्पादन का एकमात्र उद्देश्य इसका विभिन्न देशों को निर्यात करना है । इन परिस्थितियों में मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से घरेलू उद्योग को अत्यधिक क्षति होगी ।
- घरेलू उद्योग ने यूरोप में क्षमताओं की मौजूदगी प्रदर्शित करते हुए साक्ष्य उपलब्ध कराया है ।
- सॉलुशिया के मामले में भारतीय कार्यालय के कमीशन/लाभ हेतु कीमत समायोजन किए गए हैं क्योंकि मै. सॉलुशिया द्वारा एक भारती एजेंट के जरिए अथवा भारत स्थित इसके अपने कार्यालय के जरिए बिक्री की जा रही है ।
- क्षति रहित कीमत की कृपया समीक्षा की जाए ।
- शुल्क का स्वरूप: पाटनरोधी शुल्क निर्धारित राशि के आधार पर ही लागू किया जाए ।
- प्रौद्योगिकी में अंतर: यह तर्क दिया गया है कि इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि सॉलुशिया द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी से भिन्न है । तथापि, प्रौद्योगिकी में अंतर और प्रौद्योगिकी विकास दो अलग-अलग कारक हैं । आगे यह तर्क दिया गया है कि उसके पास विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु अनुमोदित अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी है जिसका उपयोग पिछले कई वर्षों से किया जा रहा है । इसके अलावा, यह प्रौद्योगिकी रखने वाले विश्व में अन्य संयंत्र भी हैं ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- प्राधिकारी ने कंपनी का नाम सॉलुशिया इंक से सुधार कर सॉलुशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल करने के अनुरोध को नोट किया है और तदनुसार परिवर्तन किए गए हैं ।
- प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान एस एस आर जांच अन्य बातों के साथ-साथ संबद्ध वस्तु के संबंध में लागू शुल्क को सतत रूप से लगाए रखने की जरूरत की समीक्षा करने और इस बात की समीक्षा करने के लिए कि क्या ऐसे शुल्क को समाप्त किए जाने से पाटन एवं क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार शुरू की गई थी । पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी न केवल पाटनरोधी शुल्क जारी रखने की जरूरत की जांच करने में समर्थ हैं अपितु रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना/आंकड़ों के आधार पर संस्तुत की जाने वाली राशि की मात्रा का निर्धारण करने में भी सक्षम हैं । अतः यह तर्क पहले से लागू शुल्क के स्तर में परिवर्तन/उपांतरण या संशोधन करने का प्राधिकारी के पास कोई विधिक अधिकार नहीं है, आधारहीन है और इसे रद्द किया जाता है ।

- जहां तक इस आरोप का संबंध है कि क्षमता में वृद्धि और निर्यातों में गिरावट के कारण इकाई लागत में हुई वृद्धि के प्रभाव का कोई विश्लेषण नहीं किया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इसमें कोई आधार नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग की यथासत्यापित आंकड़े/सूचना पर विश्लेषण करने के प्रयोजनार्थ विचार किया गया है ।
- जहां तक घरेलू उद्योग के दावे के अनुसार ई यू में बेशी क्षमता के मुद्दे का संबंध है, उचित साक्ष्य के अभाव में उस पर वर्तमान निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार नहीं किया गया है ।
- प्राधिकारी नोट करते हैं कि पैरा 102 के मुकाबले पैरा 54 में क्षति मार्जिन के विरोधाभासी आंकड़ों के बारे में आरोप तथ्यरहित हैं क्योंकि दोनों आंकड़े के मूल्य वर्ग अलग-अलग अर्थात् क्षति रहित कीमत तथा पहुंच मूल्य हैं ।
- जहां तक ई यू से निर्यातों में वृद्धि की संभावना के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद क्षति अवधि के दौरान पी एक्स-13 के आयातों में मामूली वृद्धि हुई है । अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ये आयात पाटित कीमतों पर हुए हैं और इनके कारण घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हो रही है । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने से पाटन जारी रहने तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना है ।
- प्राधिकारी यह दोहराते हैं कि पाटनरोधी नियमावली में यह अपेक्षित नहीं है कि पाटन के कारण हुई क्षति के निवारण हेतु घरेलू उद्योग को प्रयोक्ता उद्योग की मांग पूरी करनी चाहिए ।
- जहां तक दोहरे लाभ के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी यह बात दोहराते हैं कि पाटनरोधी शुल्क या रक्षोपाय शुल्क के कारण उसी स्थिति के लिए किसी दोहरे लाभ की मांग नहीं की गई है । तथापि, ये दोनों प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर साथ-साथ लागू हो सकते हैं बशर्ते संबंधित कानूनों में निहित संगत मापदंड पूरे होते हैं । आगे यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पी एक्स 13 के आयातों पर कोई रक्षोपाय शुल्क लागू नहीं है ।
- जहां तक अग्रिम लाइसेंस/प्राधिकार के अंतर्गत किए गए आयातों का संबंध है, प्राधिकार दोहराते हैं कि अग्रिम लाइसेंस/प्राधिकार धारक के पास शुल्कमुक्त आधार पर आयात करने या फिर अग्रिम निर्गम आर्डर के तंत्र का उपयोग करके स्वदेशी स्रोत से उसकी खरीद करने का विकल्प होता है । इसके अलावा, ए एल एस के अंतर्गत हुए आयातों को भी समग्र मांग के निर्धारण हेतु अलग नहीं रखा गया है ।
- जहां तक गोपनीयता के मुद्दे का संबंध है, गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां कहीं संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपब्ध कराने का

निर्देश दिया गया था । इसके अलावा, प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा ।

- जहां तक संचयन के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी स्मरण करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 के पैरा 3 में उन मामलों में क्षति विश्लेषण करते समय संचयन की अनुमति है जिनमें एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है बशर्ते न्यूनतम सीमा संबंधी मानदंड के बारे में निर्दिष्ट शर्तें और आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तुओं के बीच मौजूद प्रतिस्पर्धा की शर्तें पूरी होती हैं । जहां तक सी एन वी के आंकड़ों का संबंध है, सी एन वी अन्य बातों के साथ-साथ घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर आधारित होता है । इसके अलावा, आयातक सामान्य मूल्य की गणना करने में प्राधिकारी को सहायता प्रदान करने की स्थिति में नहीं होते हैं । इस मुद्दे का समर्थन सेस्टेट ने भी ए आई आई जी एम ए बनाम नि. प्रा. के मामले में दिनांक 9.2.2000 के निर्णय में किया है ।
- जहां तक क्षति रहित कीमत की गणना का संबंध है, प्राधिकारी ने इस विषय पर, उपलब्ध संगत नियमों के अनुसार उसकी गणना हेतु अपनी सुसंगत पद्धति का पालन किया है ।
- जहां तक अंतिम स्टॉक और अथ स्टॉक के बीच आंकड़ों में मेल न होने का संबंध है, ये आरोप निराधार हैं क्योंकि ये तथ्यों पर आधारित नहीं हैं । इसकी वजह यह है कि जिस बात पर विचार किया गया है, वह औसत स्टॉक की स्थिति है न कि अंतिम /अथ स्टॉक की स्थिति ।
- प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि प्रत्येक मापदंड के कारण क्षति होना जरूरी नहीं है । महत्वपूर्ण यह है कि प्राधिकारी को किसी एस एस आर जांच में इस बात का निर्धारण करना होता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्या पाटन तथा परिणामी क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है अथवा नहीं है ।
- जहां तक आई बी आई एस के आंकड़ों पर भरोसे का संबंध है, प्राधिकारी ने मामले के तथ्यों के आधार पर यह पाया है कि ये अधिक विश्वसनीय हैं और इसलिए इन्हें विश्लेषण हेतु स्वीकार किया गया है ।
- जहां तक परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर ई यू से एम ओ आर के अयातों के बारे में पाटन मार्जिन के संबंध में *** की बिक्री की गई थी और इसे सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिनिधिक आंकड़ा नहीं माना जा सकता । अतः प्राधिकारी सामान्य मूल्य के परिकलन के आधार पर कार्रवाई करने के लिए बाध्य हुए थे क्योंकि ई यू के किसी निर्यातक ने इस जांच में सहयोग नहीं किया था ।
- तथापि, जहां तक टी डी क्यू का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान ई यू को *** मी.ट. टी डी क्यू की बिक्री की है । जांच अवधि के दौरान ई यू को बेची गई मात्रा प्रतिनिधिक स्रोत की है और उस पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भरोसा किया जा सकता है । प्राधिकारी घरेलू उद्योग के इस तर्क में

दम पाते हैं कि ई यू को संबद्ध वस्तु की बिक्री में वस्तुतः जांच अवधि के दौरान ई यू में संबद्ध वस्तु की प्रचलित कीमत प्रदर्शित होगी। वस्तुतः ई यू में कीमत अधिक होगी क्योंकि इसमें ई यू में अंतरदेशीय भाड़ा, कमीशन तथा विक्रेताओं का लाभ शामिल होगा। इन अतिरिक्त लागतों के होते हुए भी ई यू में सामान्य मूल्य का निर्धारण उनकी बिक्री कीमत, जो सी आई एफ आधार पर है, के अनुसार किया ही जा सकता है।

- जहां तक यूरोप से एम ओ आर की निर्यात कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से किए जाने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत तथा एन एस आर के साथ की गई है और नकारात्मक कीमत कटौती तथा नकारात्मक कम कीमत पर बिक्री पाई गई है। इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन की पुनरावृत्ति होने और उसे परिणामी क्षति होने की संभावना प्रदर्शित करने के लिए घरेलू उद्योग ने पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि इसकी पुष्टि ऐसे किसी साक्ष्य से नहीं की गई है कि यूरोप में एम ओ आर का उपयोग प्रतिबंधित है।
- जहां तक घरेलू उद्योग के इस दावे का संबंध है, कि उसने यूरोप में क्षमताओं की मौजूदगी प्रदर्शित करते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किया है, यह सही नहीं है और इसकी पुष्टि नहीं की गई है।
- जहां तक सोलुशिया के मामले में कीमत समायोजनों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसने कंपनी के सत्यापित आंकड़ों पर भरोसा किया है और यह भी कि निर्यात कंपनी द्वारा सीधे ग्राहकों को किए गए हैं।
- उपर्युक्त के अलावा, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए उन सभी मुद्दों पर इन जांच परिणामों के समुचित खंडों में विचार किया है जिन्हें इस मामले से संगत पाया गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग.1 एनओसीआईएल द्वारा किए गए अभ्यावेदन

6. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अभ्यावेदन किए हैं:-

- (i) मूल जांच और वर्तमान समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद रबड़ रसायन (एमओआर, पीएक्स-13 तथा टीडीक्यू) है। इन रबड़ रसायनों का व्यापक उपयोग प्राकृतिक रबड़ के संसाधन, कृत्रिम रबड़ (एसबीआर, ब्यूटाडीन रबड़, नाइट्राइल रबड़, कॉबोक्सीलेटेड रबड़) तथा विभिन्न रबड़ उत्पादों के विनिर्माण हेतु प्रयोग किए जाने वाले अन्य कृत्रिम रबड़ आधारित यौगिकों में होता है।
- (ii) मूल जांच में प्राधिकारी ने नोट किया था कि संबद्ध वस्तु के लिए कोई अनन्य आईटीसी एमएस वर्गीकरण नहीं है और विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क वर्गीकरण शीर्ष 38.12.10, 38.12.20 तथा 38.12.30 के विभिन्न उपशीर्षों के साथ-साथ सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम एवं आईटीसी एचएस वर्गीकरण के 29.34.20 तथा 29.25.20 (छह

अंकीय स्तर पर) के अंतर्गत भी वर्गीकृत किया जाता है। तथापि प्राधिकारी ने यह भी नोट किया था कि उत्पादों को ऊपर किए गए उल्लेखानुसार उनके संबंधित व्यावसायिक नामों एवं रासायनिक विवरणों से जाना जाता है।

(iii) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित उत्पाद के समान वस्तु है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के मुद्दे की मूल जांचों में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विस्तारपूर्वक जांच की गई थी और यह माना गया है कि आयातित एवं घरेलू उत्पाद समान वस्तु हैं।

(iv) वर्तमान समीक्षा जांच एक निर्णायक समीक्षा जांच होने के कारण विचाराधीन उत्पाद वही रहता है जैसा कि पूर्ववर्ती जांच में परिभाषित किया गया है।

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अभ्यावेदन

7. किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु तथा वर्तमान जांच के दायरे के संबंध में कोई टिप्पणी या अभ्यावेदन प्रस्तुत नहीं किया है।

7.1 तथापि, मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल ने अन्य बातों के साथ-साथ यह दावा किया कि उसके पास संबद्ध वस्तु के उत्पादन हेतु एक विशिष्ट तथा पेटेंटशुदा प्रौद्योगिकी है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

8. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि वर्तमान समीक्षा जांच निर्णायक समीक्षा जांच है, अतः विचाराधीन उत्पाद वही रहेगा जो पूर्व जांचों में अभिज्ञात किया गया है। प्राधिकारी ने दिनांक 8 अप्रैल, 2005 की अधिसूचना सं. 14/13/2004-डीजीएडी के जरिए अपने प्रारंभिक जांच परिणाम (जिसे अंतिम जांच परिणाम में दोहराया गया है) में निम्नानुसार है :

8.1 जहां तक मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल के इस दावे का संबंध है कि उसके पास संबद्ध वस्तु के उत्पादन हेतु एक विशिष्ट तथा पेटेंटशुदा प्रौद्योगिकी है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां तक परिणामी उत्पाद एक समान रहने का संबंध है, संबद्ध वस्तु के विनिर्माण में प्रयुक्त प्रौद्योगिकी या प्रक्रिया कोई खास महत्व नहीं रखती है। इसके अलावा, उनके पाटन मार्जिन की गणना हेतु मौके पर जांच के दौरान सत्यापित उनके आंकड़ों को

स्वीकार किया गया है और इस प्रकार उन्नत प्रौद्योगिकी के किसी दावे का स्वतः समाधान हो जाता है ।

“विचाराधीन उत्पाद रबड़ उत्पादों के विनिर्माण में प्रयुक्त होने वाले तीन विशिष्ट रबड़ रसायन हैं, अर्थात् : (i) एंटी-डिग्रेडेंट्स: पीएक्स-13; (ii) एक्सीलरेटर्स : एमओआर; (iii) एंटीऑक्सीडेंट : टीडीक्यू

इन उत्पादों के विस्तृत रासायनिक नाम निम्नानुसार हैं:- एमओआर: एन-ऑक्सीडाइइथिलीन-2-बेंजोथायजॉल सल्फेनामाइड (2-मॉर्फोअेलिनोथियोबेनोथियाजॉल) (एमबीएस) । एमओआर मेरकैप्टोबेजोथायजॉल डाइसल्फाइड की अभिक्रिया मॉर्फोलीन एवं सोडियम हाइपोक्लोराइड से कराई जाती है । यह अभिक्रिया आइसोप्रोपाइल अल्कोहल की उपस्थिति में कराई जाती है । पैलेट्स तैयार करने के लिए उत्पाद का आसवन किया जाता है, धोया जाता है और निःस्त्रावन किया जाता है तत्पश्चात उसे सुखाकर पैक किया जाता है । आइसोप्रोपाइल अल्कोहल प्राप्त करके उसका पुनर्चक्रीकरण किया जाता है ।

पीएक्स 13: एन-1, 3-डाईमिथाइल ब्यूटाइल - एन फिनाइल पैराफिनाइलीनडायमीन (6पीपीडी) । पीएक्स-13 पीएक्स-13 का उत्पादन किसी उत्कृष्ट धातु उत्प्रेरक की उपस्थिति में नियंत्रित उच्च दाब पर एक ऑटोक्लेव में 4 नाइट्रोडाइफिनाइलेमाइन और आइसोब्यूटाइल केटोन के मिश्रण के हाइड्रोजनीकरण द्वारा किया जाता है । इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न अभिक्रिया द्रव्यमान जिसमें अनभिक्रित केटोन, सह-उत्पाद आदि शामिल होते हैं, में से उत्प्रेरक हटाने के लिए उसे छाना जाता है, जिनका तत्पश्चात पुनर्चक्रीकरण किया जाता है । लो बॉयलर्स को हटाने के लिए फिल्ट्रेट को आसवित किया जाता है और तत्पश्चात अंतिम उत्पाद तैयार करने के लिए उसके टुकड़े-टुकड़े किए जाते हैं । अनभिक्रित केटोन प्राप्त करने के लिए लो बॉयलर्स को पुनः आसवित किया जाता है । अभिक्रिया के कम होने तक उत्प्रेरक का पुनर्चक्रीकरण किया जाता है । तत्पश्चात उसे सिस्टम में से निकाला जाता है ।

टीडीक्यू : पॉलिमराइज्ड 2,2,4-ट्राइमिथाइल-1,2 डाई-हाइड्रोक्विनोलाइन । टीडीक्यू एसिटोन और एनिलीन को किसी अम्लीय उत्प्रेरक की उपस्थिति में उच्च तापमान पर संघनित किया जाता है । इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न द्रव्यमान को तत्पश्चात अप्रक्षित स्तर तक पॉलिमराइज्ड किया जाता है; बेशी अम्ल को कॉस्टिक घोल से निष्प्रभावी किया जाता है और पानी से धोया जाता है । तत्पश्चात लो बॉयलर्स प्राप्त करने के लिए निर्वात परिस्थितियों में उच्च तापमान पर सामग्री का अपखंडन किया जाता है । इसके बाद उत्पाद को पेस्टिलाइज करके थैलों में भरा जाता है ।

इन रबड़ रसायनों का प्रयोग प्राकृतिक रबड़, संश्लिष्ट रबड़ (एसबीआर, ब्यूटाडाइन रबड़, नाइट्राइल रबड़, कोर्बोक्सीलेटेड रबड़) और विभिन्न रबड़ उत्पाद के लिए प्रयुक्त संश्लिष्ट रबड़ आधारित अन्य यौगिकों के उपचार के लिए किया जाता है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु के लिए कोई अनन्य आईटीसी एचएस वर्गीकरण मौजूद नहीं है और विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क वर्गीकरण शीर्षों 38.12.10, 38.12.20 और 38.12.30 के विभिन्न उपशीर्षों के साथ-साथ सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम और आईटीसी एचएस वर्गीकरण के 29.34.20 तथा 29.25.20 (छह अंकीय स्तर पर) के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने यह भी सूचित किया है कि उपर्युक्त उत्पादों का यूरोपीय वर्गीकरण यूरोपीय संघ में प्रयुक्त वर्गीकरण के अनुरूप नहीं है। तथापि प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह उत्पाद अपने संबंधित व्यापारिक नामों और ऊपर उल्लिखित रासायनिक विशेषताओं से जाने जाते हैं। इसलिए ऊपर दर्शाए गए सीमाशुल्क एवं आईटीसी एचएस वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और मौजूदा जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं हैं।

घ. घरेलू उद्योग का मत

घ.1 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

9. प्राधिकारी द्वारा मौजूदा जांच अपनी ओर से शुरू की गई है। एनओसीआईएल देश में प्रत्येक संबद्ध रसायन का प्रमुख उत्पादक है। जहां तक अन्य उत्पादकों द्वारा संबद्ध वस्तु के उत्पादन का संबंध है। इस बारे में कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है। पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर आवेदक घरेलू उद्योग की शर्तों को पूरा करता है।

घ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

10. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग के संबंध में कोई अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

11. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में निम्नलिखित प्रावधान किया गया है:-

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं

उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।

12. मौजूदा समीक्षा जांच में मै0 एनओसीआईएल ने जांच शुरूआत अधिसूचना का उत्तर दिया है । प्राधिकारी ने संबंधित उत्पाद शुल्क प्राधिकारियों से संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन का ब्यौरा भी मांगा था । इस संबंध में केंद्रीय उत्पाद शुल्क उपायुक्त, कोचीन में कार्यालय से उत्तर प्राप्त हुआ था । रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार कुल भारतीय उत्पादन में मै0 एनओसीआईएल के उत्पादन का हिस्सा पीएक्स 13 के मामले में 84%, टीडीक्यू के मामले में 77% और एमओआर के मामले में 86% हैं । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मामले में जांचाधीन रबड़ रसायनों के कुल भारतीय उत्पादन के संबंध में मै0 एनओसीआईएल भारत में संबद्ध वस्तुओं का प्रमुख उत्पादक है । अतः पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर मै0 एनओसीआईएल संबद्ध वस्तुओं हेतु घरेलू उद्योग की शर्तों को पूरा करता है ।

13. कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे

- यह तर्क दिया गया है कि पाटनरोधी नियमावली के संबंध में बजट 2011-12 द्वारा दिनांक 1 मार्च, 2011 की अधिसूचना सं0 15/2011-सीमाशुल्क (एनटी) के जरिए किए गए संशोधन के आलोक में मौजूदा कार्यवाही रद्द हो गई है और मौजूदा सुनवाई विधि द्वारा प्राधिकृत नहीं है । ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त संशोधन के अंतर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी की शक्ति उस सीमा तक कम कर दी गई है कि अब निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लागू होने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि की समाप्ति से पहले पाटनरोधी शुल्क जारी रखने हेतु एक आदेश पारित करने के लिए बाध्य है ।
- यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि इंडियन मेटल एंड फैरो एलॉयज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशानुसार, अपनी ओर से जांच शुरू करने की कोई आवश्यकता नहीं थी ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

14. प्राधिकारी का मत है कि संशोधन की उपरोक्त व्याख्या समुचित नहीं है क्योंकि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (5) के परंतुक के अनुसार अन्य के साथ-साथ यह विनिर्दिष्ट किया गया है कि जहां पांच वर्ष की अवधि की समाप्ति से पहले एसएसआर जांच की शुरूआत कर दी गई है लेकिन ऐसी समाप्ति से पहले उसे पूरा नहीं किया गया है वहां केंद्र सरकार ऐसी समीक्षा को एक वर्ष से अनधिक समय के लिए बढ़ा सकती है ।

15. स्पष्टतः हितबद्ध पक्षकार ने उपरोक्त व्याख्या असावधानीवश एक अर्धविराम चिह्न लगाए जाने के कारण की है जैसाकि नीचे दर्शाया गया है:

(1 i) उपनियम (1) अथवा (1) में उल्लिखित किसी भी बात के बावजूद इस अधिनियम के तहत लगाया गया निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपण की तारीख से पांच वर्ष से अनधिक अवधि के लिए प्रभावी होगा बशर्ते निर्दिष्ट प्राधिकारी उस अवधि से पूर्व स्वयं अपनी ओर से शुरु की गई अथवा उस अवधि की समाप्ति से पूर्व समुचित समयावधि के भीतर, घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओरसे विधिवत प्रमाणित अनुरोध पर शुरु की गई समीक्षा जांच में इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उक्त पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना है ।

16. यह मामला राजस्व विभाग के समक्ष उठाया गया था जिसने दिनांक 6 अप्रैल 2011 को एक शुद्धिपत्र जारी किया है जो निम्नानुसार है :

भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3 उपखंड (i) में दिनांक 1 मार्च, 2011 के सा.का. नि. 154 (अ) द्वारा प्रकाशित वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), भारत सरकार की दिनांक 1 मार्च, 2011 की अधिसूचना सं. 15/2011-सीमाशुल्क (एनटी) में पैराग्राफ (4) के उप पैराग्राफ (1 i) में , घरेलू उद्योग की ओर से शब्दों के स्थान पर घरेलू उद्योग की ओर से पढ़ा जाए ।

इस शुद्धि पत्र से हितबद्ध पक्षकार द्वारा उठाए गए मुद्दे का स्वतः समाधान हो गया है।

17. जहां तक इंडियन मेटल एंड फैब्रो एलॉयज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश से संबंधित मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी का मत है कि इस विषय पर संगत नियमों एवं विनियमों को ध्यान में रखते हुए इस एसएसआर जांच की शुरुआत करना सही है और माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुरूप है ।

ड. पाटन निर्धारण

सामान्य मूल्य

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

18. घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार तर्क दिए हैं:

- 18.1 सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु वरीयताप्राप्त कार्यपद्धति घरेलू बाजार में बिक्री से संबंधित निर्यात की बिक्री कीमत है । तथापि ऐसी सूचना केवल संबंधित निर्यातकों के

पास ही होती है। इस संबंध में सार्वजनिक रूप से कोई सूचना उपलब्ध नहीं होती है। किसी भी हितबद्ध पक्षकार का यह तर्क नहीं है कि अपने घरेलू बाजार में विदेशी उत्पादकों की ऐसी बिक्री कीमत सुगमता से उपलब्ध थी जिसकी याचिकाकर्ता ने उपेक्षा की। यह भी उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता से ऐसी कोई भी सूचना उपलब्ध कराने की आशा की जा सकती है जो उसके पास समुचित रूप से उपलब्ध हो। वस्तुतः अनेक मामलों में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने व्यापार पत्रिकाओं में प्रकाशित कीमतों पर विचार किया है। यह आवश्यक नहीं है कि ऐसी कीमतें घरेलू उत्पादकों की कीमतें हो। ऐसी कीमतें सामान्यतः वह कीमतें होती हैं जिन पर निर्यातक देशों में खपत हेतु उत्पाद खरीदा गया हो।

- 18.2 अतः यह देखा जा सकता है कि नियमों में खपत हेतु उद्दिष्ट कीमत परबल दिया गया है जिसे बेची गई वस्तु की कीमत से अलग रखा जाना चाहिए। मूल जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने कारखाना द्वारा कीमतों के परिकलन हेतु स्वीकार्य समायोजनों की अनुमति देने के पश्चात् बिक्री कीमत के साथ-साथ संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संबंध में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर संबद्ध बाजार अर्थव्यवस्था देशों में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। चूंकि मौजूदा आवेदन वर्तमान शुल्कों की समीक्षा से संबंधित है अतः याचिकाकर्ता ने बाजार अर्थव्यवस्था देशों के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य के परिकलन के लिए प्राधिकारी से समान कार्य पद्धति अपनाने का अनुरोध किया है।
- 18.3 याचिकाकर्ता ने यूरोपीय बाजार में खपत हेतु बेचे जा रहे रबड़ रसायनों की कीमत के निर्धारण हेतु यूरोप को होने वाले निर्यात की कीमत को ध्यान में रखा है।
- 18.4 याचिकाकर्ता ने सूचित किया है कि रबड़ रसायन विशेष रसायन हैं जिनका वैश्विक बाजार अत्यधिक सीमित होता है। ये रसायन व्यापक रूप से बेची जाने वाली वस्तुएं नहीं हैं और न ही इन उत्पादों की कीमतें व्यापार पत्रिकाओं में प्रकाशित की जाती हैं अथवा इन पर नजर रखी जाती है। वस्तुतः विश्व भर में ऐसे बहुत कम उत्पादक (संभवतः 10 से कम) हैं जो यह उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं (कम से कम टायर वर्ग के) को बेचते हैं। अतः वह कीमत जिस पर यूरोपीय उत्पादकों ने यह उत्पाद घरेलू बाजार में बेचा है, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। वास्तव में प्रतिवादी निर्यातक ने भी अपनी बिक्री कीमत को अत्यधिक व्यापार संवेदनशील सूचना माना है और उसे गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराया है। वस्तुतः मौजूदा उत्पादों के व्यापार प्रचालनों से संबंधित सूचना इतनी अधिक संवेदनशील है कि प्रतिवादी निर्यातक ने प्रश्नावली के उत्तर के सार्वजनिक रूपांतर में अपनी क्षमता, उत्पादन, बिक्री, मालसूची आदि से संबंधित कोई भी सूचना शामिल करने से इन्कार कर दिया है।
- 18.5 उपर्युक्त के मद्देनजर और इस बात को ध्यान में रखते हुए कि वास्तविक सूचना विदेशी उत्पादकों के पास उपलब्ध है, प्राधिकारी को सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु यूरोप के घरेलू बाजार में खपत के लिए बेची गई वस्तुओं की कीमत के साक्ष्य पर विचार करना

चाहिए। ऐसी कार्यपद्धति न केवल विधिक रूप से अनुमत्य है बल्कि समुचित भी है। इस सबके होते हुए भी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्क/आपत्ति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी कृपया प्रस्तावित निर्धारण के प्रयोजनार्थ उत्पादन लागत के अनुमानों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करें।

- 18.6 एटीएमए द्वारा यह सुझाव दिया गया था कि व्यापार पत्रिका में प्रकाशित कीमतों पर विचार किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने यह सूचित किया था कि ऐसी कोई व्यापार पत्रिका नहीं है जिसमें इन उत्पादों की कीमतों से संबंधित सूचना हो। यदि ऐसी कीमतें वास्तव में उपलब्ध हैं तो यह सूचना निर्दिष्ट प्राधिकारी को उपलब्ध कराने में एटीएमए को कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। पाटनरोधी जांच को ऐसी जांच नहीं माना जा सकता है जिसमें केवल घरेलू उद्योग सूचना एवं साक्ष्य प्रस्तुत करेगा और अन्य सभी पक्षकारों की भूमिका केवल उत्तर देने तक सीमित होगी। यदि एटीएमए ऐसी सूचना को सुगमता से उपलब्ध मानता है तो संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए एटीएमए स्वतंत्र है।

च.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

19. इन हितबद्ध पक्षकारों ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार तर्क दिए हैं:-

घरेलू उद्योग की याचिका के अनुसार, सभी संबद्ध बाजार अर्थव्यवस्था देशों अर्थात् ईयू, ताइवान और यूएसए हेतु सामान्य मूल्य डीआई की निर्यात कीमत पर आधारित है जो त्रुटिपूर्ण है और पाटनरोधी करार तथा पाटनरोधी नियमावली के विरुद्ध है। अतः घरेलू उद्योग द्वारा दिया गया याचिका का यह मूल आधार ही गलत है कि संबद्ध देशों से पाटन किया जा रहा है और भारतीय पाटनरोधी अधिनियम एवं नियमावली तथा डब्ल्यू टीओ करार के दायरे के भीतर ऐसे गैरकानूनी निर्धारण पर प्राधिकारी की निर्भरता अपर्याप्त है।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

20. जहां तक परिकलित सामान्य मूल्य के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच स्वतः आधार पर शुरू की गई है।

- 20.1 तथापि, जहां तक घरेलू उद्योग के अभ्यावेदनों के संदर्भ में एटीएमए के आरोप का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा अन्य के साथ-साथ उस कीमत जिस पर देश के घरेलू बाजारों या उद्गम के देशों में खपत अथवा निर्यात के लिए अभिप्रेत प्रश्नगत उत्पाद की बिक्री की जाती है (या जहां उपयुक्त हो, उस कीमत के संबंधों में जिस पर उद्गम के देश या देशों द्वारा बिक्री अथवा तीसरे देश या देशों को निर्यात किया जाता है तथा उत्पाद के परिकलित मूल्य के संबंध में सूचना) तथा निर्यात कीमतों अथवा जहां उपयुक्त हो उस कीमत के संबंध में उसके पास पर्याप्त

सूचना देना उपलब्ध है जिस पर आयातक सदस्य के क्षेत्र में किसी स्वतंत्र क्रेता को सर्वप्रथम उत्पाद की पुनःबिक्री की गई है ।

- 20.2 इसके अतिरिक्त, अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रश्नावली का उत्तर देकर प्राधिकारी को निष्पक्ष एवं वस्तुपरक जांच परिणाम तक पहुंचने में सहायता देना अपेक्षित होता है। प्राधिकारी ने संगत सूचना उपलब्ध कराने के लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया था । वर्तमान जांच में जहां कहीं भी हितबद्ध पक्षकारों ने अपने वास्तविक आंकड़े प्रस्तुत किए हैं और प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है, सूचना/आंकड़ों के सत्यापन के बाद प्राधिकारी द्वारा संबंधित उत्तरदाताओं द्वारा पाटन, यदि कोई हो, के निर्धारणार्थ उसे अंगीकार किया गया है, जैसाकि निम्नलिखित से स्पष्ट है ।

पीएक्स -13

मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल का निर्यातक/उत्पादक

- 20.3 मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल ने अपने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की अपनी बिक्री के सौदेवार विवरण की सूचना प्रदान की है । सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ कंपनी द्वारा उत्पादित वस्तु की घरेलू बिक्री पर विचार किया गया है । यह देखा गया था कि सामान्य मूल्य के निर्धारणार्थ घरेलू बिक्री को अंगीकार किया जा सकता था क्योंकि वह पर्याप्तता एवं व्यापार का सामान्य प्रक्रिया जांच में सफल रही थी । मौके पर सत्यापन के दौरान किए गए सत्यापन के अनुसार ऋण, अंतर्देशीय भाड़ा और कमीशन आदि के संबंध में दावा किए गए समायोजनों की अनुमति दी गई है । समायोजनों के बाद सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति कि.ग्रा. निर्धारित किया गया है ।

ईयू के अन्य सभी निर्यातक / उत्पादक

- 20.4 यूरोपीय संघ के असहयोगी निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ईयू के सहयोगी निर्यातक हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य पर आधारित परिकलित सामान्य मूल्य को अंगीकार करने का प्रस्ताव करते हैं क्योंकि यह मूल्य ईयू के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की विद्यमान कीमतों को दर्शाता है । तदनुसार, इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति कि.ग्रा. बनता है ।

चीनी ताइपेई के सभी निर्यातक/उत्पादक

- 20.5 चीनी ताइपेई के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने इस जांच में प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है । चीनी ताइपेई के निर्यातकों /उत्पादकों द्वारा असहयोग को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार किया है । प्राधिकारी नोट

करते हैं कि घरेलू उद्योग का दावा ईयू के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की विद्यमान कीमतों के रूप में चीनी ताइपेई को उसकी निर्यात कीमत पर आधारित है ।

- 20.6 तथापि, प्राधिकारी ने प्रमुख कच्ची सामग्रियों की अंतरराष्ट्रीय कीमत, घरेलू उद्योग के खपत के कारक और घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत पर विचार करते हुए चीनी ताइपेई के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है, इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति कि.ग्रा. बनता है । प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में इस प्रकार निर्धारित परिकलित सामान्य मूल्यस को स्वीकार करने का प्रस्ताव किया है ।

एमओआर

ईयू के सभी निर्यातक/उत्पादक

- 20.7 ईयू में किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने इस जांच में प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया । ईयू में निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा किए गए असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों, पर विचार किया । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का दावा ईयू को अपनी निर्यात कीमत पर आधारित है जो कि ईयू के घरेलू बाजार में प्रचलित संबद्ध वस्तुओं की कीमतों के अनुसार है जो *** अम.डा. है ।

- 20.8 तथापि, प्राधिकारी इस बात पर विचार करते हैं कि घरेलू उद्योग का दावा न्यायोचित नहीं है क्योंकि उसके द्वारा ई यू को बेची गई मात्रा प्रतिनिधिक नहीं है । अतः प्राधिकारी ने प्रमुख कच्ची सामग्रियों की अंतरराष्ट्रीय कीमत, घरेलू उद्योग के खपत के कारक और घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत पर विचार करते हुए ईयू के लिए सामान्य मूल्य का भी परिकलन किया है, इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति कि.ग्रा. बनता है ।

यूएसए के सभी निर्यातक/उत्पादक

- 20.9 यूएसए में किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने इस जांच में प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया, यूएसए में निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा किए गए असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यूएसए में सामान्य मूल्य के अनुसार ईयू को इसकी निर्यात कीमत स्वीकार करने का अनुरोध किया है ।

- 20.10 तथापि, प्राधिकारी ने उनके अनुरोध का नहीं माना है और इसके स्थान पर प्रमुख कच्ची सामग्रियों की अंतरराष्ट्रीय कीमत, घरेलू उद्योग के खपत कारकों तथा घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत पर विचार करते हुए यूएसए के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है, इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति कि.ग्रा. बनता

है । प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में यथा परिकलित सामान्य मूल्य स्वीकार करने का प्रस्ताव किया है ।

चीन जन गण के सभी निर्यातक/उत्पादक

20.11 चीन के किसी उत्पादक ने इस जांच में सहयोग नहीं किया है और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 (2) के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था के लिए कोई सूचना उपलब्ध कराई है । इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा बनी रहेगी । इस प्रकार प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसरण में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में यथा निर्धारित अन्य पद्धतियों से संबंधित रिकार्डों पर पर्याप्त सूचना की अनुपस्थिति में प्राधिकारी ने “किसी अन्य उचित आधार” को पद्धति के स्वीकार करते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है ।

20.12 इस प्रकार प्राधिकारी ने कच्ची सामग्रियों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों, घरेलू उद्योग के खपत संबंधी कारक और घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत पर विचार करते हुए चीन जनगण के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है, इस प्रकार परिकलित सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति कि.ग्रा. बनता है ।

टीडीक्यू

ईयू के सभी निर्यातक/उत्पादक

20.13 ईयू में किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने जांच में प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया । ईयू में निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा किए गए असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार किया । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का दावा ईयू को अपनी निर्यात कीमत पर आधारित है जो कि ईयू के घरेलू बाजार में प्रचलित संबद्ध वस्तुओं की कीमतों के अनुसार है जो *** अम.डा. है ।

20.14 प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान ई यू को *** मी.ट. टी डी क्यू की बिक्री की है । प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के इस तर्क को नोट किया है कि ई यू को संबद्ध वस्तु की उसकी बिक्री में जांच अवधि के दौरान ई यू में संबद्ध वस्तु की प्रचलित कीमत प्रदर्शित होती है । प्राधिकारी इस तर्क में दम पाते हैं कि जांच अवधि के दौरान ई यू को बेची गई मात्रा प्रतिनिधिक स्वरूप की है और उस पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु भरोसा किया जा सकता है । वस्तुतः ई यू में कीमत अधिक होगी क्योंकि इसमें ई यू में अंतरदेशी भाड़ा, कमीशन तथा विक्रेताओं का लाभ शामिल होगा । इन अतिरिक्त लागतों के होते हुए भी ई यू में सामान्य मूल्य का

निर्धारण कम से कम सी आई एफ आधार पर उनकी बिक्री कीमत के अनुसार किया जा सकता है । अतः प्राधिकारी ने उसे वर्तमान मामले में सामान्य मूल्य के रूप में अपनाया है ।

चीनी ताइपेई के सभी निर्यातक/उत्पादक

20.15 चीनी ताइपेई में किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने इस जांच में प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया, चीनी ताइपेई में निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा किए गए असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने चीनी ताइपेई में सामान्य मूल्य के अनुसार ईयू को इसकी निर्यात कीमत स्वीकार करने का अनुरोध किया है ।

20.16 तथापि, प्राधिकारी ने उनके अनुरोध का नहीं माना है और इसके स्थान पर प्रमुख कच्ची सामग्रियों की अंतरराष्ट्रीय कीमत, घरेलू उद्योग के खपत कारकों तथा घरेलू उद्योग की परिवर्तन लागत पर विचार करते हुए चीनी ताइपेई के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन किया है, इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य *** अम.डा. प्रति कि.ग्रा. बनता है । प्राधिकारी ने वर्तमान मामले में यथा परिकलित सामान्य मूल्य स्वीकार किया है ।

निर्यात कीमत

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीएक्स 13 के लिए मै0 सॉल्युशिया इंक के अलावा संबद्ध क्षेत्र (ईयू) और संबद्ध वस्तुओं के लिए अन्य संबद्ध देशों से किसी निर्यातक/उत्पादक ने (प्राधिकारी के साथ) इस जांच में सहयोग नहीं किया है । निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा असहयोग के मद्देनजर प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्यात कीमत पर विचार किया है ।

21.1 अन्य विदेशी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया है कि क्या संगत अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए आईबीआईएस एवं डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए आयात आंकड़ों का उपयोग किया जा सकता है ।

21.2 यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग ने आईबीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर मात्रा, मूल्य एवं आयात कीमत का दावा किया है । प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े मांगे हैं । दोनों स्रोतों के आंकड़ों का मिलान किया गया तथा (यथासूचित) मात्रा एवं आयातों के मूल्य की तुलना की गई इसके विश्लेषण से पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान डीजीसीआईएंडएस द्वारा यथासूचित आयातों की मात्रा आईबीआईएस द्वारा सूचित आयातों की मात्रा से काफी कम थी । इसे देखते हुए कि चूंकि मात्रा आईबीआईएस के आंकड़ों से काफी अधिक हैं जबकि दोनों स्रोतों में

कीमत प्रति इकाई लगभग समान है अतः (प्राधिकारी ने) वर्तमान निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों की मात्रा एवं आयात की मूल्य निर्धारित करने के उद्देश्य से आईबीआईएस द्वारा यथासूचित आयात आंकड़ों को स्वीकार किया है ।

- 21.3 इस प्रकार प्राधिकारी ने आईबीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर विचाराधीन उत्पाद के लिए भारत आयात कीमत का निर्धारण किया है । यह देखा गया है कि आईबीआईएस में यथासूचित आयात कीमतें सीआईएफ आधार पर हैं, इसलिए समुद्री एवं अंतरपरिवहन पत्तन प्रभारों, समुद्री बीमा एवं कमीशन के संबंध में कीमत समायोजन किया गया है । असहयोगी विदेशी उत्पादकों के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से कारखाना द्वारा निर्यात कीमत निकालने के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कीमत समायोजन किया है ।

पीएक्स 13

मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल, ईयू से निर्यातक/उत्पादक

22. मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल ने भारत को निर्यात बिक्रियों पर पण्यवार सूचना उपलब्ध कराई है । इसकी निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए अंतरराज्यीय परिवहन, विदेशी भाड़ा एवं बीमा, ऋण एवं बैंक खर्च, पर मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल द्वारा किए गए यथा सत्यापित खर्चों का समायोजन किया गया है । इन कटौतियों को करने के बाद निवल निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति कि.ग्रा. परिगणित की गई है ।

ईयू के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

23. असहयोगी निर्यातकों के लिए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों की न्यूनतम मूल्य निर्यात व्यापार के आधार पर निवल निर्यात कीमत की गणना की गई है । असहयोगी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत *** अम.डा. प्रति कि.ग्रा. परिगणित की गई है ।

चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों/उत्पादकों

- 23.1 चीनी ताइपेई से किसी निर्यातक/उत्पादक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूना का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से सूचना उपलब्ध नहीं कराई है । इस प्रकार किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है जिसका निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए उपयोग किया जा सके ।
- 23.2 प्राधिकारी नोट करते हैं कि आईबीआईएस एवं डीजीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना चीनी ताइपेई से पीएक्स 13 के आयातों को प्रदर्शित नहीं करता है । आईबीआईएस एवं डीजीसीआईएंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए पण्यवार आंकड़े भी

पीओआई एवं उसके तुरंत दो वर्ष पहले के दौरान पीएक्स के आयातों को प्रदर्शित नहीं करते हैं। पीओआई के दौरान पीएक्स 13 के आयात आंकड़ों की अनुपस्थिति में निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। चीनी ताइपेई से अन्य देशों को पीएक्स 13 के निर्यात कीमत को ज्ञात करने के भी प्रयास किए गए। तथापि, किसी स्रोत से ऐसे आंकड़े उपलब्ध नहीं थे।

23.3 घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि चीनी ताइपेई के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण भारत में पीएक्स 13 की भारित औसत आयात कीमत के आधार पर की जानी चाहिए। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर सूचना की अनुपस्थिति में और निर्यातकों/उत्पादकों से किसी सहयोग की अनुपस्थिति में किसी विश्वसनीय आधार पर निर्यात कीमतों को निर्धारित करना कठिन है। घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार भारित औसत आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण करना भटकाने वाला है।

23.4 जांच अवधि में कोई निर्यात न होने के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से उत्पाद का लगातार पाटन नहीं हो रहा है।

एमओआर

ईयू, यूएसए और चीन जन गण के सभी निर्यातक/उत्पादक

23.5 प्राधिकारी नोट करते हैं कि ईयू, यूएसए और चीन जन गण से एमओआर के किसी भी निर्यातकों/उत्पादकों ने जांच शुरुआतद्वसंबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और न ही निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग में सूचना उपलब्ध कराई है। इस प्रकार किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है जिसका संबद्ध देशों से निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए उपयोग किया जा सके। ईयू, यूएसए तथा चीन जन गण में निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारण करने पर विचार किया है।

23.6 प्राधिकारी नोट करते हैं कि आईबीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना में ईयू से 1642 मी.टन और चीन जन गण से 683 मी.टन एमओआर के आयात प्रदर्शित होते हैं। तथापि आईबीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना में यूएसए से एमओआर के आयात प्रदर्शित नहीं होते हैं। डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए पण्यवार आंकड़ों में भी यूएसए से आयात प्रदर्शित नहीं होते हैं।

23.7 घरेलू उद्योग ने भारत में एमओआर की भारित औसत आयात कीमत के आधार पर यूएसए से निर्यात कीमत के निर्धारण का दावा किया है। तथापि, निर्यातकों/उत्पादकों से किसी सहयोग की अनुपस्थिति में और यूएसए से पीओआई के दौरान एमओआर के किसी आयातों की अनुपस्थिति में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएसए से संबद्ध वस्तु(एमओआर) के आयातों पर सूचना की अनुपस्थिति में विश्वसनीय आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण करना कठिन है। घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए सुझाव के

अनुसार भारत में एमओआर की भारित औसत आयात कीमत के आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण करना भटकाने वाला है ।

- 23.8 उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएसए से एमओआर का लगातार पाटन नहीं हुआ है ।
- 23.9 ईयू एवं चीन जन गण से निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए सभी सूचित सौदों को हिसाब में लिया गया है और भारित औसत आधार पर निर्यात कीमत की परिगणना की गई है । निवल निर्यात कीमत की गणना करने के लिए अंतरराज्यीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा एवं बीमा, पत्तन प्रभार एवं कमीशन को घटाया गया है । इस ढंग से निवल निर्यात कीमत की गणना निम्नानुसार की गई है :

विवरण	इकाई	यूरोपीय संघ	यूएसए	चीन	जन गण
आयात मात्रा	मी.टन	1642		683	
आयात मूल्य	लाख रु	3144.61		999.96	
सीआईएफ आयात कीमत	रु/किग्रा	191.56		146.34	
विनिमय दर	रु/अम.डा.	48.30		48.30	
अम.डा. में सीआईएफ निर्यात कीमत	अम.डा./किग्रा	3.97		3.03	
कीमत समायोजन (कुल)	अम.डा./किग्रा	0.23		0.22	
कारखानों द्वारा निर्यात कीमत	अम.डा./किग्रा	3.74		2.81	

टीडीक्यू

ईयू, चीनी ताइपेई से सभी निर्यातक/उत्पादक

- 23.10 प्राधिकारी नोट करते हैं कि ईयू एवं चीनी ताइपेई से टीडीक्यू के किसी निर्यातक / उत्पादक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और न ही निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग से सूचना उपलब्ध कराई है । इस प्रकार किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने कोई अन्य सूचना उपलब्ध नहीं कराई है जिसका उपयोग निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए किया जा सके । ईयू एवं चीनी ताइपेई में निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी ने रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सूचना पर विचार किया है ।

23.11 प्राधिकारी नोट करते हैं कि आईबीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना में ईयू से 581 मी.टन के आयात प्रदर्शित होते हैं। तथापि, आईबीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना में चीनी ताइपेई से टीडीक्यू के आयात प्रदर्शित नहीं लेते हैं। डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए पण्यवार आंकड़ों में भी चीनी ताइपेई से निर्यात प्रदर्शित नहीं होते हैं।

23.12 घरेलू उद्योग ने भारत में टीडीक्यू की भारित औसत आयात कीमत के आधार पर चीनी ताइपेई से निर्यात कीमत के निर्धारण का दावा किया है। तथापि, निर्यातकों/उत्पादकों से किसी सहयोग की अनुपस्थिति में औरपीओआई के दौरान टीडीक्यू के किसी आयात की अनुपस्थिति में तथा चीनी ताइपेई से टीडीक्यू के आयात पर सूचना की अनुपस्थिति में विश्वसनीय आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण करना कठिन है। घरेलू उद्योग द्वारा दिया गया सुझाव कि भारत में टीडीक्यू की भारित औसत आयात कीमत के आधार पर निर्यात कीमत निर्धारण भ्रामक है।

23.13 उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से टीडीक्यू का लगातार पाटन नहीं हुआ है।

23.14 ईयू से निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए सभी सचित सौदों को हिसाब में लिया गया है और भारित औसत आधार पर निर्यात कीमत का परिकलन की गई है। निवल निर्यात कीमत की गणना करने के लिए अंतरराज्यीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा एवं बीमा, पत्तन प्रभार एवं कमीशन को घटाया गया है। इस प्रकार निवल निर्यात कीमत की गणना निम्नानुसार की गई है :

विवरण	इकाई	यूरोपीय संघ
आयात मात्रा	मी.टन	581
आयात मूल्य	लाख रु	525.44
सीआईएफ	आयात रु/किग्रा	90.45
कीमत		
विनिमय दर	रु/अम.डा.	48.3
अम.डा. में सीआईएफ	अम.डा./किग्रा	1.87
निर्यात कीमत अम.डा. में		
कीमत	समायोजन अम.डा./किग्रा	0.14
(कुल)		
कारखानों द्वारा निर्यात	अम.डा./किग्रा	1.74
कीमत		

च. पाटन मार्जिन

24. सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत जो कारखाना द्वारा स्तरपर निर्धारित की गई थी, के आधार पर ईयू से सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पीओआई के दौरान पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

पीएक्स 13

क्र.सं.	निर्यातक	देश	पाटन मार्जिन (अम.डा./किग्रा)	पाटन मार्जिन (%)
1	मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल	ईयू	***	20-25%
2	उपर्युक्त को छोड़कर ईयू के सभी अन्य निर्यातक/उत्पादक	ईयू	***	30-35%
3	चीनी ताइपेई के सभी निर्यातक/उत्पादक	चीनी ताइपेई	-	-

एमओआर

क्र.सं.	निर्यातक	देश	पाटन मार्जिन (अम.डा./किग्रा)	पाटन मार्जिन (%)
1	ईयू के सभी निर्यातक/उत्पादक	ईयू	ऋणात्मक	ऋणात्मक
2	चीन जन गण के सभी निर्यातक/उत्पादक	चीन जन गण		25-30%
3	अमेरिका के सभी निर्यातक/उत्पादक	यूएसए	-	-

टीडीक्यू

क्र.सं.	निर्यातक	देश	पाटन मार्जिन (अम.डा./किग्रा)	पाटन मार्जिन (%)
1	ईयू के निर्यातक/उत्पादक	सभी ईयू	***	15-20%
2	चीनी ताइपेई के निर्यातक/उत्पादक	सभी चीनी ताइपेई	-	

पाटन का जारी रहना अथवा उसकी पुनरावृत्ति:**घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन:**

25. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार तर्क प्रस्तुत किए हैं :

पीएक्स-13

- वर्तमान जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से कम मानदण्ड से अधिक है बल्कि बहुत अधिक है। यह स्थिति पाटनरोधी शुल्क के जारी रहने के समय की है।
- पूर्व में की गई जांच में भी प्राधिकारी ने पाया था कि पाटन मार्जिन अत्यधिक हो और उन्होंने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाते हुए जांच संपन्न की थी। पाटनरोधी शुल्क जारी रहने के बावजूद संबद्ध देशों से अत्यधिक पाटन जारी रहा है।
- पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में भारतीय बाजार में प्रचलित कीमत विदेशी उत्पादकों द्वारा बड़ी मात्रा में निर्यात किए जाने हेतु आकर्षक हैं। पाटनरोधी शुल्कों के वर्तमान स्तर पर भी कम कीमत पर कटौती अत्यधिक सकारात्मक है। याचिकाकर्ता ने पाटनरोधी शुल्क को शामिल किए बिना कम कीमत पर कटौती का परिकलन किया है जो अत्यधिक सकारात्मक है तथा इससे यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है कि यदि वर्तमान में लागू पाटनरोधी शुल्कों को समाप्त कर दिया जाए तो विदेशी उत्पादकों के लिए भारतीय बाजार में प्रचलित कीमत और आकर्षक बन जाएंगी और इसके परिणामस्वरूप पाटित कीमतों पर आयातों में और अधिक वृद्धि होगी।
- यूरोप में मांग और क्षमता पर विचार करते हुए यह स्पष्ट है कि यूरोप में मांग की तुलना में अत्यधिक बेशी क्षमता मौजूद है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त करने की स्थिति में इन निर्यातकों द्वारा अत्यधिक बड़ी मात्रा में पाटित निर्यातों को भारत के बड़े एवं विकासशील बाजारों में भेजे जाने की संभावना है जिसके परिणामस्वरूप पाटन आगे भी जारी रहेगा। बेशी क्षमताओं के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए गए निवेदनों के साथ उपलब्ध कराए गए हैं।

एमओआर

1. पाटनरोधी शुल्कों के वर्तमान स्तर पर भी कम कीमत पर कटौती सकारात्मक बनी हुई है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाए तो विदेशी उत्पादकों तथा भारतीय उपभोक्ताओं के लिए भारतीय बाजार में प्रचलित कीमतें और अधिक आकर्षक हो जाएंगी।
2. संबद्ध देशों के निर्यातकों ने अपनी घरेलू मांग से काफी अधिक क्षमताएं तैयार की हैं। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में इन निर्यातकों द्वारा भारत में बड़े और उभरते हुए बाजार को बड़ी मात्रा में पाटित निर्यात भेजने की संभावना है जिससे पाटन होता रहेगा।
3. पूर्व में संपन्न की गई जांच में भी प्राधिकारी ने पाया था कि पाटन मार्जिन अत्यधिक है और उन्होंने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू करते हुए जांच को संपन्न किया था। वर्तमान में लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण संबद्ध देशों से आयातों में कमी हुई है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में, बेशी क्षमताओं और बड़े भारतीय बाजार जैसे कारणों के मद्देनजर इन निर्यातकों द्वारा पाटन का सहारा लिए जाने की संभावना है।

टीडीक्यू

1. पाटनरोधी शुल्कों के वर्तमान स्तर पर भी कम कीमत पर कटौती सकारात्मक बनी हुई है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाए तो विदेशी उत्पादकों तथा भारतीय उपभोक्ताओं के लिए भारतीय बाजार में प्रचलित कीमतें और अधिक आकर्षक हो जाएंगी।
2. संबद्ध देशों के निर्यातकों ने अपनी घरेलू मांग से काफी अधिक क्षमताएं तैयार की हैं। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में इन निर्यातकों द्वारा भारत में बड़े और उभरते हुए बाजार को बड़ी मात्रा में पाटित निर्यात भेजने की संभावना है जिससे पाटन होता रहेगा।
3. पूर्व में संपन्न की गई जांच में भी प्राधिकारी ने पाया था कि पाटन मार्जिन अत्यधिक है और उन्होंने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू करते हुए जांच को संपन्न किया था। वर्तमान में लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण संबद्ध देशों से आयातों में कमी हुई है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में, बेशी क्षमताओं और बड़े भारतीय बाजार जैसे कारणों के मद्देनजर इन निर्यातकों द्वारा पाटन का सहारा लिए जाने की संभावना है।

एटीएमए द्वारा किए गए निवेदन

26. एटीएमए ने यह तर्क दिया है कि पाटन एवं क्षति की पुनरावृत्ति का कोई मामला नहीं है अतः एसएसआर जांच को बंद कर दिया जाना चाहिए । उन्होंने आगे यह तर्क दिया है कि:

➤ घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीयता का दावा अनुचित है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी । संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहां भी उचित हो, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया गया है । जहां भी संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को, गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।

प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के संबंध में निम्नलिखित बातों को नोट किया है:

पीएक्स 13**ईयू**

- 27.1 प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल द्वारा उपलब्ध कराई सूचना में ईयू से किए गए पीएक्स 13 के आयातों के संबंध में अत्यधिक पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि ईयू से उत्पाद का लगातार पाटन हो रहा है और इसलिए यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की अनुमति दी जाती है तो ईयू से पीएक्स 13 के पाटन के जारी रहने की संभावना है ।

चीनी ताइपेई

- 27.2 इस तथ्य के मद्देनजर कि जांच अवधि तथा गत दो वर्षों के दौरान चीनी ताइपेई से पीएक्स 13 के कोई निर्यात नहीं हुए हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से उत्पादका पाटन जारी रहने का कोई मामला नहीं बनता है । इसके अलावा किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा, चीनी ताइपेई से पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना को दर्शाते हुए कोई सकारात्मक सूचना/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है ।

एमओआरईयू

27.3 आईबीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से प्रदर्शित होता है कि ईयू से 1642 मी.टन के अत्यधिक आयात किए गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि ईयू से एमओआर के आयात उल्लेखनीय हैं, तथापि ईयू से एमओआर के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्रारंभिक जांच परिणाम का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रारूप एवं ढंग से सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

27.4 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान ईयू से पाटन मार्जिन ऋणात्मक रहा है, अतः पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की अनुमति देने की स्थिति में पाटन जारी नहीं रहेगा। आगे प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की अनुमति दिए जाने की स्थिति में ईयू से पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना को दर्शाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

चीन जन गण

27.5 प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण से एमओआर के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रारूप एवं पद्धति में सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आईबीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार चीन जन गण से 683 मी.टन एमओआर का आयात किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण से एमओआर के निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन अत्यधिक हैं अतः प्राधिकारी का विचार है कि यदि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की अनुमति दी जाती है तो चीन जन गण से एमओआर का पाटन जारी रहने की संभावना है।

यूएसए

27.6 यह देखा गया है कि जांच अवधि एवं गत वर्ष के दौरान अमेरिका से एमओआर का कोई निर्यात नहीं किया गया है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि अमेरिका से उत्पाद का लगातार पाटन नहीं हुआ है। इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क को बंद करने की अनुमति दिए जाने की स्थिति में अमेरिका से पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना को दर्शाने के लिए किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्राधिकारी के समक्ष पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

टीडीक्यूईयू

27.7 आईबीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना में ईयू से 581 मी.टन का उल्लेखनीय आयात दर्शाया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि ईयू से टीडीक्यू के आयात उल्लेखनीय हैं तथापि ईयू से टीडीक्यू के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और निर्धारित प्रारूप एवं ढंग से सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

27.8 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान ईयू से पाटन मार्जिन अत्यधिक रहा है अतः लागू पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की अनुमति दिए जाने की स्थिति में ईयू से उत्पाद का लगातार पाटन होने की संभावना है।

चीनी ताइपेई

27.9 जांच अवधि और गत दो वर्षों के दौरान चीनी ताइपेई से पीएक्स 13 का कोई निर्यात नहीं किया गया है अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से उत्पाद का पाटन जारी रहने की कोई संभावना नहीं है। इसके अलावा पाटनरोधी शुल्क को समाप्त करने की अनुमति दिए जाने की स्थिति में चीनी ताइपेई से पाटन की पुनरावृत्ति को दर्शाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

छ. क्षतिछ.1 घरेलू उद्योग के विचार

28. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के विषय में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन, संक्षेप में, निम्नानुसार है :

- क) विचाराधीन उत्पाद का आयात जारी रहा है। वस्तुतः आयात की मात्रा में वृद्धि हुई है।
- ख) विचाराधीन उत्पाद के आयात से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट आ रही है।
- ग) प्रत्येक विचाराधीन उत्पाद के आयात की पहुंच कीमत अलग-अलग विचाराधीन उत्पादों की क्षतिरहित कीमत से कम है।
- घ) जहां घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट नहीं आई हो, वहां इसका कारण पाटनरोधी शुल्कों का लागू होना है। इसके अलावा यदि बाजार में पाटित आयातों का प्रवेश नहीं होता तो घरेलू उद्योग के निष्पादन में आगे और सुधार

किया जा सकता था । इसके अतिरिक्त पाटित आयातों की निरंतर मौजूदगी के कारण निष्पादन इष्टतम से कम रहा है ।

- ड.) घरेलू उद्योग अपने बाजार हिस्से में उतना सुधार नहीं कर पाया है जितना पाटित आयातों के न होने पर किया जा सकता था ।
- च) आयातों में वृद्धि मुख्यतः पाटित आयातों में वृद्धि है और तीसरे देशों से आयात उच्च कीमतों पर किए जाते हैं अतः उससे क्षति नहीं होती है ।
- छ) टीडीक्यू तथा एमओआर के आयातों में और भी अधिक वृद्धि हुई है जो मूल मामले के स्तर से भी अधिक है । पूर्ववर्ती मामले की तुलना में पीएक्स 13 के आयातों में केवल इस वजह से गिरावट आई है क्योंकि पाटन कर रहे अन्य देशों (अर्थात् कोरिया) से पाटित आयातों की कीमत कम थी ।
- ज) तीनों उत्पादों में घरेलू उद्योग द्वारा गंवाई गई उत्पादन मात्रा में गत वर्षों के दौरान वृद्धि हुई है ।
- झ) पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती का स्तर अत्यधिक उच्च है । पाटनरोधी शुल्क के समाप्त होने की स्थिति में घरेलू उद्योग का अपनी कीमतों में अत्यधिक कटौती करने पर विवश होना पड़ेगा ।
- ञ) याचिकाकर्ता ने वर्षों के दौरान महत्वपूर्ण बाजार हिस्सा गंवाया है । यदि घरेलू उद्योग अपनी कीमतें आयात कीमतों के अनुसार निर्धारित करता है तो उसे वित्तीय घाटा, ऋणात्मक नकद लाभ, निवेश पर ऋणात्मक आय तथा ब्याज पूर्व ऋणात्मक लाभ तथा अवमूल्यन जैसे घाटे उठाने पड़ेंगे ।
- ट) चूंकि पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के पश्चात् आयात सस्ते हो जाते हैं अतः उपभोक्ताओं ने आयात का सहारा लिया है । इन आयातों के लिए कोई अपरिहार्य कारण मौजूद नहीं है ।

छ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

29. मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल तथा एटीएमए द्वारा निवेदन प्रस्तुत किए गए हैं । वर्तमान मामले में अन्य हितबद्ध पक्षकारों से कोई प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हुई है ।

मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल, ईयू का उत्पादक/निर्यातक

मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल, ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार तर्क प्रस्तुत किए हैं:

- क. एनओसीआईएल ने उत्पादन मात्रा, क्षमता एवं क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, कर्मचारियों की संख्या, लाभप्रदता का प्रतिशत, प्रतिशत के स्वरूप में आरओसीई, निर्यात कीमत इत्यादि के समायोजन के बारे में उचित जानकारी उपलब्ध कराए बिना बहुत सी सूचनाओं को गोपनीय रखा है । आवेदक उद्योग ने अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध नहीं कराया है, जो गोपनीय रूपांतर की हूबहू प्रतिकृति होनी चाहिए ।

- ख. कारणात्मक संबंध का पूर्ण अभाव है। ई यू से हुए आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है। संबद्ध देशों और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट के बराबर अन्य देशों के बाजार हिस्से में हुई वृद्धि से यह सिद्ध होता है कि क्षति, यदि कोई हो, स्पष्टतः संबद्ध देशों से इतर आयात के स्रोत से हुए आयातों की भारी मात्रा के कारण हुई है।
- ग. पी एक्स-13 के लिए समस्त क्षति कारकों में पर्याप्त सुधार प्रदर्शित हो रहा है। क्षति के सभी कारकों में वैश्विक मंदी द्वारा प्रभावित होने के बावजूद पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार प्रदर्शित हुआ है। अतः विश्व भर के बाजारों में सुधार होने से क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना भी नहीं है।
- घ. इसी जांच अवधि के लिए घरेलू उद्योग ने मध्यावधि समीक्षा (जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना सं. 15/21/2010-डीजीएडी) के लिए अपने आवेदन में घरेलू उद्योग ने कोरिया से पी एक्स-13 के आयातों के कारण क्षति का दावा किया है। अतः यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग यह सिद्ध करने के लिए मात्र शब्दों और आंकड़ों से खेल रहा है कि ई यू से पी एक्स-13 के आयातों के खिलाफ शुल्क जारी रखने का मामला बनता है जहां कोई आयात नहीं हुआ है, निर्दिष्ट प्राधिकारी कोरिया से पी एक्स-13 के आयातों के कारण एम टी आर हेतु क्षति के दावे के घरेलू उद्योग के आवेदन की जांच करें क्योंकि ऐसा करना क्षति, यदि कोई हो, को पहुंचाने वाली कारकों के विश्लेषण और निर्धारण हेतु जरूरी है।
- ङ. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में यह बताया है कि क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना का संकेत देने वाले कारक भारतीय बाजार में कीमत आकर्षता और संबद्ध देशों में उत्पादन की अधिक क्षमता के हैं। घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए ये वक्तव्य पूर्णतः भ्रामक और किसी गुण अथवा साक्ष्य से रहित हैं।
- च. आवेदक उद्योग ने उल्लेख किया है कि उनके द्वारा तथा अन्य द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी में कोई खास अंतर नहीं हुआ है। आवेदक उद्योग का यह तर्क गलत है। सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल द्वारा विकसित पी एक्स-13 के विनिर्माण की प्रक्रिया में कई प्रमुख अंतर किए गए हैं जो नोसिल की तुलना में उसे अधिक तुलनात्मक लाभ प्रदान करते हैं। नोसिल द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी के कारण 4 ए के लिए पी एन सी वी पद्धति के उपयोग के कारण लागत अधिक आती है। अतः कारणात्मक संबंध के परिप्रेक्ष्य में प्रौद्योगिकी विकास से संबंधित घरेलू उद्योग के वक्तव्य और दावे पूर्णतः भ्रामक हैं।

- छ. साथ-साथ जांच का संचयन इस विषय पर उपलब्ध किसी कानून और न्याय शास्त्र से सिद्ध नहीं होता है ।
- ज. प्राधिकारी के लिए घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले अन्य कारकों के प्रभावों को अलग करना अपेक्षित है । अतः घरेलू उद्योग के अनुरोधों में कोई दम नहीं है और प्राधिकारी से कानून के अनुसार कार्रवाई करने का अनुरोध किया जाता है ।

ए टी एम ए द्वारा किए गए अनुरोध

30. आटोमोटिव टायर मैनु. एसो. (ए टी एम ए) ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार तर्क दिए हैं :-

- घरेलू उद्योग के पास भारत में पी एक्स-13 टी डी क्यू तथा एम ओ आर की प्रयोक्ता उद्योग की मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं है ।
- पी एक्स-13 हेतु घरेलू उद्योग का दावा दोहरे लाभ की प्रकृति का है जो पाटनरोधी अधिनियम और नियमों के विरुद्ध है- घरेलू उद्योग द्वारा ई यू तथा ताइवान से पी एक्स-13 के आयात के कारण हुई क्षति का दावा किया जा रहा है । घरेलू उद्योग एम टी आर जांच में कोरिया गण. से हुए आयात के विरुद्ध भी इसी उत्पाद के संबंध में क्षति का दावा कर रहा है । वही घरेलू उद्योग महानिदेशक रक्षोपाय के समक्ष एक रक्षोपाय जांच में समस्त निर्यातक देशों से पी एक्स-13 के आयात से हुई क्षति का दावा कर रहा है ।
- घरेलू उद्योग ने ई यू तथा चीनी ताइपेई से हुए आयातों के कारण हुई क्षति, कोरिया गण. से आयातों के कारण हुई क्षति तथा आरोपित पाटनकर्ता देशों सहित सभी स्रोतों से आयातों में अचानक वृद्धि के कारण हुई क्षति को अलग नहीं किया है ।
- घरेलू उद्योग के अनुसार जिन आयातों को पाटित होने का आरोप लगाया गया है, उनमें इतनी अधिक वृद्धि हुई है कि उनसे एक ही समय पर घरेलू उद्योग को "गंभीर" क्षति हो रही है । इस प्रकार क्षति को पहुंचाने वाले दो अलग-अलग कारकों का आरोप लगाया गया है । अतः पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ संवर्धित आयातों के कारण हुई क्षति को "अन्य कारकों" के कारण माना जाता है जिसकी वजह से हुई क्षति का कारण पाटन नहीं माना जाना चाहिए ।
- बाजार हिस्सा:- जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पी एक्स-13 के आयात में गिरावट आई है । जहां तक टी डी क्यू का संबंध है, अन्य देशों से हुए आयात की

तुलना में संबद्ध देशों से हुए कुल आयात अत्यंत कम हैं। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कोई दावा अन्य देशों से हुए आयातों की वजह से माना जाना चाहिए न कि संबद्ध देशों की वजह से।

- क्षमता उपयोग, क्षमता एवं उत्पादन:- पी एक्स-13, टी डी क्यू, एम ओ आर के लिए घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग, क्षमता और उत्पादन में वृद्धि हुई है।
- याचिका से घरेलू बिक्री पर आयातों के प्रभाव के बारे में कोई विशिष्ट निर्धारण गायब है। स्वयं घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार पी एक्स-13 और टी डी क्यू की घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है जिससे घरेलू उद्योग को हुई कोई क्षति नकारात्मक बन गई है।
- सभी उत्पादों के लिए घरेलू लाभ में वृद्धि हुई है। इस संबंध में कल्याणी स्टील लिमिटेड बनाम नि.प्रा., 2006 (110) ई सी सी 676 पैरा 15.3 के मामले में सेस्टेट के निर्णय का हवाला दिया गया है। यह तर्क दिया गया है कि सेस्टेट के अभिमत को ध्यान में रखते हुए इससे पाटित आयातों के कारण हुई क्षति के बारे में घरेलू उद्योग का दावा नहीं बनता है।
- घरेलू उद्योग ने सभी तीनों उत्पादों के संबंध में लगाई गई पूंजी पर पर्याप्त आय प्राप्त की है। अतः यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है।
- घरेलू उद्योग अपनी याचिका में आरोपित पाटित आयातों के कारण कीमतहास तथा न्यूनीकरण के बारे में कोई विश्लेषण करने में विफल रहा है। इस संबंध में अनुरोध है कि आरोपित पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कोई कीमत हासकारी प्रभाव नहीं पड़ा है।
- घरेलू उद्योग के अनुसार जिस आधार पर वे क्षति का दावा कर रहे हैं, वह एकमात्र आधार कीमत कटौती का है। यह अनुमान लगाते हुए यद्यपि, उसे स्वीकार न करते हुए कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हुई है, इससे कोई कीमत हास/न्यूनीकरण नहीं हुआ है और घरेलू उद्योग के निष्पादन पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।
- विदेशी उत्पादकों की बेशी उत्पादन क्षमता के कारण घरेलू उद्योग द्वारा वास्तविक क्षति होने का दावा इस वजह से वैध नहीं है क्योंकि जिस स्रोत से सूचना प्राप्त की गई है, उसे उपलब्ध नहीं कराया गया है और द्वितीयतः माननीय सेस्टेट ने इंडियान स्पिनर एसो. बनाम नि. प्रा. के मामले में यह निर्णय दिया है कि किसी निर्यातक के पास मात्र बेशी क्षमता का यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि "वास्तविक क्षति का आसन्नवर्ती खतरा" इतना अधिक है कि शुल्क को जारी रखना चाहिए।

- अग्रिम लाइसेंस योजना (ए एल एस) के अंतर्गत हुए आयातों को क्षति विश्लेषण में "मात्रात्मक प्रभाव" से अलग रखा जाना चाहिए : ए टी एम ए ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को ए एल एस के अंतर्गत किए गए आयातों को प्रयोक्ता उद्योग की कुल मांग में से अलग रखना चाहिए । उन्होंने आगे यह अनुरोध किया है कि यदि ए एल एस के अंतर्गत आयातित वस्तु भारत में वस्तु के खपत के निर्धारण हेतु प्रत्यक्षतः प्रासंगिक हो तो उसे भी क्षति के प्रयोजनार्थ आयातों के "मात्रात्मक प्रभाव" से अलग रखा जाना चाहिए ।
- घरेलू उद्योग को कई देशों से कई उत्पादों के संबंध में व्यापक शुल्क संरक्षण प्राप्त है:- भारत को रबड़ रसायनों के आपूर्ति के सभी स्रोतों में कमी की गई है और ऐसा इस तथ्य के बावजूद हुआ है कि घरेलू उद्योग के पास भारत में प्रयोक्ता उद्योग की मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं है ।
- घरेलू उद्योग द्वारा आधार वर्ष का परिवर्तन भ्रामक है । निर्णायक समीक्षा शुरू करते हुए डी जी ए डी द्वारा जारी अधिसूचना सं. 15/14/2009-डी जी ए डी में इस बात का स्पष्ट प्रावधान है कि क्षति विश्लेषण में वर्ष 2006-07, 2007-08, 2008-09 और 2009-10 शामिल होंगे जिसमें वर्ष 2006-07 को आधार वर्ष माना गया है । तथापि, घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति माननीय नि. प्रा. द्वारा क्षति की लंबी अवधि पर विचार किया जाना चाहिए । इस बात को ध्यान में रखते हुए कि माननीय नि. प्रा. ने एक परंपरा के रूप में अधिसूचना में उल्लिखित अवधि से अधिक की क्षति अवधि की कभी भी अनुमति नहीं दी है और ऐसा प्रस्ताव घरेलू उद्योग ने भी जांच की शुरुआत के समय नहीं किया था, अतः घरेलू उद्योग के तर्क को अस्वीकार किया जाना चाहिए ।
- एम ओ आर का स्थानापन्न उपलब्ध होने के कारण उसके आंकड़े स्थिर हैं:- यह अनुरोध किया जाता है कि भारत में प्रयोक्ता उद्योग एम ओ आर के स्थानापन्न के रूप में धीरे-धीरे टी बी बी पी का उपयोग बढ़ा रहे हैं । ऐसा एम ओ आर की स्थिर मांग से भी देखा जा सकता है । अतः यह अनुरोध किया जाता है कि एम ओ आर की स्थिर मांग का कारण टी बी बी पी के रूप में उपलब्ध स्थानापन्न को माना जाना चाहिए और इसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जाना चाहिए ।
- घरेलू उद्योग ने अपने सभी ऋण चुका दिए हैं और वह क्षमता विस्तार की योजना भी बना रहा है :- किसी कंपनी के लिए उस स्थिति में क्षति का दावा करना महज विडंबना है जब ऋण चुकता कर दिए गए हों और आधार वर्ष से लाभ 100% से अधिक हो रहे हों ।

- लेंगसिस इंडिया द्वारा अपनी संबद्ध कंपनियों से किए गए आयातों को अलग रखा जाना चाहिए : यह अनुरोध किया गया है कि लेंगसिस इंडिया द्वारा अपनी संबद्ध कंपनियों से किए गए किसी आयात को समग्र आयात की मात्रा तथा क्षति विश्लेषण से अलग रखा जाना चाहिए। इसका कारण यह है कि ऐसे आयात घरेलू उद्योग के उत्पादों से प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं अपितु इनकी खपत लेंगसिस की भारतीय शाखा द्वारा भारत में प्रयोक्ता उद्योग को विभिन्न अंतिम उत्पादों की आपूर्ति के लिए की जाती है। इस प्रकार लेंगसिस इंडिया द्वारा अपनी संबद्ध कंपनियों से किए गए आयातों को समग्र मात्रा से अलग रखा जाना चाहिए और ऐसा ही क्षति विश्लेषण के संबंध में भी किया जाना चाहिए। इससे ई यू से हुए आयातों में किसी वृद्धि के कारण की व्याख्या लेंगसिस इंडिया द्वारा अपनी संबद्ध कंपनी से आयात की संभावना के रूप में भी होती है।
- डी जी ए डी को स्वतः निर्णायक समीक्षा जांच शुरू नहीं करनी चाहिए :- डी जी ए डी ने इंडियन मेटल एंड फैरो अलॉयज लिमिटेड के मामले में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय, जिसमें माननीय न्यायालय ने निर्णायक समीक्षा को अनिवार्य बनाया है, पर भरोसा करते हुए स्वतः वर्तमान निर्णायक समीक्षा शुरू की है। तथापि, अनुरोध है कि उपर्युक्त मामले के संबंध में डी जी ए डी द्वारा की गई व्याख्या पूर्णतः गलत है। माननीय उच्च न्यायालय ने निर्णायक समीक्षा को आवश्यक तो बनाया है परंतु उसे विधिवत पुष्टिकृत अनुरोध के आधार पर और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23(3) में निर्धारित प्रक्रिया को अपनाते हुए शुरू किया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों में यह अपेक्षित नहीं है कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण हुई क्षति के निवारण हेतु प्रयोक्ता उद्योग की मांग को पूरा करना चाहिए।
32. जहां तक दोहरी राहत के दावे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क अथवा रक्षोपाय शुल्क के कारण एक समान स्थिति में किसी दोहरी राहत की व्यवस्था नहीं है। तथापि, प्रत्येक मामले के गुण दोष के आधार पर ये दोनों साथ-साथ रह सकती हैं बशर्ते संबंधित कानूनों में निहित संगत मानदंड पूरे होते हों।
33. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि अग्रिम लाइसेंस/प्राधिकार के अंतर्गत किए गए आयातों को मात्रा संबंधी विश्लेषण से अलग रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी इस विचार से सहमत नहीं हैं क्योंकि किसी अग्रिम लाइसेंस/प्राधिकारी भारत के पास शुल्क मुक्त आधार पर निविष्टि का आयात करने अथवा अग्रिम निर्गम आदेश के तंत्र का उपयोग करके स्वदेशी स्रोतों से उसकी खरीद करने का विकल्प होता है।

34. जहां तक संचयन के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 के पैरा 3 में उन मामलों में क्षति विश्लेषण करते समय संचयन की अनुमति है, जहां एक से अधिक देशों से हुए किसी उत्पाद के आयातों की साथ-साथ जांच चल रही हो जो न्यूनतम सीमा संबंधी मानदंड से संबंधित शर्तों के अधीन हैं और यह भी कि आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियां मौजूद हैं ।
35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसने क्षति अवधि के दौरान क्षति संबंधी आंकड़ों की जांच और मूल्यांकन करने की संगत पद्धति को अपनाया है । तथापि, किसी निर्णायक समीक्षा जांच में प्राधिकारी इस बात का निर्धारण करते हैं कि क्या शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन तथा परिणामी क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है ।
36. जहां तक इस दावे का संबंध है कि उपलब्ध सथानापत्र के कारण एम ओ आर के आंकड़े स्थिर हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह दावा करने वाले हितबद्ध पक्षकार ने इस दावे को प्रमाणित नहीं किया है । प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अन्य अनुरोधों पर ध्यान दिया है और उठाए गए मुद्दों पर उचित स्थानों पर विचार किया है ।
37. जहां तक इस दावे का संबंध है कि लेंगसिस इंडिया द्वारा अपनी संबद्ध कंपनियों से किए गए आयातों को अलग रखा जाना चाहिए, प्राधिकारी इस तर्क में कोई दम नहीं पाते हैं क्योंकि किसी उद्यम के पास वस्तु की खरीद करने का विकल्प होता है और वह ऐसा अन्य स्थितियां एक समान रहने पर सस्ते स्रोत से कर सकता है ।
38. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों तथा उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए क्षति के मापदंडों की निम्नानुसार तथ्यपरक जांच की है:
39. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है ।

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

40. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित

आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव ; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

41. वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव तथा कीमत एवं लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति एवं पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की मौजूदगी का पता लगाया जा सके।

छ.3.1. मात्रात्मक प्रभाव

(क) मांग का निर्धारण

42. संबद्ध वस्तु की घरेलू खपत/मांग का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग तथा अन्य भारतीय उत्पादक की बिक्री मात्रा को भारत में हुए कुल आयात में जोड़ा गया है जिसका संक्षेप में उल्लेख निम्नानुसार है:

पी एक्स-13

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	670	279	651	689
यूरोपीय यूनियन	मी.ट.	650	279	651	689
चीनी ताईपेई	मी.ट.	20	-	-	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	42	97	103
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	982	6,581	4,955	9,139
कुल आयातक	मी.ट.	652	6,860	5,606	9,828
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	99	174
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	138	133	198
अन्य भारतीय उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	135	156	79
कुल मांग	मी.ट.	8,753	11,095	10,053	14,311

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	115	163
-----------	----------	-----	-----	-----	-----

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में पी एक्स 13 की मांग में भारी वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मांग में वृद्धि लगभग 63.50 % हुई थी।

टी डी क्यू

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	70	308	368	581
यूरोपीय यूनियन	मी.ट.	60	308	368	581
चीनी ताईपेई	मी.ट.	10	-	-	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	440	526	830
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	1,254	1,199	1,171	1,747
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	93	139
कुल आयात	मी.ट.	1,325	1,507	1,539	2,328
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	116	176
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	98	139
अन्य भारतीय उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	160	94
कुल मांग	मी.ट.	5,042	5,894	6,150	6,782
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	122	135

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में टी डी क्यू की मांग में भारी वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मांग में वृद्धि लगभग 34.51 % हुई थी।

एमओआर

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	722	910	527	683
चीन जन.गण.	मी.ट.	722	910	527	683
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	73	95
अमरीका से आयात	मी.ट.	104	52	-	-
ई यू से आयात	मी.ट.	1,354	1,535	1,334	1,642
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	42	15	-	-
कुल आयात	मी.ट.	2,222	2,512	1,861	2,325
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	84	105

घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	99	97
अन्य भारतीय उद्योग की बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	124	201	116
कुल मांग	मी.ट.	4,383	4,963	4,420	4,503
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	101	103

प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि में एम ओ आर की मांग कमोवेश स्थिर रही है और उसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मामूली वृद्धि हुई है। आधार वर्ष में जांच अवधि के दौरान मांग में लगभग 2.74% की वृद्धि हुई थी।

ख) आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

45. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में यह उपबंध है कि "पाटित आयातों की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेगा कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में भारी वृद्धि हुई है।" इस प्रकार पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में यह जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में भारी वृद्धि हुई है।

46. निम्नलिखित तालिका में आयातों की मात्रा और बाजार हिस्से की तथ्यात्मक स्थिति संक्षेप में दी गई है -

पी एक्स -13

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	670	279	651	689
यूरोपीय यूनियन	मी.ट.	650	279	651	689
चीनी ताइपेई	मी.ट.	20	-	-	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	42	97	103
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	4,982	6,581	4,955	9,139
कुल आयातक	मी.ट.	5,652	6,860	5,606	9,828
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	99	174
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	152	174
मांग	मी.ट.	8,753	11,095	10,053	14,311
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	127	115	163
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध आयात					
कुल आयातक	%	11.85	4.07	11.62	7.01

उत्पादन	%	15-20	3-8	8-13	8-13
खपत	%	7.65	2.51	6.48	4.81
घरेलू उद्योग का मांग में बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	116	121

47. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

- ई.यू. से आयात की मात्रा, जिसमें 2007-08 में गिरावट आई थी, 2008-09 में और जांच अवधि में मामूली वृद्धि हुई। वर्ष 2006-07 के बाद ताइवान से संबद्ध वस्तु का कोई आयात नहीं हुआ था।
- आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की मौजूदगी के बावजूद ई.यू. से आयात की मात्रा में वृद्धि हुई।
- आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत में कुल आयात, उत्पादन और खपत के संबंध में संबद्ध क्षेत्र से हुए आयातों में गिरावट आई है।
- आयातों के बाजार हिस्से में आई गिरावट के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर जांच अवधि में 120 (सूचीबद्ध) हो गया है।

टी डी क्यू

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	70	308	368	581
यूरोपीय यूनियन	मी.ट.	60	308	368	581
चीनी ताइपेई	मी.ट.	10	-	-	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	440	526	830
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	1,254	1,199	1,171	1,747
कुल आयातक	मी.ट.	1,325	1,507	1,539	2,328
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	116	176
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	107	97
मांग	मी.ट.	5,042	5,894	6,150	6,782
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	122	135
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध आयात					
कुल आयातक	%	5.29	20.41	23.89	24.95
उत्पादन	%	1-6	3-8	4-9	8-13
खपत	%	1.39	5.22	5.98	8.57

घरेलू उद्योग का मांग में बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	81	103

48. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

- (i) जांच अवधि में ईयू से आयात की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। वर्ष 2006-07 के बाद ताइवान से कोई आयात न होने की सूचना दी गई थी।
- (ii) ई यू से आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद आयात में वृद्धि हुई।
- (iii) भारत में कुल आयात, उत्पादन और खपत की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देश से हुए आयात में भारी वृद्धि हुई है।
- (iv) आयातों के हिस्से में वृद्धि के बावजूद आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के हिस्से में वृद्धि हुई है।

एम ओ आर

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	722	910	527	683
चीन जन.गण.	मी.ट.	722	910	527	683
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	73	95
अमरीका से आयात	मी.ट.	104	52	-	-
ई यू से आयात	मी.ट.	1,354	1,535	1,334	1,642
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	42	15	-	-
कुल आयातक	मी.ट.	2,222	2,512	1,861	2,325
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	84	105
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	101	104
मांग	मी.ट.	4,383	4,963	4,420	4,503
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	101	103
निम्नलिखित की तुलना में संबद्ध आयात					
कुल आयात	%	32.49	36.23	28.32	29.38
उत्पादन	%	37-42	40-45	27-32	35-40
खपत	%	16.47	18.34	11.92	15.17
घरेलू उद्योग का मांग में बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	98	95

49. उपर्युक्त से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

- (i) आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों की मात्रा में गिरावट आई है ।
- (ii) आधार वर्ष की तुलना में भारत में कुल आयात, उत्पादन और खपत के संबंध में जांच अवधि में चीन जन.गण. से हुए आयात में गिरावट आई है ।
- (iii) जांच अवधि में घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है ।

ज. घरेलू उद्योग पर संबद्ध आयातों का कीमत प्रभाव

50. घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कीमत प्रभाव का पता लगाने के लिए प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती । कीमत कटौती की मात्रा का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की है। समस्त रिबेटों और करों की कटौती करने के बाद निवल बिक्री प्राप्ति निकाली गई थी । आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना लागू पाटनरोधी उपाय पर विचार करने के बाद भी घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई थी ।

कीमत कटौती

पी एक्स-13

	घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति (रू./किग्रा.)	पहुंच मूल्य (रू./किग्रा.)		कीमत कटौती (रू./किग्रा.) (%)	
		पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित	पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित
मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल	***	***	***	***	***
				2-7%	13-18%
ई यू से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	नकारात्मक	***
				नकारात्मक	15-20%
ताईवान से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	कोई आयातक नहीं			

51. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से पी एक्स 13 के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम है । ई यू से हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री

कीमत में भारी कटौती हो रही है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को पहुंच मूल्य में जोड़ने के बाद भी ई यू की मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल के संबंध में कीमत कटौती सकारात्मक है ।

टी डी क्यू

	घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति (रु./किग्रा.)	पहुंच मूल्य (रु./किग्रा.)		कीमत कटौती (रु./किग्रा.) (%)	
		पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित	पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित
ई यू से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	114.28	98.49	***	***
				2-7%	15-20%
ताइवान से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	कोई आयातक नहीं			

52. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से टी डी क्यू के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम है । ई यू से हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भारी कटौती हो रही है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को पहुंच मूल्य में जोड़ने के बाद भी कीमत कटौती सकारात्मक है ।

एमओआर

	घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति (रु./किग्रा.)	पहुंच मूल्य (रु./किग्रा.)		कीमत कटौती (रु./किग्रा.) (%)	
		पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित	पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित
ई यू से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	232.24	208.57	नकारात्मक	***
				नकारात्मक	7-12%
चीन जन.गण. से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	181.07	159.33	***	***
				20-25%	28-33%
अमरीका से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	कोई आयातक नहीं			

53. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से एम ओ आर के आयात की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से कम है । यदि हम उसका निर्धारण लागू पाटनरोधी शुल्क के बिना करते हैं । इस प्रकार संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भारी कटौती हो रही है । तथापि, मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को पहुंच मूल्य

में जोड़ने के बाद चीन जन.गण. से हुए आयातों द्वारा की गई कीमत कटौती अभी भी सकारात्मक है परंतु यह ई यू के मामले में ऋणात्मक बन जाती है ।

कम कीमत पर बिक्री

54. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ करने के बाद कम कीमत पर बिक्री की मात्रा का निर्धारण किया है जिसे निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :

पी एक्स-13

	क्षति रहित कीमत (रू./किग्रा.)	पहुंचं मूल्य (रू./किग्रा.)		कम कीमत पर बिक्री (रू./किग्रा.) (%)	
		पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित	पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित
मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल	***	*** ***	*** ***	***	***
				5-10%	15-20%
ई यू से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	***
				1-6%	15-20%
ताईवान से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	कोई आयातक नहीं			

55. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

क. ई यू से पी एक्स 13 के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है । इस प्रकार ई यू से हुए आयात घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम कीमत पर बेचे जा रहे हैं । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को पहुंच मूल्य में जोड़ने के बाद भी कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है ।

ख घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से अधिक है। अतः घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु (पी एक्स 13) के लिए उचित बिक्री प्राप्ति को वसूलने में समर्थ नहीं है ।

टी डी क्यू

	क्षति रहित कीमत (रु./किग्रा.)	पहुंच मूल्य (रु./किग्रा.)		कम कीमत पर बिक्री (रु./किग्रा.) (%)	
		पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित	पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित
ई यू से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	114.28	98.49	नकारात्मक	***
				नकारात्मक	10-15%
ताईवान से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	कोई आयातक नहीं			

56. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

- ई यू से टी डी क्यू के आयात की पहुंच कीमत लागू पाटनरोधी शुल्क पर विचार किए बिना घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है। इस प्रकार ई यू से हुए आयातों की बिक्री घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम पर हो रही है। तथापि, मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को पहुंच मूल्य में जोड़ने के बाद भी कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक है।
- घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम है। इस प्रकार घरेलू उद्योग शुल्क लागू रहने की स्थिति में संबद्ध वस्तु (टी डी क्यू) की उचित बिक्री कीमत प्राप्त करने में समर्थ है। तथापि, ऐसा लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण हो सका है।

एम ओ आर

	क्षति रहित कीमत (रु./किग्रा.)	पहुंच मूल्य (रु./किग्रा.)		कम कीमत पर बिक्री (रु./किग्रा.) (%)	
		पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित	पाटनरोधी शुल्क सहित	पाटनरोधी शुल्क रहित
ई यू से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	232.24	208.57	नकारात्मक	नकारात्मक
				नकारात्मक	नकारात्मक
चीन जन.गण. से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	181.07	159.33	***	***
				8-13%	20-25%
अमरीका से समस्त उत्पादक/निर्यातक	***	कोई आयातक नहीं			

57. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

क. लागू पाटनरोधी शुल्क के बाद भी ई यू से एम ओ आर के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से अधिक है । अतः जहां तक ई यू से हुए आयातों का संबंध है, एम ओ आर के बारे में कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक है ।

ख. चीन जन.गण. से एम ओ आर के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है । चीन से हुए आयातों की बिक्री घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम पर हो रही है । मौजूदा पाटनरोधी शुल्क को पहुंच मूल्य में जोड़ने के बाद भी कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है ।

ग. घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से कम है । अतः घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तु (एम ओ आर) की उचित बिक्री कीमत प्राप्त करने में सक्षम है ।

कीमत हास/न्यूनीकरण

58. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमतों में हास/न्यूनीकरण हो रहा था, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत तथा निवल बिक्री कीमत की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ की है जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है:

पी एक्स 13

		2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
उत्पादन की लागत	रू./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	122	109
निवल बिक्री कीमत	रू./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	125	114
लाभ/हानि	रू./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	-9	167	207
ई यू से आयातों की औसत पहुंच कीमत	रू./किग्रा.	201.61	167.19	239.20	194.20
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	83.12	118.93	96.5
ताईवान से आयातों की औसत पहुंच कीमत	रू./किग्रा.	182.76	-	-	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	-	-	-

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि क्षति अवधि के दौरान पी एक्स 13 की उत्पादन लागत और निवल बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, निवल बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से अधिक रही थी। इस प्रकार जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमत का कीमत ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव दृष्टिगत नहीं होता है।

टी डी क्यू

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	126	101
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	132	103
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	31	172	114
ई यू से आयातों की औसत पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	102.55	88.42	131.23	96.28
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	86.42	128.27	95.9
ताईवान से आयातों की औसत पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	100.58	-	-	-
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	-	-	-

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि क्षति अवधि के दौरान टी डी क्यू की उत्पादन लागत और निवल बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि हुई है। तथापि, निवल बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से अधिक रही थी। इस प्रकार जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमत का कीमत ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव दृष्टिगत नहीं होता है।

एम ओ आर

	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (जांच अवधि)
उत्पादन की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	128	99
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	134	113
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	38	234	336
ई यू से आयातों की औसत पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	199.03	157.69	250.73	207.85

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	79.23	125.98	104.43
चीन जन.गण. से आयातों की औसत पहुंच कीमत	रू./किग्रा.	173.34	155.03	214.53	158.78
ई यू से आयातों की औसत पहुंच कीमत	सूचीबद्ध	100.00	89.44	123.76	91.60
अमरीका से आयातों की औसत पहुंच कीमत	रू./किग्रा.	186.62	194.07	-	-
ई यू से आयातों की औसत पहुंच कीमत	सूचीबद्ध	100.00	103.99	-	-

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में उत्पादन लागत में गिरावट आई है वहीं एम ओ आर की निवल बिक्री कीमत में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है। अतः स्पष्ट तौर पर जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का कीमत हास/न्यूनकारी प्रभाव दृष्टिगत नहीं होता है।

अ. घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

62. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा।

उत्पादन, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग

63. घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री, क्षमता और क्षमता उपयोग की स्थिति नीचे दर्शायी गई है:-

पी एक्स-13

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
क्षमता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	136	136	144
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	152	174
क्षमता उपयोग	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	112	121
घरेलू बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	138	133	198
मांग	मी.ट.	8,753	11,095	10,053	14,311
मांग की बिक्री में %	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	116	121

64. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पी एक्स 13 के उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। भारत में पी एक्स 13 की मांग/खपत की तुलना में इस उत्पाद की घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है।

टी डी क्यू

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
क्षमता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	101	101
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	107	97
क्षमता उपयोग	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	105	96
घरेलू बिक्री	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	98	139
मांग	मी.ट.	5,042	5,894	6,150	6,782
मांग की बिक्री में %	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	81	103

65. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के टी डी क्यू के उत्पादन और क्षमता उपयोग में समग्र रूप में मामूली गिरावट आई है। तथापि, टी डी क्यू की घरेलू बिक्री में समग्र रूप में तथा भारत में मांग/खपत की तुलना में वृद्धि हुई है।

एम ओ आर

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
क्षमता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
उत्पादन	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	101	104
क्षमता उपयोग	मी.ट.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	101	104
घरेलू बिक्री	मी ट	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	99	97
मांग	मी ट	4,383	4,963	4,420	4,503
मांग के % में बिक्री	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	98	95

66. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के एम ओ आर के उत्पादन और क्षमता उपयोग में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। तथापि, एम ओ आर की घरेलू बिक्री में समग्र रूप में और भारत में मांग/खपत की तुलना में मामूली गिरावट आई है।

लाभप्रदता

67. घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा लाभ/हानि का उल्लेख निम्नानुसार है :

पी एक्स-13

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
लागत की बिक्री	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	122	109
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	125	114
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(9)	167	207
घरेलू उद्योग पर कर पूर्व लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(12)	222	410
घरेलू बिक्री पर कर पूर्व लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(3)	253	400

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि में पी एक्स 13 के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है और घरेलू उद्योग ने लाभ कमाया है। प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत तथा बिक्री कीमत की प्रवृत्तियों पर विचार करते हुए लाभप्रदता की जांच की। यह पाया गया कि समूची क्षति अवधि में उत्पादन लागत और बिक्री कीमत में वृद्धि हुई। परंतु बिक्री कीमत में वृद्धि बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अधिक रही है। परिणामतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है।

टी डी क्यू

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
लागत की बिक्री	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	126	101
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	132	103
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	31	172	114
घरेलू उद्योग पर कर पूर्व लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	36	169	158
घरेलू बिक्री पर कर पूर्व लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	39	178	157

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि में टी डी क्यू के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है और घरेलू उद्योग ने लाभ कमाया है। प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत तथा बिक्री कीमत की प्रवृत्तियों पर विचार करते हुए लाभप्रदता की जांच की। यह पाया गया कि समूची क्षति अवधि में उत्पादन लागत और बिक्री कीमत में वृद्धि हुई। परंतु बिक्री कीमत में वृद्धि बिक्री लागत में हुई वृद्धि से अधिक रही है। परिणामतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है।

एम ओ आर

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
लागत की बिक्री	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	128	99
निवल बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	134	113
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	38	234	336
घरेलू उद्योग पर कर पूर्व लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	42	231	327
घरेलू बिक्री पर कर पूर्व लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	48	250	320
-----------	----------	-----	----	-----	-----

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि में टी डी क्यू के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ है और घरेलू उद्योग ने लाभ कमाया है। प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत तथा बिक्री कीमत की प्रवृत्तियों पर विचार करते हुए लाभप्रदता की जांच की। यह पाया गया कि जहां उत्पादन लागत में गिरावट आई है वहीं क्षति अवधि में बिक्री कीमत में वृद्धि हुई। परिणामतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है।

रोजगार, उत्पादकता तथा मजदूरी

71. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता से संबंधित स्थिति निम्नानुसार है:

पी एक्स-13

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	173	136	164
लाख	***	***	***	***	***
मजदूरी	रुपए				
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	105	166
मी.ट./	***	***	***	***	***
प्रति दिवस उत्पादकता	दिवस				
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	150	152	174
मी.ट.	***	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	100	87	111	106

72. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन में सुधार होने के साथ पी एक्स 13 के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है।

टी डी क्यू

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	100	60
लाख	***	***	***	***	***
मजदूरी	रुपए				
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	135	102	81
मी.ट./	***	***	***	***	***
प्रति दिवस उत्पादकता	दिवस				
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	107	97

प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	107	161

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान टी डी क्यू हेतु प्रति दिन उत्पादकता तुलनात्मक रूप से स्थिर रही है और घरेलू उद्योग की प्रति कर्मचारी उत्पादकता में सुधार हुआ है।

एम ओ आर

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
कर्मचारी	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	94	100
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	120	106
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट./ दिवस	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	101	104
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	107	104

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन में सुधार होने के कारण एम ओ आर के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है।

75. तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग एक बहु उत्पाद कंपनी है और इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा रोजगार और प्रदत्त मजदूरी में सुधार वर्तमान मामले में क्षति के मूल्यांकन का सही मापदंड नहीं हो सकता है।

निवेश पर आय और नकद प्रवाह

76. नकद लाभ और निवेश पर आय से संबंधित स्थिति निम्नानुसार है:

पी एक्स 13

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
आर ओ आई - एन एफ ए आधार	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	(3)	231	274
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	41	185	314

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान पी एक्स 13 के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेश पर आय में पर्याप्त सुधार हुआ है। ऐसी ही स्थिति नकद लाभ के बारे में है।

टी डी क्यू

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
आर ओ आई - एन एफ ए आधार	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	47	234	157
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	45	161	158

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान टी डी क्यू के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेश पर आय में पर्याप्त सुधार हुआ है। ऐसी ही स्थिति नकद लाभ के बारे में है।

एम ओ आर

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
आर ओ आई - एन एफ ए आधार	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	42	213	285
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	61	193	261

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान एम ओ आर के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेश पर आय में पर्याप्त सुधार हुआ है। ऐसी ही स्थिति नकद लाभ के बारे में है।

मालसूची

पी एक्स 13

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
औसत मालसूची	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	181	171	189

एम ओ आर

85. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से पाटन मार्जिन अत्यधिक और न्यूनतम स्तर से ज्यादा है। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की अनुमति दिए जाने पर पाटन के जारी रहने की संभावना है। तथापि, ई यू से आयातों के बारे में नकारात्मक पाटन मार्जिन तथा जांच अवधि के दौरान अमरीका से कोई पाटन न होने के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू और अमरीका से एम ओ आर के सतत पाटन का कोई मामला नहीं बनता है।

वृद्धिपी एक्स 13

86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि ई यू से आयात की मात्रा में मामूली वृद्धि हुई है तथापि, क्षति अवधि के दौरान घरेलू बिक्री, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग, नकद लाभ, लाभ एवं निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही है।

टी डी क्यू

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि ई यू से आयात की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है तथापि, क्षति अवधि के दौरान घरेलू बिक्री, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग, नकद लाभ, लाभ एवं निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही है।

एम ओ आर

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि संबद्ध देशों से आयात की मात्रा में मामूली वृद्धि हुई है तथापि, क्षति अवधि के दौरान उत्पादन तथा क्षमता उपयोग, नकद लाभ, लाभ एवं निवेश पर आय के संबंध में भी घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही है। तथापि, एम ओ आर की घरेलू बिक्री में समग्र रूप में मामूली गिरावट आई है।

ट. क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

89. इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के बारे में निम्नानुसार तर्क दिए हैं :

80. आधार वर्ष की तुलना में क्षति अवधि के दौरान पी एक्स 13 की मालसूची में वृद्धि प्रदर्शित हो रही है।

टी डी क्यू

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
मालसूची	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	67	51	75

81. टी डी क्यू की मालसूची में वर्ष 2008-09 तक गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है परंतु उसके बाद जांच अवधि में उसमें वृद्धि हुई है।

एम ओ आर

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
मालसूची	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	65	47	67

82. एम ओ आर की मालसूची में वर्ष 2008-09 तक गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है परंतु उसके बाद जांच अवधि में उसमें वृद्धि हुई है।

पाटन मार्जिन की मात्रा

पी एक्स 13

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से पाटन मार्जिन काफी अधिक और न्यूनतम स्तर से ज्यादा है। जांच अवधि के दौरान चीनी ताइपेई से कोई निर्यात न होने के दृष्टिगत प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से पी एक्स 13 के सतत पाटन का कोई मामला नहीं बनता है।

टी डी क्यू

84. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से पाटन मार्जिन अत्यधिक और न्यूनतम स्तर से ज्यादा है। जांच अवधि के दौरान चीनी ताइपेई से कोई आयात न होने के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से टी डी क्यू के सतत पाटन का कोई मामला नहीं बनता है।

पी एक्स-13

1. पी एक्स-13 के संबंध में संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों के पास अधिक उत्पादन क्षमताएं हैं। वर्तमान शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से पाटन में निश्चित रूप से वृद्धि होगी और अंततः घरेलू उद्योग को क्षति होगी।
2. पी एक्स-13 के संबंध में संबद्ध देशों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती की जा रही है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो इस बात की संभावना है कि कीमत कटौती में और अधिक वृद्धि होगी। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने और पर्याप्त कीमत कटौती की स्थिति में घरेलू उद्योग अपनी कीमत में आयातों के उस स्तर तक बराबरी लाने के लिए बाध्य होगा, ताकि बाजार में वह स्थापित रह सके जिससे कंपनी को घाटा होगा।
3. लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देशों से आयात काफी अधिक रहे हैं। पाटनरोधी शुल्क के बिना पहुंच कीमत पर कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री अधिक रही है जिससे लागू पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना की पुष्टि होती है।

एम ओ आर

1. पी एक्स-13 के संबंध में संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों के पास अधिक उत्पादन क्षमताएं हैं। वर्तमान शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से पाटन में निश्चित रूप से वृद्धि होगी और अंततः घरेलू उद्योग को क्षति होगी।
2. पी एक्स-13 के संबंध में संबद्ध देशों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती की जा रही है। यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो इस बात की संभावना है कि कीमत कटौती में और अधिक वृद्धि होगी। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने और पर्याप्त कीमत कटौती की स्थिति में घरेलू उद्योग अपनी कीमत में आयातों के उस स्तर तक बराबरी लाने के लिए बाध्य होगा, ताकि बाजार में वह स्थापित रह सके जिससे कंपनी को घाटा होगा।
3. लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। इस समय आयात इतनी कम कीमत पर हो रहे हैं कि पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद भी कीमत कटौती काफी अधिक है। इससे उपलब्ध क्षमता के बावजूद घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा प्राप्त करने से वंचित हुआ है। घरेलू उद्योग केवल अपने क्षमता उपयोग को घटकाकर अपनी लाभप्रदता कायम रखने में समर्थ हुआ है। इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद भी अत्यधिक कीमत कटौती का घरेलू

उद्योग पर प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव पड़ा है । इससे स्पष्ट तौर पर यह संकेत मिलता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति की प्रबल संभावना है ।

टी डी क्यू

1. टी डी क्यू के संबंध में संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों के पास अधिक उत्पादन क्षमताएं हैं । वर्तमान शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देशों से पाटन में निश्चित रूप से वृद्धि होगी और अंततः घरेलू उद्योग को क्षति होगी ।
 2. टी डी क्यू के संबंध में संबद्ध देशों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती की जा रही है । यदि वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किया जाता है तो इस बात की संभावना है कि कीमत कटौती में और अधिक वृद्धि होगी । पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने और पर्याप्त कीमत कटौती की स्थिति में घरेलू उद्योग अपनी कीमत में आयातों के उस स्तर तक बराबरी लाने के लिए बाध्य होगा, ताकि बाजार में वह स्थापित रह सके जिससे कंपनी को घाटा होगा ।
 3. लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है । घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि मुख्यतः पाटनरोधी शुल्क को जोड़ने के बाद भी कीमत कटौती काफी अधिक हुई है । वर्ष 2008-09 की तुलना में वर्ष 2009-10 में लाभ में भी गिरावट आई है । पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद भी घरेलू उद्योग को क्षति जारी है । पाटनरोधी शुल्क जोड़ने के बाद भी कीमत में अत्यधिक कटौती से स्पष्ट तौर पर यह संकेत मिलता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति की प्रबल संभावना है ।
90. घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु की बेशी क्षमता के बारे में निम्नलिखित तालिका उपलब्ध कराई है:

क्र. सं.	विवरण	टी डी क्यू	पी एक्स 13	एम ओ आर
क	ई यू			
	क्षमता	39,500	123,000	16,000
	निर्धारित खपत (2009)	15,745	25,860	500
	सरप्लस क्षमता	23,755	97,140	15,500
ख	चीन			
	क्षमता	-	-	11,600
	सहायक क्षमता (2009)	-	-	4,000
	सरप्लस क्षमता	-	-	7,600
ग	कुल सरप्लस	23,755	97,140	23,100
घ	भारतीय मांग	6,782	14,311	4,503

मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल द्वारा किए गए अनुरोध

91. पी एक्स-13 के लिए क्षति के सभी कारकों में पर्याप्त सुधार प्रदर्शित हो रहा है। जिसे आवेदक उद्योग द्वारा दायर सूचना से भी ज्ञात किया जा सकता है। अतः यह नितांत स्पष्ट है कि वर्तमान या संभावित क्षति का कोई मामला नहीं बनता है।

ए टी एम ए द्वारा किए गए अनुरोध

92. यह तर्क दिया गया है कि तथ्यों के आधार पर पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति का कोई मामला नहीं बनता है और इस प्रकार निर्णायक समीक्षा जांच समाप्त की जानी चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

पी एक्स 13

ई यू

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार ई यू से पी एक्स 13 के संबंध में अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का पता चलता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से पी एक्स 13 के पाटित आयातों के कारण जांच अवधि के कारण ई यू से उत्पाद के आयातों की वजह से सतत क्षति हो रही है। अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्ति की अनुमति की स्थिति में क्षति जारी रहने की संभावना है।

चीनी ताइपेई

94. जांच अवधि और पिछले दो वर्षों के दौरान चीनी ताइपेई से पी एक्स 13 का कोई निर्यात न होने के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से इस उत्पाद के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है। इसके अलावा, चीनी ताइपेई से पी एक्स 13 के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

एम ओ आर

ई यू

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आई बी आई एस द्वारा उपलब्ध सूचना के अनुसार ई यू से एम ओ आर के आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही है।

तथापि, कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक है । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से एम ओ आर के आयातों से सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है ।

96. इसके अलावा, ई यू से एम ओ आर के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है ।

चीन जन.गण.

97. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के एम ओ आर के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और अपेक्षित सूचना प्रदान नहीं की है । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि आई बी आई एस द्वारा प्रदत्त सूचना से चीन जन.गण. से एम ओ आर के संबंध में पर्याप्त कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का पता चलता है । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से उत्पाद के आयातों से सतत क्षति का मामला बनता है और पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति की अनुमति की स्थिति में चीन जन.गण. से एम ओ आर के आयातों से सतत क्षति होने की संभावना है ।

अमरीका

98. जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान अमरीका से एम ओ आर का कोई निर्यात न होने के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि अमरीका से उत्पाद के आयातों के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है । इसके अलावा, अमरीका से संबद्ध वस्तु के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है ।

टी डी क्यू

ई यू

99. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से टी डी क्यू के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है और अपेक्षित सूचना प्रदान नहीं की है । प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि आई बी आई एस द्वारा प्रदत्त सूचना से ई यू से एम ओ आर के संबंध में पर्याप्त कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का पता चलता है । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से उत्पाद के आयातों से सतत क्षति का मामला बनता है और पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति की अनुमति की स्थिति में ई यू से टी डी क्यू के आयातों से सतत क्षति होने की संभावना है ।

चीनी ताइपेई

100. जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती 2 वर्षों के दौरान चीनी ताइपेई से टी डी क्यू का कोई निर्यात न होने के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से उत्पाद के आयातों के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है।
101. इसके अलावा, चीनी ताइपेई से टी डी क्यू के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध एकांशकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन:-

102. जांच अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु प्राधिकारी द्वारा निर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। इस प्रकार की तुलना के बाद क्षति मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

पी एक्स 13

विवरण	इकाई	मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल	ई यू अन्य	ताइवान
एन आई पी	रु./किग्रा.	***	***	कोई आयात नहीं
पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	***	***	
क्षति मार्जिन	रु./किग्रा.	***	***	
क्षति मार्जिन (%)	%	20-25%	21-26%	

टी डी क्यू

विवरण	इकाई	ई यू	ताइवान
एन आई पी	रु./किग्रा.	***	कोई आयात नहीं
पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	***	
क्षति मार्जिन	रु./किग्रा.	***	
क्षति मार्जिन (%)	%	10-15%	

एमओआर

विवरण	इकाई	ई यू	चीन जन.गण.	अमरीका
एन आई पी	रू./किग्रा.	***	***	कोई आयात नहीं
पहुंच कीमत	रू./किग्रा.	***	***	
क्षति मार्जिन	रू./किग्रा.	नकारात्मक	***	
क्षति मार्जिन (%)	%	नकारात्मक	25-30%	

ठ. कारणात्मक संबंध

103. अधिकारी ने निर्णायक समीक्षा जांच में कारणात्मक संबंध के महत्व और प्रासंगिकता से संबंधित अनुरोधों की जांच की है। धारा 9 (5) के अंतर्गत यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि प्राधिकारी के लिए पाटन एवं क्षति की संभावना तथा शुल्क जारी रखने की जरूरत की जांच करनी अपेक्षित होती है भले ही समीक्षा जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात हुआ हो अथवा नहीं। इस बात की जांच की गई थी कि क्या पाटनरोधी नियमों में सूचीबद्ध अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। निम्नानुसार नोट किया जाता है:

अन्य देशों से मात्रा और कीमत

पी एक्स 13

104. जिन अन्य देशों से पी एक्स 13 का आयात किया गया था, वे हैं चीन जन.गण., कोरिया गण., जापान, अमरीका और थाइलैंड। आयात आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. और कोरिया गण. से पी एक्स 13 के आयातों पर शुल्क पहले से लागू है और जापान, अमरीका और थाइलैंड से हुए आयात या तो न्यूनतम सीमा से कम हैं अथवा उनकी निर्यात कीमत अधिक है।

टी डी क्यू

105. जिन अन्य देशों से टी डी क्यू का आयात किया गया था, वे हैं चीन जन.गण., कोरिया गण., जापान और रूस। आयात आंकड़ों से यह नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. से टी डी क्यू के आयातों पर शुल्क पहले से लागू है और कोरिया गण., जापान और रूस से हुए आयात या तो न्यूनतम सीमा से कम हैं अथवा उनकी निर्यात कीमत अधिक है।

एम ओ आर

106. जाच अवधि के दौरान संबद्ध देश से इतर किसी देश से एम ओ आर का आयात नहीं हुआ था।

मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

107. यह नोट किया जाता है कि भारत में तीनों संबद्ध रबड़ रसायनों (अर्थात् पी एक्स 13, टी डी क्यू और एम ओ आर) की मांग में कोई कमी नहीं आई है। अतः मांग में संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है। भारत में उत्पाद की मांग में इन वर्षों के दौरान अच्छी वृद्धि हुई है। खपत की पद्धति में परिवर्तन का भी कोई संकेत नहीं है।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

108. तीनों संबद्ध रबड़ रसायनों (अर्थात् पी एक्स 13, टी डी क्यू और एम ओ आर) के आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होते हैं और ये देश में मुक्त रूप से आयात योग्य हैं। घरेलू उत्पादक एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं और साथ ही साथ ही संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत से प्रतिस्पर्धा करते हैं। घरेलू उद्योग की कीमत संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत से अत्यधिक प्रभावित होती है। इसके अलावा, किसी हितबद्ध पक्षकार ने यह भी संकेत देने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों में कोई परिवर्तन आया है।

प्रौद्योगिकी विकास

109. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीनों रबड़ रसायनों (अर्थात् टी डी क्यू और एम ओ आर) के उत्पादन की प्रक्रिया अल्प तकनीकी अथवा प्रौद्योगिकी विकास के साथ अत्यंत स्थिर है। जहां तक एम ओ आर और टी डी क्यू का संबंध है, याचिकाकर्ता और संबद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। जहां तक पी एक्स 13 का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. सोलुसिया इंक ने दावा किया है कि उनके पास अद्भुत और पेटेंट प्रौद्योगिकी है तथापि, यह नोट किया जाता है कि उनके द्वारा प्रस्तुत सूचना/आंकड़ों के अनुसार यह पाया गया है कि वे भारत में पी एक्स 13 का पाटन कर रहे हैं। जहां तक घरेलू उद्योग के पी एक्स 13 की उत्पादन लागत पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव का संबंध है, उसने अंतर्राष्ट्रीय मानकों की प्रौद्योगिकी होने का दावा किया है।

निर्यात निष्पादन

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति तीनों रबड़ रसायनों (अर्थात् पी एक्स 13, टी डी क्यू और एम ओ आर) के निर्यात निष्पादन में संभावित विकृति के कारण नहीं हुई है ।

ड. पाटन जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना

पी एक्स 13

110. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. सॉल्यूशिया यूरोप बी वी बी ए/एस पी आर एल द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार ई यू से पी एक्स 13 के संबंध में अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का पता चलता है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से पी एक्स 13 के पाटित आयातों के कारण जांच अवधि के कारण ई यू से उत्पाद के आयातों की वजह से सतत क्षति हो रही है । अतः पाटनरोधी शुल्क समाप्ति की अनुमति की स्थिति में क्षति जारी रहने की संभावना है । इसके अलावा, पाटन और खति की पुनरावृत्ति की संभावना की आगे और जांच अपेक्षित नहीं है ।

चीनी ताइपेई

111. जांच अवधि और पिछले दो वर्षों के दौरान चीनी ताइपेई से पी एक्स 13 का कोई निर्यात न होने के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से इस उत्पाद के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है । इसके अलावा, चीनी ताइपेई से पी एक्स 13 के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है ।

एम ओ आर

ई यू

112 प्राधिकारी नोट करते हैं कि आई बी आई एस द्वारा उपलब्ध सूचना के अनुसार ई यू से एम ओ आर के आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही है । तथापि, कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक है । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से एम ओ आर के आयातों से सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है ।

113 प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार ई यू से एम ओ आर के आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही है । तथापि, कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक है । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से एम ओ आर के आयातों के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है ।

114. इसके अलावा, ई यू से एम ओ आर के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

चीन जन.गण.

115. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से चीन जन.गण. से एम ओ आर के संबंध में अत्यधिक कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री का पता चलता है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से उत्पाद के आयातों से सतत क्षति का मामला बनता है और पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति की अनुमति की स्थिति में चीन जन.गण. से एम ओ आर के आयातों से सतत क्षति होने की संभावना है।

अमरीका

116. जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान अमरीका से एम ओ आर का कोई निर्यात न होने के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि अमरीका से उत्पाद के आयातों के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है। इसके अलावा, अमरीका से संबद्ध वस्तु के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

टी डी क्यू

ई यू

117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से ई यू से टी डी क्यू के संबंध में अत्यधिक कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री का पता चलता है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से उत्पाद के आयातों से सतत क्षति का मामला बनता है और पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति की अनुमति की स्थिति में ई यू से टी डी क्यू के आयातों से सतत क्षति होने की संभावना है।

चीनी ताइपेई

118. जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती दो वर्षों के दौरान चीनी ताइपेई से टी डी क्यू का कोई निर्यात न होने के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई से उत्पाद के आयातों के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है। इसके अलावा, चीनी ताइपेई से टी डी क्यू के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

ढ. निष्कर्ष

119. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना तथा उपर्युक्त जांच परिणाम में दर्ज किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और पाटन तथा क्षति जारी रहने तथा पाटन एवं क्षति जारी रहने/उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि:

पी एक्स 13

- i. भारतीय बाजार में ई यू से संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा निर्धारित न्यूनतम सीमा से ज्यादा है । यह देखा गया है कि मौजूदा पाटन रोधी शुल्क के बावजूद भारत को पाटित कीमत पर संबद्ध वस्तु का निर्यात जारी है । तथापि, मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है । परंतु यह नोट किया जाता है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बिना ई यू से कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री काफी अधिक है । अतः वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्ति की अनुमति दिए जाने पर घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है । आगे यह नोट किया जाता है कि उपलब्ध सूचना के अनुसार पाटनरोधी शुल्क की अवधि को बढ़ाने और उसकी राशि में संशोधन करना अपेक्षित है ।
- ii. तथापि, जांच अवधि और पिछले दो वर्षों के दौरान चीनी ताइपेई से पी एक्स 13 का कोई आयात न होने के मद्देनजर चीनी ताइपेई से उत्पाद के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है । इसके अलावा, चीनी ताइपेई से पी एक्स 13 के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है । अतः चीनी ताइपेई से पी एक्स- 13 के आयातों के बारे में किसी पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की जा रही है ।

iii. एम ओ आर

- i. ई यू से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन नकारात्मक है । इसके अलावा, यद्यपि, ई यू से एम ओ आर के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही है परंतु कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक है । अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि ई यू से एम ओ आर आयातों के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है । इसके अलावा, ई यू से एम ओ आर के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है । अतः ई यू से एम ओ आर के आयातों के बारे में किसी पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की जा रही है ।

ii चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन काफी अधिक और न्यूनतम निर्धारित सीमा से ज्यादा है। मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद पाटित कीमतों पर भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात जारी है। यद्यपि, मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है, तथापि यह नोट किया जाता है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बिना चीन जन.गण. से कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री काफी अधिक है। इसके अलावा, लागू पाटनरोधी शुल्क के बाद भी कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है। अतः वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्ति की अनुमति दिए जाने पर घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है। आगे यह नोट किया जाता है कि उपलब्ध सूचना के अनुसार पाटनरोधी शुल्क की अवधि को बढ़ाने और उसकी राशि में संशोधन करना अपेक्षित है।

iii तथापि, जांच अवधि और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान अमरीका से एम ओ आर का कोई आयात न होने के मद्देनजर अमरीका से उत्पाद के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है। इसके अलावा, अमरीका से एम ओ आर के आयातों से हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। अतः अमरीका से एम ओ आर के आयातों के बारे में किसी पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की जा रही है।

टी डी क्यू

iii. भारतीय बाजार में ई यू से टी डी क्यू का आयात पाटित कीमतों पर किया गया है और य देखा गया है कि पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा निर्धारित न्यूनतम सीमा से ज्यादा है। मौजूदा पाटन रोधी शुल्क के बावजूद भारत को पाटित कीमत पर संबद्ध वस्तु का निर्यात जारी है। तथापि, मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है। परंतु यह नोट किया जाता है कि मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बिना ई यू से कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री काफी अधिक है। अतः वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्ति की अनुमति दिए जाने पर घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है। आगे यह नोट किया जाता है कि रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार पाटनरोधी शुल्क की अवधि को बढ़ाने और उसकी राशि में संशोधन करना अपेक्षित है।

iv. तथापि, जांच अवधि और पिछले दो वर्षों के दौरान चीनी ताइपेई से टी डी क्यू का कोई आयात न होने के मद्देनजर चीनी ताइपेई से उत्पाद के कारण सतत क्षति का कोई मामला नहीं बनता है। इसके अलावा, चीनी ताइपेई से टी डी क्यू के आयातों से

हुई क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना को प्रदर्शित करने के लिए किसी हितबद्ध पक्षकार ने पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। अतः चीनी ताइपेई से टी डी क्यू के आयातों के बारे में किसी पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की जा रही है।

ण. सिफारिशें

120. उपर्युक्तानुसार निष्कर्ष निकालने के बाद प्राधिकारी का मत यह है कि संबद्ध देशों/संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी शुल्क की अवधि को बढ़ाने और उसकी राशि में संशोधन करना अपेक्षित है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में उल्लेख किया गया है।

121. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि धरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों/संबद्ध क्षेत्र के मूल की या यहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इन संस्तुतियों को स्वीकार किए जाने की स्थिति में निम्नलिखित तालिका में किए गए उल्लेखानुसार उक्त तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के अनुसार पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	381210, 381212, 381220, 381230, 293420, 292519, 292520	रबड़ कैमिकल पी एक्स 13	ई यू	ई यू	सोलूटिया बी पी ली ए रुम पी. अमे. डी.ए.	सोलूटिया बी पी ली ए रुम पी. अमे. डी.ए.	810	प्रति मी.ट.	अम.डॉ.
2	-वही-	रबड़ कैमिकल पी एक्स 13	ई यू	ई यू	उत्पादक 1 में उल्लिखित उत्पादक तथा निर्यातक के संयोजन से इतर कोई		928	प्रति मी.ट.	अम.डॉ.
3	-वही-	रबड़ कैमिकल एम ओ आर	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई	कोई	770	प्रति मी.ट.	अम.डॉ.
4	-वही-	रबड़ कैमिकल टी डी क्यू	ई यू	ई यू	कोई	कोई	262	प्रति मी.ट.	अम.डॉ.

122. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होना और इसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 1, 8 1, 9 तथा 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

123. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th May, 2011

Subject : Sunset Review Investigation of Anti-dumping duty imposed on imports of Certain Rubber Chemicals namely 'PX13' originating in or exported from Chinese Taipei, European Union; 'MOR' originating in or exported from China PR, European Union & USA; and 'TDQ' originating in or exported from Chinese Taipei and European Union,— Final Findings.

F. No. 15/14/2009-DGAD.— Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules), the definitive anti-dumping duty was originally imposed vide notification No. 94/2005-Customs dated 20th October, 2005 on import of Certain Rubber Chemicals (MOR, PX13 and TDQ) (hereinafter referred to as the subject goods) originating in or exported from China PR, Chinese Taipei, European Union & USA (hereinafter referred to as the subject countries/territory).

A. BACKGROUND

2. And whereas, in view of the order of the Hon'ble Delhi High court in the matter of Indian Metal and Ferro Alloys Ltd V/s Designated Authority, Writ Petition (Civil) No. 16893 of 2006 and in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of AD Rules, the Authority issued a public notice dated 12th May 2010, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the sunset review investigation to review the need for continued imposition of duties in force and to examine whether the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

3. And whereas, antidumping duty as notified vide Notification No. 94/2005- Customs dated 20th October, 2005 was extended up to 11th May, 2011 vide notification No. 132 /2010- Customs dated 28th December, 2010 in terms of Section 9(A)(5) of the Act.

Countries/territory involved:

4. The countries/territory involved in this investigation are as follows:

- PX-13 - Chinese Taipei, European Union.

- MOR – China PR, European Union, USA
- TDQ - European Union, Chinese Taipei

B. PROCEDURE

5. In this proceeding, the procedure described herein-below has been followed:
- The Office of Delegation of European Union/Embassies/ Economic & Cultural Centre of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules.
 - The Authority sent copies of initiation notification dated 12th May 2010 to the Office of Delegation of European Union/Embassies/ Economic & Cultural Centre of the subject countries, known exporters from the subject countries/territory, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it. Parties to this investigation were requested to file the questionnaires' responses and make their views known in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters were also sent to the Office of Delegation of European Union/Embassies/ Economic & Cultural Centre of the subject countries along with a list of known exporters / producers with a request to advise the exporters/ producers from the subject countries/territory to respond to the questionnaires within the prescribed time.
 - Questionnaires were sent to the following known exporters from the subject countries/territory in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules to elicit relevant information:

S.N.	Company's Name
1.	China Sunsine Chemical Holdings Ltd., China PR
2.	Puyang Willing Chemical Co., Ltd., China PR
3.	Rongcheng Chemical General Factory Co., Ltd., China PR
4.	Shenyang Northeast Auxiliary Chemical Industry Co., Ltd, China PR
5.	Meyors Chemical Inc Limited, China PR
6.	Linkwell Rubber Chemicals Co.,Ltd., China PR
7.	Nanjing Chemical Industry Corporation Chemical Plant, China PR
8.	Shandong Shanxian Chemical Co., Ltd., China PR
9.	Solutia Inc., USA
10.	Flexsys NV , Belgium
11.	LANXESS NV, Germany
12.	Duslo, a. s., Slovak Republic
13.	Chemtura Italy S.r.l.
14.	General Quimica S.A., Colombia
15.	Emerald Polymer Additives, LLC, USA

M/s Solutia Europe BVBA/SPRL filed their questionnaires' response. No other exporter/producer from the subject countries/ territory filed the questionnaires' response.

- iv. Questionnaires were sent to the following known importers, users and associations of the subject goods in India for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

S.N.	Company's Name
1.	J.K. Industries Ltd. Kolkata
2.	CEAT Limited, Mumbai
3.	Apollo Tyres Ltd., Kochi
4.	Birla Tyre, Kolkata
5.	MRF Limited, Chennai
6.	Metro Tyres Ltd., Ludhiana
7.	Poddar Tyres Ltd., Ludhiana
8.	Raison Ind. Ltd., New Delhi
9.	Rubber Products Ltd., Thane

S.N.	Association's Name
1.	Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA)

- v. The imports data for the period of investigation and preceding three years was called from Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), which was received by the Authority.
- vi. The complete and authentic details of imports and domestic production of the subject items was called from Central Board of Excise and Customs, North Block, New Delhi. Besides, in response to the request made by the Authority, the Office of the Deputy Commissioner of Central Excise, Cochin made available the data regarding the production and sales of the companies.
- vii. In pursuance to the notification issued by the Authority dated 12th May 2010, the Authority received an application from M/s National Organic Chemicals Industries Ltd (NOCIL) requesting for the review, continuance and enhancement of anti-dumping duty in force against dumping of Rubber Chemicals (MOR, PX-13 and TDQ) in the Indian market by the producers and/or exporters from subject countries. Besides, the Authority also received questionnaires' response from Solutia Europe BVBA/SPRL, J.K. Industries Ltd. Kolkata and Apollo Tyres Ltd., Kochi, M/s Automotive Tyres Manufacturers Association (ATMA) filed their submissions in this regard. However, none of the producers/exporters from China PR, Chinese Taipei and USA have responded.
- viii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- ix. As stated, a request for continuation of the anti-dumping duty was received from M/s NOCIL, which is a major producer of the subject goods in India. It has submitted the information/data for undertaking the injury analysis. The Authority has examined the information furnished by the company to the extent

possible on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to analyze the injury suffered and to work out the cost of production and the non-injurious price of the subject goods in India so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

- x. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in public hearings held on 29th October 2010 and 11th March 2011. The parties which presented their views in the public hearings were requested to file written submissions of the views expressed orally. The arguments made in the written submissions/rejoinders received from the interested parties have been considered, wherever found relevant, in these final findings.
- xi. The period of investigation for the purpose of the present review is April 2009 – March 2010 (POI). However, injury analysis covers the periods April 2006–March 2007, April 2007–March 2008, April 2008–March 2009 and the POI.
- xii. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the co-operating producers/exporters.
- xiii. In accordance with the Rule 16 of the AD Rules, the essential facts under consideration before the Authority in the instant investigation have been disclosed to the known interested parties. The comments received on the disclosure statement, to the extent considered relevant, have been duly considered in these findings.
- xiv. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xv. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded the findings on the basis of the 'facts available'.
- xvi. *** In this statement represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the AD Rules.

5A. Comments made by interested parties in response to the Disclosure statement

The following comments, to the extent found pertinent, have been received from the interested parties:

M/s Solutia Europe BVBA / SPRL

M/s Solutia, in brief, in respect of PX 13 has contended as follows:

- Correction of name of the company from Solutia Inc. to Solutia Europe BVBA / SPRL: It has submitted that the name of the company should be corrected as M/s Solutia Europe BVBA / SPRL. It has attached a transfer document regarding the present name of the company.
- There has been an undue and unwarranted claim of confidentiality on the part of the domestic industry.
- There has been an incorrect conclusion of continued injury to the domestic industry: There has been no analysis of the effect of increase in unit cost due to increase in capacity and decline in exports.
- The domestic industry has filed incorrect and unsubstantiated information regarding capacity and surplus capacity in EU. There is no likelihood of increase in exports from EU.
- There are contradictory figures of injury margin in Para 54 *vis a vis* para 102.
- Re-determination of anti-dumping duties is not envisaged under Section 9A (5) of the Act.

M/s Automotive Tyre Manufacturer's Association (ATMA)

ATMA, in brief, has contended as follows:

- The finding of injury on import of PX 13 shall impact the user industry using the subject goods as the domestic industry cannot meet the demand of the user industry in India.
- Domestic Industry is not suffering from any injury on account of import of PX 13 from EU nor is there a likeliness of recurrence of injury
- In respect of TDQ, the undercutting and underselling by the imported products are not having any effect on the domestic industry as they have been able to realize a fair selling price. The profits of the DI for the purpose of TDQ has increased significantly.
- In respect of MOR, it has been observed that there is positive price undercutting & price underselling from imports from China PR. But though the prices from China PR might be undercutting/ underselling the prices of the Domestic Industry, the same is not resulting into any injury to the Domestic Industry as the Domestic Industry has been able to increase its prices. This is also reflected in the profits of the Domestic Industry.
- Mere undercutting and underselling does not tantamount to injury to the Domestic Industry. Thus profit posted by the Domestic Industry indicates the impact of the dumped imports.

- Despite that Domestic Industry is a multi-product company; wages and employment provide a general indication of the overall state of the Domestic Industry. Improved productivity of the Domestic Industry should be considered in the injury analysis.
- There is mis-match in the figures in as much as the closing stock of one year is not matching with the opening stock of the next year.
- The price undercutting and underselling have not lead to any negative effect on the domestic industry and thus there is no causal link.
- Non Injurious Price- for the calculation of NIP, a reasonable return of 22% (pre-tax) on capital employed was allowed. Such an assumption that the Domestic Industry should have a fixed return on capital every year is erroneous and contrary to norms of an open market as it seeks to create an artificial risk free environment for domestic industry.
- Imports under Advances License Scheme (ALS) should have been excluded from the volume analysis. If imports under ALS are excluded from determining the overall demand, then it should also be excluded from volume impact.
- The issue of Dual Remedy has not been adequately considered. The level of injury in a Safeguard investigation is "serious injury" which is at a higher pedestal than the level of injury caused under an AD investigation which is "material injury". Thus a Safeguard petition initiated by the DI would invariably cover the injury caused due to dumped imports as the injury has occurred from the same POI.
- As regards cumulation, the wording of para 3, Annexure II of the AD Rules, cumulation is not permitted between 2 separate investigations.
- DI has been granted excessive amount of confidentiality. The data considered for Constructed Normal Value has not been provided.
- It is stated that despite the clarification issued by the Department of Revenue, the wording of Section 9A (5) is clear that the duty cannot be effective for more than 5 years. Assuming but not conceding that the explanation provided in the Disclosure Report is valid, it would only mean that the SSR investigation can extend beyond 5 years, however it would not allow or permit the extension of original duty beyond 5 years.

All India Rubber Industries Association (AIRIA)

AIRIA, in brief, has contended as follows:

- The domestic Industry is not suffering from any injury nor is there any likelihood of recurrence of injury and therefore no question of injury arises. The domestic industry has posted significant growths on almost all of the injury parameters which includes production, domestic sales, capacity utilization, installed capacity, domestic profits, ROCE, NSR for all the 3 products.

- The disclosure report fails to provide the distinction between the injury caused due to increase in imports and injury caused due to dumped imports of PX 13. The domestic industry is claiming injury for the same period but in 2 different forums for the same product. Any imposition of Safeguard duty by the DG Safeguards would invariably cover the injury caused due to dumped imports as the standard of injury in a Safeguard investigation is at a much higher level than in the AD investigation.
- It is due to lack of capacity with the domestic industry that the user industry has been forced to import. Thus the imports made by the user industry are made out of compulsion and not by a choice.
- Reliance on IBIS data by the DGAD is erroneous.

Domestic industry

The domestic industry, in brief, has contended as follows in response to the Disclosure statement:

- Referring to the dumping margin in respect of imports of MOR and TDQ from EU, it has contended that Constructed normal value as the basis of normal value is inconsistent with the law when there is evidence of normal value on the basis of price prevailing in EU available on record.
- It has been further contended that negative dumping margin in any case is insufficient to revoke anti-dumping duties. Significant price difference between EU and China during current period clearly shows likelihood of dumping of MOR in case of cessation of anti-dumping duty.
- The export price of MOR from Europe may be compared with the cost of production of the domestic industry. It would be seen that in the event of cessation of anti-dumping duty on EU, the profitability of the domestic industry shall decline significantly. Consequently, return on investment and cash profits shall also decline.
- Use of MOR has been banned in Europe. Therefore, the only purpose of production of this product in Europe is to export to various countries. Under the circumstances, cessation of current anti dumping duties shall lead to significant injury to the domestic industry.
- The domestic industry provided evidence showing existence of capacities in Europe.
- Price adjustments in case of Solutia should have been made for commission/ profit of the Indian office, as M/s Solutia is selling through an Indian agent or through its own office in India.
- Non injurious price may kindly be reviewed
- Form of duty: the anti dumping duty may be imposed only on fixed amount basis.

- **Difference in technology:** It has contended that there is no dispute that the technology adopted by Solutia is different from the technology adopted by the domestic industry. However, difference in technology and development in technology are two different factors altogether. It has further contended that it has an approved international technology for the production of the product under consideration, which is being employed for the last several years. Further, there are other plants in the world with this technology.

Examination by the Authority

- The Authority has noted the request for correction of name of the company from Solutia Inc. to Solutia Europe BVBA / SPRL and has carried out the concomitant changes.
- The Authority notes that the instant SSR investigation was, *inter alia*, initiated in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of the AD Rules, to review the need for continued imposition of the duties in force in respect of the subject goods and to examine whether the cessation of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. Rule 23 of the AD Rules enables the Authority not only to examine the need for continuation of the anti-dumping duty but also to determine the quantum thereof that needs to be recommended based on information/data available on record. Thus, the contention that there is no legal authority to change, alter or modify the level of duties already imposed is devoid of any merit and hence is rejected.
- As regards the allegation that there has been no analysis of the effect of increase in unit cost due to increase in capacity and decline in exports; the Authority notes that the same is devoid of any merit as the information/data of the domestic industry as verified has been considered for undertaking the analysis.
- As regards the issue of surplus capacity in EU as claimed by the domestic industry; in absence of proper evidence, the same has not been considered for the purpose of the present determination.
- The Authority notes that the allegation regarding the contradictory figures of injury margin in Para 54 *vis a vis* para 102 are devoid of facts as the denominator in the two figures is different, viz the NIP and the Landed value.
- As regards the issue of likelihood of increase in exports from EU; the Authority notes that despite the existence of the anti-dumping duty, the imports of PX 13 increased marginally over the injury period. More importantly, these imports are at dumped prices and they are undercutting and underselling the prices of the subject goods of the domestic industry. Hence, the Authority notes that cessation of the anti-dumping duty, is likely to lead to continuation of dumping and consequent injury to the domestic industry.
- The Authority reiterates that AD Rules do not require that the domestic industry must meet the demand of the user industry for getting redressal to its injury on account of dumping.

- As regards the issue of dual remedy, the Authority reiterates that no dual remedy is sought to be provided for the same situation on account of Anti-dumping duty or the Safeguard duty. However, the two may co-exist on merits of each case, provided the relevant parameters as are enshrined in the respective laws are satisfied. It is further noted that no Safeguard duty is in force on imports of PX 13 from the subject countries.
- As regards imports effected under the Advance licences/authorisation; the Authority reiterates that an Advance license/authorisation holder has a choice either to import the inputs on a duty free basis or procure the same from indigenous sources by using the mechanism of Advance release order. Besides, imports under ALS have not been excluded for determining the overall demand.
- As regards confidentiality issue, the information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. Besides, the Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- As regards the cumulation issue, the Authority reiterates that para 3 of Annexure II of the AD Rules permits cumulation while undertaking the injury analysis in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, subject to conditions specified therein regarding the de-minimis criteria and that conditions of competition exist between the imported article and the like domestic articles. As regards the data of CNV, the CNV is based, *inter alia*, on the data of the domestic industry. Besides, the importers are not in a position to assist the Authority in computing the normal value. This view has also been buttressed by the CESTAT in its decision of *AIIGMA v/s. Designated Authority* dated 9.2.2000.
- As regards the computation of Non Injurious Price, the Authority has followed its consistent practice for determination of the same in line with the relevant rules on the subject.
- As regards mis-match in the figures in the closing stock *vis avis* the opening stock; the allegations are devoid of any merit as they are not based on facts because what has been considered is the average stock position and not the closing/or the opening stock.
- The Authority further notes that there need not be injury on account of each and every parameter. More importantly, the Authority in a SSR investigation has to assess whether the cessation of the anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and consequent injury or not.
- As regards the reliance on IBIS data; the Authority on facts of the case found the same as more credible and hence has accepted the same for its analysis.

- As regards the domestic industry's claim regarding dumping margin in respect of imports of MOR from EU on the basis of Constructed normal value, the Authority notes that merely *** tons were sold by the domestic industry to EU during the POI and hence the same could not be considered as representative data for determination of the normal value. Hence, the Authority was constrained to proceed on the basis of construction of the normal value as none of the exporters from EU cooperated in this investigation.
- However, as regards TDQ, the Authority notes that the domestic industry has sold *** MT of TDQ to EU during the POI. The volumes sold to EU during the POI are representative in nature and could be relied upon to determine the Normal value. The Authority finds merit in the contention of the domestic industry that their sales of the subject goods to EU would indeed reflect the prices prevailing of the subject goods in EU during the POI. In fact, the prices in the EU would be higher as these would include inland freight, commissions, and profits of the sellers in EU. Notwithstanding these additional costs, the normal value in EU could be determined at least on the basis of their selling prices which are on CIF basis.
- As regards the export price of MOR from Europe to be compared with the cost of production of the domestic industry; the Authority notes that it has already compared the landed value with the NIP and NSR for the domestic industry and found a negative price undercutting as well as negative price underselling. Besides, sufficient evidence has not been provided by the domestic industry to demonstrate likelihood of recurrence of dumping and consequent injury to them in the event of cessation of anti-dumping duty in force. The Authority further notes that it has not been substantiated by any evidence that use of MOR has been banned in Europe.
- As regards the domestic industry's claim that it has provided evidence showing existence of capacities in Europe; the same is not correct and has not been substantiated at all.
- As regards the price adjustments in case of Solutia, the Authority notes that it has relied upon the verified data of the company and further that the exports have been directly made by the company to its customers.
- Apart from the above, the Authority has considered all the issues have been raised by the interested parties that were found pertinent to this case, in the appropriate sections of these findings.

C. Product under consideration and Like article

Submissions made by NOCIL

6. The domestic industry has made following submissions

- (i) The product under investigation in the original investigation and present review is Rubber Chemicals (MOR, PX-13 and TDQ). These rubber chemicals are extensively used in treating natural rubber, synthetic rubber (SBR, Butadiene Rubber, Nitrile Rubber, Carboxylated Rubber) and other synthetic rubber based compounds used for manufacture of various rubber products.

- (ii) The Authority in the original investigations noted that there is no dedicated ITC HS Classification for the subject goods and products under consideration are classified under various subheadings of customs classification heads 38.12.10, 38.12.20 and 38.12.30 as well as under 29.34.20 and 29.25.20 (at six digit levels) of the Customs Tariff Act and ITC HS classification. However, the Authority also noted that the products are known by their respective trade names and the chemical descriptions as indicated above.
- (iii) The goods produced by the domestic industry are like article to the imported product. There is no known difference in product under consideration produced by the Indian industry and subject goods exported from subject countries. The issue of product under consideration and like article was examined in detail by the Designated Authority in the original investigations and it has been held that the imported and domestic products are like article.
- (iv) Present review investigation being a sunset review investigation, product under consideration remains the same as has been defined in the previous investigations.

Submissions made by other interested parties

7. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to product under consideration, like articles and scope of the present investigations.
- 7.1 However, M/s Solutia Europe BVBA/SPRL has, *inter alia*, claimed that it has a unique and patented technology to produce the subject goods.

Examination by the Authority

8. The Authority notes that since present review investigation is a Sunset review investigation, product under consideration remains the same as has been defined in the previous investigations. The Authority in its preliminary findings (which was reiterated in its final findings) vide Notification No. 14/13/2004-DGAD dated 8th April 2005 held as follows:

"The products under consideration are three specific rubber chemicals used in manufacture of rubber products, namely: i) Anti-Degradants: PX 13 ii) Accelerators: MOR iii) Antioxidant: TDQ

Detailed chemical names of the products are as follows:-

MOR: N-oxydiethylene-2-benzothiazole sulphenamide (2-Morpholinothiobenothiazole) (MBS). MOR Mercapto benzothiazole disulphide is reacted with morpholine and sodium hypochlorite. The reaction is carried out in presence of isopropyl alcohol. The product is filtered, washed and extruded to form pellets, which are dried and packed. The isopropyl alcohol is recovered and recycled.

PX 13: N-1, 3-dimethyl butyl-N'Phenyl paraphenylenediamine (6 PPD). PX-13 Px- 13 is produced by hydrogenation of a mixture of 4-nitrodiphenylamine and methyl isobutyl ketone in an autoclave at moderately high pressure in presence of a noble metal catalyst. The resulting reaction mass, which

contains unreacted ketone, by-products, etc., is filtered to remove the catalyst, which is then recycled. The filtrate is distilled to remove low boilers and is then flaked to give the finished product. The low boilers are redistilled to recover the unreacted ketone. Catalyst is recycled until the activity is reduced. It is then removed from the system.

TDQ: Polymerized 2,2, 4-Trimethyl-1, 2 di-hydroquinoline. TDQ Acetone and aniline are condensed at high temperature in presence of an acid catalyst. The resultant mass is then polymerised to the required degree; the excess acid is neutralized with caustic solution and washed with water. The material is then stripped at high temperature under vacuum to recover low boilers. The product is then pastilized and bagged.

These rubber chemicals are extensively used in treating natural rubber, synthetic rubber (SBR, Butadiene Rubber, Nitrile Rubber, Carboxylated Rubber) and other synthetic rubber based compounds used for manufacture of various rubber products

The Authority notes that there is no dedicated ITC HS Classification for the subject goods and products under consideration are classified under various subheadings of customs classification heads 38.12.10, 38.12.20 and 38.12.30 as well as under 29.34.20 and 29.25.20 (at six digit levels) of the Customs Tariff Act and ITC HS classification. The Delegation of the European Union has also submitted that the European classification of the above products do not conform to the classification used in the European Union. However, the Authority notes that the products are known by their respective trade names and the chemical descriptions as indicated above. Therefore, the Customs and ITC HS classifications shown above are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation."

- 8.1 As regards M/s Solutia Europe BVBA/SPRL claim that it has a unique and patented technology to produce the subject goods, the Authority notes that technology or the process used to manufacture the subject goods is of little significance as long as the resultant product is the same. Besides, for computation of their Dumping margin, their data as verified during the on-the-spot investigation has been accepted and hence any claim of improved technology is automatically addressed.

D. Scope of the Domestic Industry

Submissions made by the domestic industry

9. The present investigation has been undertaken *suo motu* by the Authority. NOCIL is a major producer of each of the subject rubber chemicals in the Country. As regards the production of subject goods by other producers, no published information is available. The applicant satisfies the requirement of standing within the meaning of the anti dumping rules.

Submissions made by other interested parties

10. None of the interest parties have made any submission in respect of "domestic industry".

Examination by the authority

11. Rule 2(b) under the AD Rules provides as follows:-

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'Domestic Industry' may be construed as referring to the rest of the producers only.

12. In the present review investigation, M/s NOCIL Ltd. has responded to the initiation notification. The Authority also sought details of production of the subject goods from the concerned Excise authorities. The response to the same was received from the O/o Dy. Commissioner of Central Excise, Cochin. As per the information on record, the production of M/s NOCIL as a percentage of total Indian production accounts for 84% in case of PX13, 77% in case of TDQ and 86% in case of MOR. Thus, the Authority notes that M/s NOCIL Ltd. is a major producer of the subject goods in India as in total Indian production of the rubber chemicals under investigation in the instant matter. Therefore, M/s NOCIL Ltd satisfies the requirement of 'domestic industry' within the meaning of the AD Rules for the subject goods.

13. **Other issues raised by some interested parties**

- It has been contended that in the light of the amendment introduced by the Budget 2011-12 in respect of AD Rules vide Notification No. 15/2011-Customs (N.T) dated March 1st, 2011, the present proceedings have lapsed, and the present hearing is without the authority of law. It appears that under the said amendment, the power of the Designated Authority has been curtailed inasmuch as the Designated Authority is now bound to pass an order for continuation of Anti-dumping duty before the expiry of the five-year period from the date of imposition of the Anti-dumping Duty.
- It has been contended that as per the order of the Hon'ble Delhi High court in the matter of Indian Metal and Ferro Alloys Ltd V/s Designated Authority, there was no requirement of initiating the investigation on *suo motu* basis.

Examination by the Authority

14. The Authority is of the view that the above interpretation of the amendment is not appropriate as proviso to Section 9A (5) of the Customs Tariff Act, *inter alia*, stipulates that where a SSR has been initiated before the expiry of the period of five years but has not come to a conclusion before such expiry, the Central Government may extend the duration of the anti-dumping duty in force pending the outcome of such a review for a further period not exceeding one year.
15. Apparently, the above interpretation of the interested party has emerged because of inadvertent insertion of a comma as highlighted herein below:

(1B) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) or (1A), any definitive antidumping duty levied under the Act, shall be effective for a period not exceeding five years from the date of its imposition, unless the designated authority comes to a conclusion, on a review initiated before that period on its own initiative or upon a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, within a reasonable period of time prior to the expiry of that period, that the expiry of the said anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry."

16. The Matter was taken up with the Department of Revenue, which has issued a corrigendum dated 6th April 2011 that reads as follows:

In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 15/2011-Customs (N.T), dated the 1st March, 2011 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 154 (E), dated the 1st March, 2011, in sub paragraph (1B) in paragraph (4), for the words "on behalf of the domestic industry," read "on behalf of the domestic industry".

In view of the corrigendum, the contention raised by the interested party is automatically addressed.

17. A regards the contention regarding the order of the Hon'ble Delhi High court in the matter of Indian Metal and Ferro Alloys Ltd v/s Designated Authority, the Authority is of the view that it has rightly initiated this SSR investigation considering the relevant rules and regulations on the subject and is in line with the decision of the Hon'ble High Court.

E. Dumping Determination

Normal Value

Submissions made by the Domestic Industry

18. The domestic industry has contended as follows:

- 18.1 The preferred methodology for the determination of Normal Value is the selling price of the exporter concerned for sale in the domestic market. However, such information is available with the exporters concerned only. There is no public information available in this regard. It is not the argument of any interested party that such selling price of the foreign producers in their domestic market was readily available and the petitioner chose to ignore the same. It is also relevant to point out that the petitioner can be expected to provide such information as is reasonably available to the petitioner. In fact, in a large number of cases, the Designated Authority has considered the prices published in trade journals. Such prices need not be the prices of the domestic producers. Such prices generally are the prices at which the product has been purchased for consumption in the exporting countries.

- 18.2 It would thus be seen that the Rules emphasis on 'the price when meant for consumption' and the same must be distinguished with 'the price at which goods has been sold'. "In the original investigations, the Designated Authority has determined the normal value of the subject goods in the subject market economy countries on the basis of the data available on the selling price as well as the cost of production of the subject goods in the subject counties after allowing the admissible adjustments to arrive at ex-works prices. Since the present application is for the review of the existing measures, petitioner requests the Authority to consider the same methodology to calculate the normal value for the purposes of market economy countries.
- 18.3 The petitioner has adopted its export price to Europe to determine the price at which Rubber Chemicals are being sold for consumption in European market.
- 18.4 Petitioner submits that Rubber Chemicals constitutes specialty chemicals and have extremely limited market globally. These are not widely traded commodities, nor the prices of these products are published/tracked by trade journals. In fact, globally there are very few producers (probably below 10), who sell the product directly to the customers (at least tyre segments). Therefore, the price at which the European producers have sold the product in the domestic market is not at all publicly available. In fact, even the responding exporter has considered its selling price as an extremely business sensitive information and has provided the same on confidential basis. In fact, so sensitive is the information relating to the business operations in the present products that the responding exporter has refused to divulge any information with regard to its capacity, production, sales, inventories etc in the public version of its questionnaire response.
- 18.5 In view of the above, and considering that the actual information is in possession of the foreign producers, the Authority should consider the evidence of the price at which goods have been sold for consumption in the domestic market of Europe for the determination of normal value. Such a methodology is not only legally permissible, but is also appropriate. Notwithstanding, given the argument/objection raised by the interested parties, the Authority may kindly determine normal value on the basis of estimates of cost of production for the purpose of proposed determination.
- 18.6 It was suggested by ATMA that the prices from Trade Journal could have been adopted. The petitioner submitted that there is no Trade Journal which reports prices of these products. If such prices were indeed available; nothing prevents ATMA from providing this information to the Designated Authority. Anti-dumping investigations cannot be seen as an investigation where only the domestic industry would provide information and evidence and all other parties' role would be restricted to mere rejoinder. Nothing prevented ATMA from providing relevant information, if ATMA considers that such information is readily available.

Submissions made by other interested parties

19. These interested parties have, *inter alia*, contended as follows:

As per the petition of the Domestic industry, the Normal Value for all the subject market economy countries i.e. EU, Taiwan and USA is based on the export price of

the DI which is flawed and is against the Anti-dumping Agreement and the AD Rules. Thus, the very basis of the petition that dumping is taking place from the subject countries has been wrongly arrived by the Domestic industry and the reliance of the Authority on such a unlawful determination is “insufficient” within the purview of Indian AD Act and Rules and the WTO Agreement.

Examination by the Authority

20. As regards the issue of Constructed Normal Value is concerned, the Authority notes that this investigation was initiated on *suo motu* basis.
- 20.1 However, as regards ATMA's contention that refer to the submissions of the domestic industry, the Authority notes that the domestic industry is required to provide information that is reasonably available to it, *inter alia*, on prices at which the product in question is sold when destined for consumption in the domestic markets of the country or countries of origin or export (or, where appropriate, information on the prices at which the product is sold from the country or countries of origin or export to a third country or countries, or on the constructed value of the product) and information on export prices or, where appropriate, on the prices at which the product is first resold to an independent buyer in the territory of the importing Member.
- 20.2 Besides, the other interested parties are expected to file their questionnaires responses and thereby assist the Authority reach an impartial and objective findings. The Authority addressed all known interested parties to make available the relevant information. In the present investigation, wherever, the interested parties have submitted their actual data and have cooperated with the Authority; after verification of the information/data, the same have been adopted by the Authority for the purposes of determination of dumping, if any, by the concerned respondents, as would be evident from the following.

PX-13

M/s Solutia Europe BVBA/SPRL, Exporter/producer from EU

- 20.3 M/s Solutia Europe BVBA/SPRL has provided information on transaction-wise details of its sales of the subject goods in home market. For the purpose of determination of normal value, the domestic sales of the goods produced by the company have been taken into consideration. It was seen that the domestic sales could be adopted for determination of Normal value as it passed the sufficiency and the ordinary course of trade tests. The adjustments claimed concerning credit, inland freight and commission etc have been allowed as verified during the on-the-spot verification. After the adjustments, the Normal value has been determined as US\$ *** per Kg.

All other exporters/producers from EU

- 20.4 For the non-cooperative exporters from the European Union, the Authority has adopted the constructed Normal value based on the Normal Value determined for the co-operating exporter from EU, as the same represents the prices of the subject goods

prevailing in the domestic market of EU. Accordingly, the Normal value so determined works out as US\$ *** per Kg.

All exporters/producers from Chinese Taipei

- 20.5 None of the exporters/producers from Chinese Taipei has co-operated with the Authority in this investigation. In view of non-cooperation by the exporters/producers in Chinese Taipei, the Authority has considered 'facts available' on record. The Authority notes that the claim of the domestic industry is based on its export price to EU as the prices of the subject goods prevailing in the domestic market of Chinese Taipei.
- 20.6 However, the Authority has constructed the Normal value for Chinese Taipei considering the international prices of major raw materials, consumption factor of domestic industry and conversion cost of domestic industry, the Normal value so determined works out as US\$ *** per Kg. The Authority has adopted the constructed Normal value so determined in the instant matter.

MOR

All exporters/producers from EU

- 20.7 None of the exporters/producers in EU has cooperated with the Authority in this investigation. In view of non-cooperation by the exporters/producers in EU, the Authority has considered 'facts available' on record. The Authority notes that the claim of the domestic industry is based on its export price to EU as the prices of subject goods prevailing in the domestic market of EU, which is US \$ ***.
- 20.8 However, the Authority considers that the claim of the domestic industry is not justified as the volume sold by it to EU is not representative. Thus, the Normal value for EU has been constructed considering international prices of the major raw materials, consumption factor of domestic industry and conversion cost of domestic industry, the Normal value so determined works out as US\$ *** per Kg.

All exporters/producers from USA

- 20.9 None of the exporters/producers in USA has co-operated with the Authority in this investigation. In view of non-cooperation by the exporters/producers in USA, the Authority has considered 'facts available' on record. The Authority notes that the domestic industry has requested to adopt its export price to EU as the normal value in USA.
- 20.10 However, the Authority has not acceded to their request and instead constructed the Normal value for USA considering the international prices of major raw materials, consumption factor of domestic industry and conversion cost of domestic industry, the Normal value so determined works out as US\$ *** per Kg. The Authority has adopted the same as constructed Normal value in the instant matter.

All exporters/producers from China PR

- 20.11 As no producer from China has co-operated in this investigation and provided any information for rebutting the non-market treatment as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules. Therefore, the presumption of non-market economy as per para 8(2) of Annexure 1 of the AD Rules remains un-rebutted. The Authority, therefore, has determined the Normal value in accordance with para 7 Annexure I of the AD Rules. In absence of sufficient information on record regarding the other methods as are enshrined in para 7 of Annexure I of the AD Rules, the Authority has determined the Normal value by adopting the method “any other reasonable basis”.
- 20.12 The Authority has therefore constructed the Normal value for China PR considering the international prices of major raw materials, consumption factor of domestic industry and conversion cost of domestic industry, the Normal value so determined works out as US\$ *** per Kg.

TDQ

All exporters/producers from EU

- 20.13 None of the exporters/producers in EU has co-operated with the Authority in this investigation. In view of non-cooperation by the exporters/producers in EU, the Authority has considered ‘facts available’ on record. The Authority notes that the claim of the domestic industry is based on its export price to EU as the prices of subject goods prevailing in the domestic market of EU, which is US\$ *** per Kg.
- 20.14 The Authority notes that the domestic industry has sold *** MT of TDQ to EU during the POI. The Authority has noted the contention of the domestic industry that their sales of the subject goods to EU reflects the prices prevailing of the subject goods in EU during the POI. The Authority finds merit in the same as the volumes sold to EU during the POI are representative in nature and could be relied upon to determine the Normal value. In fact, the prices in the EU would be higher as these would include inland freight, commissions, and profits of the sellers in EU. Notwithstanding these additional costs, the normal value in EU could be determined at least on the basis of their selling prices which are on CIF basis which is US\$ *** per Kg. Thus, the Authority has adopted the same as the Normal value in the instant matter.

All exporters/producers from Chinese Taipei

- 20.15 None of the exporters/producers in Chinese Taipei has co-operated with the Authority in this investigation. In view of non-cooperation by the exporters/producers in Chinese Taipei, the Authority has considered ‘facts available’ on record. The Authority notes that the domestic industry has requested to adopt its export price to EU as the normal value in Chinese Taipei.
- 20.16 However, the Authority has not acceded to the request and instead constructed the Normal value for Chinese Taipei considering the international prices of major raw materials, consumption factor of domestic industry and conversion cost of domestic industry, the Normal value so determined works out as US\$ *** per Kg. The Authority has adopted the constructed Normal value in the instant matter.

Export Price

21. The Authority notes that except M/s Solutia Europe BVBA/SPRL, for PX 13, none of the exporters / producers from subject territory (EU) and other subject countries for the subject goods has co-operated with the Authority in this investigation. In view of non-cooperation by the exporters / producers, the Authority has considered the 'Export price' on the basis of 'facts available' on record.
- 21.1 In view of non-cooperation by other foreign exporters / producers, the Authority considered whether import statistics provided by IBIS and DGCI&S could be used to determine the Export price of the subject goods during the relevant period.
- 21.2 It is seen that the domestic industry has claimed volume, value and import price on the basis of information provided by IBIS. The Authority also called for the data from DGCI&S. The data from the two sources was corroborated and volume and value of imports as reported were compared. Its analysis revealed that the volume of imports as reported by the DGCI&S during the POI were substantially lower than the volume of imports reported by the IBIS. In view of the same, the Authority has adopted the import data as reported by IBIS in order to determine volume, value and import price of imports for the purpose of present determination as the volume is much higher in the IBIS data, while the price per unit is almost similar in both the sources.
- 21.3 Thus, the Authority has determined weighted average import price for the products under consideration on the basis of information provided by IBIS. It is seen that the import prices as reported in the IBIS are on CIF basis. Therefore, price adjustments have been made with regard to ocean & inland freight, port expenses, marine insurance and commission. For non-cooperating foreign producers, the Authority has made price adjustments on the basis of best available information in order to arrive at ex-factory export price from subject countries.

PX13**M/s Solutia Europe BVBA/SPRL, Exporter/producer from EU**

22. M/s Solutia Europe BVBA/SPRL provided transaction-wise information on export sales to India. For determination of its net export price, the expenses incurred by M/s Solutia Europe BVBA/SPRL, on account of inland freight, overseas freight & insurance, credit and bank expenses, as verified have been adjusted. By making these deductions, the net export price has been calculated as US\$ *** per Kg.

Export Price for Non-cooperating Exporters from EU

23. For Non-cooperating exporters, the net export price has been calculated on the basis of lowest value export transactions of the co-operating producer/exporter. For non-cooperating exporter, the net export price has been calculated as US\$ *** per Kg.

All exporters/producers from Chinese Taipei

- 23.1 None of the exporters / producers from Chinese Taipei has responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. Thus, none of exporters / producers have provided any other information that can be used for determination of export price.
- 23.2 The Authority notes that the information made available by IBIS and DGCI&S does not show imports of PX 13 from Chinese Taipei. Even transaction-wise data made available by IBIS and DGCI&S does not show imports of PX 13 during the POI and immediate previous two years. In absence of import data of PX 13 during the POI, export price could not be determined. Efforts were also made to trace the export price of PX 13 from Chinese Taipei to other countries. However, no such data was available from any source.
- 23.3 The domestic industry has claimed that the determination of export price for Chinese Taipei should be made on the basis of weighted average import price of PX 13 into India. However, the Authority notes that in absence of information on imports of subject goods from Chinese Taipei and in absence of any co-operation from the exporters / producers, it is difficult to determine the 'Export price' on a credible basis. The export price determination on weighted average basis as suggested by the domestic industry may be misleading.
- 23.4 In view of no exports in the period of investigation, the Authority notes that there is no continued dumping of the product from Chinese Taipei.

MOR

All exporters/producers from EU, USA and China PR

- 23.5 The Authority notes that none of the exporters / producers of MOR from EU, USA and China PR has responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. Thus, none of exporters / producers has provided any information that can be used for determination of export price from the subject countries. In view of non-cooperation by the exporters / producers in EU, USA and China PR, the Authority has considered determined the 'Export Price' on the basis of 'facts available' on record.
- 23.6 The Authority notes that the information made available by IBIS shows imports of MOR as 1642 MT from EU and 683 MT from China PR. However, the information made available by IBIS does not show imports of MOR from USA. Even transaction-wise data made available by DGCI&S does not show exports from USA.
- 23.7 The domestic industry has claimed determination of export price from USA on the basis of weighted average import price of MOR into India. However, in absence of any co-operation from the exporters / producers and absence of any imports of MOR during the POI from USA; the Authority notes that, in absence of information on imports of subject goods (MOR) from USA, it is difficult to determine the 'Export price' on a credible basis. The export price determination on the basis of weighted average import price of MOR into India as suggested by the domestic industry may be misleading.

- 23.8 In view of the above, the Authority notes that there is no continued dumping of the MOR from USA.
- 23.9 For determination of 'Export price' from EU and China PR, all reported transactions have been taken into account and the export price has been calculated on weighted average basis. To calculate the net export price, expenses on internal freight, ocean freight and insurance, port charges and commission have been deducted. By this method, the net export price has been calculated as under:

Particulars	Unit	European Union	USA	China PR
Import volume	MT	1,642		683
Import value	Rs. Lacs	3,144.61		999.96
CIF import price	Rs./Kg	191.56		146.34
Exchange rate	Rs./US\$	48.30		48.30
CIF export price in US\$	US\$/Kg	3.97		3.03
Price adjustments (total)	US\$/Kg	0.23		0.22
Ex-factory export price	US\$/Kg	3.74		2.81

TDQ

All exporters/producers from EU and Chinese Taipei

- 23.10 The Authority notes that none of the exporters / producers of TDQ from EU and Chinese Taipei has responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. Thus, none of the exporters / producers has provided any other information that can be used for determination of export price. In view of non-cooperation by the exporters / producers in EU and Chinese Taipei, the Authority has considered information on the basis of 'facts available' on record.
- 23.11 The Authority notes that the information made available by IBIS shows imports of 581 MT from EU. However, the information made available by IBIS does not show imports of TDQ from Chinese Taipei. Even transaction-wise data made available by DGCI&S does not show exports from Chinese Taipei.
- 23.12 The domestic industry has claimed determination of export price from Chinese Taipei on the basis of weighted average import price of TDQ into India. However, in absence of any co-operation from exporters / producers and absence of any imports of TDQ during the POI and in absence of information on imports of TDQ from Chinese Taipei, it is difficult to determine the 'Export price' on a credible basis. The export price determination on the basis of weighted average import price of TDQ into India as suggested by the domestic industry may be misleading.
- 23.13 In view the above, the Authority notes that there is no continued dumping of the TDQ from Chinese Taipei.
- 23.14 For determination of export price from EU, all the reported transactions have been taken into account and export price has been calculated on weighted average basis. To calculate the net export price, expenses on internal freight, ocean freight and insurance,

port charges and commission have been deducted. Thus, the net export price has been worked out as under:

Particulars	Unit	European Union
Import volume	MT	581
Import value	Rs. Lacs	525.44
CIF import price	Rs./Kg	90.45
Exchange rate	Rs./US\$	48.3
CIF export price in US\$	US\$/Kg	1.87
Price adjustments (total)	US\$/Kg	0.14
Ex-factory export price	US\$/Kg	1.74

F. Dumping Margin

24. On the basis of the Normal values and net Export prices so determined at ex-factory level; the dumping margin during the POI for all exporters/producers from EU has been determined as follows:

PX 13

Sr. No.	Exporter	Country	Dumping Margin (US\$/Kg.)	Dumping Margin (%)
1	M/s Solutia Europe BVBA/SPRL	EU	***	20-25%
2	All other exporters/producers from EU except as mentioned above	EU	***	30-35%
3	All exporters/producers from Chinese Taipei	Chinese Taipei	-	-

MOR

Sr. No.	Exporter	Country	Dumping Margin (US\$/Kg.)	Dumping Margin (%)
1	All exporters/producers from EU	EU	Negative	Negative
2	All exporters/producers from China PR	China PR	***	25-30%
3	All exporters/producers from USA	USA		

TDQ

Sr. No.	Exporter	Country	Dumping Margin (US\$/Kg.)	Dumping Margin (%)
1	All exporters/producers	EU	***	15-20%

	from EU			
2	All exporters/ producers from Chinese Taipei	Chinese Taipei	-	-

Continuation or recurrence of dumping:**Submissions made by the domestic industry:**

25. The domestic industry has, *inter alia*, contended as follows:

PX-13

1. Dumping margin determined in the present investigation is not only above *de minimis* criteria but also significant. This is the situation when the Anti-dumping duty was in existence.
2. In the previously concluded investigation also, the Authority found significant dumping margin and concluded the investigation with the imposition of the antidumping duty on the imports of the subject goods from the subject countries. In spite of Anti-dumping duty in existence, the dumping from the subject countries has continued to be significant.
3. The prices prevailing in Indian market are quite attractive for the foreign producers to export significant volumes, in case anti dumping duty is revoked. The price undercutting is significantly positive even at the current level of anti dumping duties. The petitioner has calculated price undercutting without Anti-dumping duty which comes out to be significantly positive clearly showing that should the present anti dumping duties be revoked, the price attractiveness of Indian market would further increase for the foreign producers which would result in further increase in imports at dumped prices.
4. Considering the demand with the capacity in Europe, it is obvious that there is huge surplus capacity in Europe over demand. In the event of revocation of anti-dumping duty, these exporters are likely to divert huge volume of dumped exports to large and growing market in India thereby leading to continuation of dumping. The evidences as to the excess capacities have been provided along with the submissions filed.

MOR

1. The price undercutting is positive even at the current level of anti-dumping duties. Should the present anti dumping duties be revoked, the price attractiveness of Indian market would further increase for the foreign producers and the Indian consumers.
2. Exporters in the subject countries have built capacities far in excess of their domestic demand. In the event of revocation of anti-dumping duty, these exporters are likely to divert huge volume of dumped exports to large and growing market in India thereby leading to continuation of dumping.

3. In the previously concluded investigation also, the Authority found significant dumping margin and concluded the investigation with the imposition of the anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject countries. The imports from the subject countries have reduced due to anti-dumping duty in existence. In the event of revocation of anti-dumping duty these exporters are likely to resort to dumping, owing to surplus capacities and large Indian market.

TDQ

1. The price undercutting is positive even at the current level of anti-dumping duties. Should the present anti-dumping duties be revoked, the price attractiveness of Indian market would further increase for the foreign producers and the Indian consumers.
2. Exporters in the subject countries have built capacities far in excess of their domestic demand. In the event of revocation of anti-dumping duty, these exporters are likely to divert huge volume of dumped exports to large and growing market in India thereby leading to continuation of dumping.
3. In the previously concluded investigation also, the Authority found significant dumping margin and concluded the investigation with the imposition of the anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject countries. The imports from the subject countries have reduced due to anti-dumping duty in existence. In the event of revocation of anti-dumping duty these exporters are likely to resort to dumping, owing to surplus capacities available with them and large Indian market

Submissions made by ATMA

26. ATMA has contended that there is no case for recurrence of dumping and injury and hence the SSR investigation should be terminated. It has further contended that:
 - The claim of confidentiality by domestic industry is unwarranted.

Examination by the Authority

27. The Authority notes that the information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

The Authority notes the following in respect of the subject goods:

PX 13

EU

- 27.1 The Authority notes that the information provided by M/s Solutia Europe BVBA/SPRL shows significant dumping margin in respect of PX 13 imports from EU. The Authority therefore notes that there is continued dumping of the product from EU and thus there is likelihood of continuance of dumping of PX 13 from EU in case the anti-dumping duty is allowed to expire.

Chinese Taipei

- 27.2 In view of no exports of PX 13 from Chinese Taipei in the period of investigation and last two years, the Authority notes that there is no case of continued dumping of the product from Chinese Taipei. Further, no positive information/evidence has been submitted by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of dumping from Chinese Taipei.

MOR

EU

- 27.3 The information made available by IBIS shows significant imports of 1642 MT from EU. The Authority notes that although the imports of MOR from EU are significant, yet none of the exporters / producers of MOR from EU has responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed.
- 27.4 The Authority notes that the dumping margin from EU during the POI is negative, thus there is no case of continuation of dumping in case the anti-dumping duty is allowed to expire. The Authority further notes that sufficient evidence is not available on record to demonstrate the likelihood of recurrence of dumping from EU in the event the anti-dumping duties are allowed to expire.

China PR

- 27.5 The Authority notes that none of the exporters / producers of MOR from China PR has responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. However, the Authority notes that the information made available by IBIS shows imports of MOR as 683 MT from China PR. The Authority notes that there is a significant dumping margin in respect of exports of MOR from China PR and thus the Authority is of the view of that there is likelihood of continuance of dumping of MOR from China PR if the anti-dumping duty is allowed to expire.

USA

- 27.6 It is seen that there have been no exports of MOR from USA during the period of investigation and previous year. Thus, the Authority notes that there is no continued dumping of the product from USA. Further, sufficient evidence has not been brought on record by any interested party before the Authority to demonstrate the likelihood of recurrence of dumping from USA if the anti-dumping duty is allowed to expire.

TDQ

EU

- 27.7 The information made available by IBIS shows significant imports of 581 MT from EU. The Authority notes that although the imports of TDQ from EU are significant, none of the exporters / producers of TDQ from EU has responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed.
- 27.8 The Authority notes that dumping margin from EU is significant during the POI and hence, there is likelihood of continued dumping of the product from EU in case the antidumping duty in force is allowed to expire.

Chinese Taipei

- 27.9 There have been no current exports of PX 13 from Chinese Taipei in the period of investigation and last two years. The Authority therefore notes that there is no case of likelihood of continuation of dumping of the product from Chinese Taipei. Further, sufficient evidence is not available on record to demonstrate that there is likelihood of recurrence of dumping from Chinese Taipei in case the anti-dumping duty is allowed to expire.

G. Injury

Views of Domestic Industry

28. The submissions made by the domestic industry with regard to injury and causal link, in brief, are as follows:
- a) Imports of the products under consideration have continued. In fact, the volumes have increased;
 - b) Imports of the products under consideration are undercutting the prices of the domestic industry in the market.
 - c) Landed price of imports for each of the products under consideration are below the non injurious price of the respective products under consideration.
 - d) Even when performance of the domestic industry has not deteriorated, the same is due to imposition of anti dumping duties. Further, performance of the domestic industry could improve further, but for dumped imports in the market. Further, performance has remained sub-optimal in view of continued presence of dumped imports.
 - e) The domestic industry has not been able to improve its market share to the extent it could in the absence of dumped imports.
 - f) The increase in imports is primarily the increase in dumped imports and the imports from the third countries are at higher prices therefore not causing injury.
 - g) Imports of TDQ and MOR increased further even beyond the levels of original case. Imports of PX-13 have declined when compared with previous case only because cost of dumped imports from other dumping countries (i.e., Korea) was low.
 - h) Volume of production lost by the domestic industry in the three products, over the years has increased.
 - i) The price undercutting without anti-dumping duty is significantly high. The domestic industry will be forced to reduce the prices to significant extent in the event of cessation of anti-dumping duty.

- j) The petitioner has lost significant market share over the years. Should the domestic industry match the import price, it would suffer financial losses, negative cash profit, negative return on investment and negative profit before interest and depreciation.
- k) Since imports are cheaper even after adding the anti-dumping duty, the consumers have resorted to imports. There is no force majeure reason for these imports.

Submissions made by other interested parties

29. Submissions have been filed by M/s Solutia Europe BVBA/SPRL and ATMA. There is no response from any other interested parties in the instant matter.

M/s Solutia Europe BVBA/SPRL, Producer/ exporter from EU

M/s Solutia Europe BVBA/SPRL has, *inter alia*, contended that:

- a. NOCIL has kept considerable information confidential without assigning any proper justification like Production Volume, Capacity & capacity utilization, Sales volume, Number of employees, Profitability in percentage, ROCE in percentage form, Adjustments to export prices etc. the applicant industry has not provided the non-confidential version which has to be an exact replica of their confidential version.
- b. There is complete lack of Causal Link. There is no injury due to imports from EU. The rise in market share of other countries, equal to the sum of decline in Market share of Subject Countries and Domestic Industry, establishes that the injury, if any, is clearly due to large quantity of imports from source of imports other than the subject countries.
- c. For PX-13, all injury factors are showing considerable improvement. All the factors of injury have shown a tremendous improvement in the past few year inspite of being hit by global recession. Therefore, with the markets having improved around the world, there is no case of likelihood of recurrence of injury also.
- d. For the very same POI, the Domestic Industry in their application for mid-term review (Initiation Notification No. 15/21/2010- DGAD) has claimed injury due to PX-13 imports from Korea. Thus, it is apparent that the Domestic Industry is merely playing around with words and figures to establish a case for continuation of duties against imports of PX-13 from EU where none exists. Designated Authority may examine Domestic Industry's application for the MTR claimed injury due to PX-13 imports from Korea as the same is necessary for analyzing and determining attributing factors of the Injury, if any.
- e. The Domestic Industry in its application has stated that the factors suggesting likelihood of recurrence of Injury are price-attractiveness of the Indian market and excess production capacity in the subject countries. These statements are made by the Domestic Industry are completely misleading and without any merit or evidence.

- f. The applicant industry has stated that there is no significant change in the technology adopted by them and by others. This contention of the applicant industry is incorrect. There are many major differences in the process of manufacturing PX-13 developed by Solutia Europe BVBA/SPRL which give it a significant comparative advantage over NOCIL. The technology used by NOCIL results into higher cost due to the use of the PNCB route to 4A. Therefore, the statements and claims made by the Domestic Industry regarding no development in technology in the context of the causal link are completely misleading.
- g. The cumulation of the simultaneous investigations is not borne out from the law as well as from the jurisprudence available on the subject.
- h. The Authority is required to separate the effects of other factors causing injury to the domestic industry. Thus, there is no merit in the submissions of the domestic industry and the Authority is requested to proceed as per law.

Submissions made by ATMA

30. Automotive Tyre Manufacturers Association (ATMA) has, *inter alia*, contended that:

- DI does not have the capacity to meet the demand of the user industry in India for PX 13, TDQ and MOR.
- The claim of DI for PX 13 is in the nature of Dual remedy which is against the AD Act and Rules - The DI is claiming injury from the import of PX 13 from EU and Taiwan. The DI in respect of same product is also claiming injury against the import from Korea RP in a MTP investigation. The same DI in a Safeguard investigation before DG Safeguards is claiming injury from import of PX 13 from all the exporting countries.
- DI has not segregated the injury caused due to imports from EU and Chinese Taipei, injury caused due to imports from Korea RP and injury caused due to sudden increase in imports from all sources, including the alleged dumping countries.
- As per the DI, same imports which are alleged to be dumped have also surged such that they are at the same time causing "serious" injury to the DI. Thus, two distinct factors are alleged to cause injury. Hence for the purposes of the AD investigation, injury on account of increased imports amount to "other factors" which injury should not be attributed to dumping.
- Market Share:- Import of PX 13 from subject countries has decreased during the injury period. In regards to TDQ, the total import from subject countries is miniscule vis-à-vis imports from other countries. Thus any claim of injury to the DI must be attributed to the imports from other countries and not to the subject countries.

- Capacity Utilization, Capacity & Production:- There has been an increase in Capacity utilization, Capacity and Production of the DI for PX 13, TDQ & MOR.
- Any specific assessment on impact of imports on domestic sales is absent from the petition. Thus as per the figures of the DI itself, domestic sales of PX 13 and TDQ has increased thereby negating any injury to the DI.
- The domestic profits for all the products have increased significantly Reference in this regard has been made to CESTAT decision in the Kalyani Steel Ltd. v/s. DA, 2006 (110) ECC 676 para 15.3 case. It has been contended that in view of the observation of CESTAT, it negates the claim of DI in respect of injury being suffered from the dumped imports.
- The DI has made significant returns on capital employed on all the 3 products. it is hereby submitted that the DI is not suffering from any injury.
- The DI in their petition have failed to undertake any analysis on price suppression and depression due to alleged dumped imports. In this respect it is submitted that there has been no price suppression impact on the domestic industry due to alleged dumped imports.
- As per DI, the only parameter on the basis of which they are claiming injury is price undercutting. But even assuming though not conceding that the dumped imports are undercutting the prices of DI, the same has not lead to any price depression/suppression and negative effect on the performance of the DI.
- The claim of material injury by the domestic industry due to surplus production capacity of foreign producers is not valid because the source from which the information is derived is not provided and secondly it has been held by the Hon'ble CESTAT in the matter of *Indian Spinner Association v. Designated Authority* that mere surplus capacity with a exporter cannot lead to a conclusion that there is "imminent danger of material injury" such that the duty must be continued.
- Imports under Advance License Scheme (ALS) should be excluded from 'volume impact' in the injury analysis:- It has been submitted by the ATMA that Domestic Industry has argued that DA should exclude imports made under ALS from the total demand of the user industry. They further submitted that if the imported goods under the ALS are not directly relevant for determining the consumption of the goods in India, then they should also be excluded from the 'volume impact' of imports for injury purpose.
- The DI has extensive duty protection on several products from a large number of countries:- All sources of supply of rubber chemicals to India have been curtailed and this is in spite of the fact that DI does not have the capacity to meet the demand of the user industry in India.
- The change of base year by DI is misleading:- Notification no 15/14/2009-DGAD issued by the DGAD for initiating Sunset Review very clearly provides that injury

analysis would cover the years 2006-07, 2007-08, 2008-09 and 2009-10 and wherein year 2006-07 has been considered as a base year. However the DI in their submissions has argued that a longer injury period should be taken into consideration by the Hon'ble DA for assessing injury to the DI. in view of the fact that Hon'ble DA as a practice has never allowed a longer injury period than provided for in the notification and the same was also not opposed by the DI at the time of initiation, the argument of DI should be rejected

- The figures for MOR are static due to its available substitution:- It is hereby submitted that the user industry in India is gradually shifting to TBBP as a substitute to MOR. The same can also be seen from the static demand of MOR. Therefore it is submitted that the static demand of MOR should be attributed to the available substitute in the form of TBBP and not as an injury to the domestic industry.
- Domestic Industry has paid off all its loans and is also planning for capacity expansion:- It is quite ironical for a company to claim injury when the loans are being paid off and profits are rising over 100% from the base year.
- Imports by Lanxess India from its affiliates should be excluded:- It is hereby submitted that any import made by Lanxess India from its affiliates should be excluded from the overall import volume and injury analysis. The reason for the same is that such imports does not compete with the products of the domestic industry but is consumed by the Indian arm of Lanxess for their supply of various end products to the user industry in India. Thus imports made by Lanxess India from its affiliates should be excluded from the overall volume and the same should apply to the injury analysis as well. This also explains the reason for any increase in imports from EU as these imports are likely made by Lanxess India from its own affiliate.
- DGAD ought not to have suo motu initiated the sunset review investigation:- The present Sunset Review (SSR) has been initiated *suo motu* by DGAD relying on the judgment of the Hon'ble High Court of Delhi in the matter of *Indian Metal & Ferro Alloys Ltd.* wherein the Hon'ble court has made the SSR mandatory. However, it is hereby submitted that interpretation by the DGAD in regards to the above case law is not entirely correct. The Hon'ble High Court has made SSR mandatory but based on a duly substantiated request and following the procedure as provided under Rule 23(3) of the AD rules.

Examination by the Authority

31. The Authority notes that AD Rules do not require that the domestic industry must meet the demand of the user industry for getting redressal to its injury on account of dumping.
32. As regards the claim of dual remedy, the Authority notes that no dual remedy is sought to be provided for the same situation on account of Anti-dumping duty or the Safeguard duty. However, the two may co-exist on merits of each case, provided the relevant parameters as are enshrined in the respective laws are satisfied.

33. As regards the contention that imports effected under the Advance licences/authorisation should be excluded from the volume analysis; the Authority does not concur with this view, as an Advance license/authorisation holder has a choice either to import the inputs on a duty free basis or procure the same from indigenous sources by using the mechanism of Advance release order.
34. As regards the cumulation issue, the Authority notes that para 3 of Annexure II of the AD Rules permits cumulation while undertaking the injury analysis in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, subject to conditions specified therein regarding the *de-minimis* criteria and that conditions of competition exist between the imported article and the like domestic articles.
35. The Authority notes that it has adopted its consistent practice to examine and evaluate the injury data over the injury period. However, in a SSR investigation, the Authority assesses whether the cessation of the duties is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and consequent injury.
36. As regards the claim that figures for MOR are static due to its available substitution. The Authority notes that this claim has not been substantiated by the interested party making this claim. The Authority has taken note of the other submissions made by interested parties and have addressed these issues raised at appropriate places.
37. As regards the claim that imports by Lanxess India from its affiliates should be excluded, the Authority does not find merit in the contention as any enterprise has a choice to procure the goods and would do so from a cheaper source, if other conditions are the same.
38. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and the submissions made by the interested parties as follows:
39. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

40. Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped

imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

41. For the purpose of current injury analysis the Authority has examined the volume and prices effects of imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal link between dumping and injury, if any.

Volume effect

a) Assessment of Demand

42. For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the subject goods, the sales volume of the domestic industry and other Indian producer have been added to the total imports into India, which has been summarized as under:

PX-13

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Imports from Subject countries	MT	670	279	651	689
European Union	MT	650	279	651	689
Chinese Taipei	MT	20	-	-	-
Trend	Index	100	42	97	103
Imports from Other countries	MT	4,982	6,581	4,955	9,139
Total Imports	MT	5,652	6,860	5,606	9,828
Trend	Index	100	121	99	174
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	138	133	198
Sales of Other Indian Industry	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	135	156	79
Total Demand	MT	8,753	11,095	10,053	14,311
Trend	Index	100	127	115	163

43. The Authority notes that the demand for PX13 has shown a positive trend and increased significantly in the period of investigation as compared to the base year. The growth in demand during period of investigation over base year was about 63.50 %.

TDQ

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
------------	------	---------	---------	---------	---------

Imports from Subject countries	MT	70	308	368	581
European Union	MT	60	308	368	581
Chinese Taipei	MT	10	-	-	-
Trend	Index	100	440	526	830
Imports from Other countries	MT	1,254	1,199	1,171	1,747
Trend	Index	100	96	93	139
Total Imports	MT	1,325	1,507	1,539	2,328
Trend	Index	100	114	116	176
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	117	98	139
Sales of Other Indian Industry	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	119	160	94
Total Demand	MT	5,042	5,894	6,150	6,782
Trend	Index	100	117	122	135

44. The Authority notes that the demand for TDQ has shown a positive trend and increased significantly in the period of investigation as compared to the base year. The growth in demand during period of investigation over base year was about 34.51%.

MOR

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Imports from Subject countries	MT	722	910	527	683
China PR	MT	722	910	527	683
Trend	Index	100	126	73	95
Imports from USA	MT	104	52	-	-
Imports from EU	MT	1,354	1,535	1,334	1,642
Imports from Other countries	MT	42	15	-	-
Total Imports	MT	2,222	2,512	1,861	2,325
Trend	Index	100	113	84	105
Sales of Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	111	99	97
Sales of Other Indian Industry	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	124	201	116
Total Demand	MT	4,383	4,963	4,420	4,503
Trend	Index	100	113	101	103

The Authority notes that the demand for MOR has remained more or less stagnant over the injury period and increased slightly in the period of investigation as compared to the base year. The growth in demand during period of investigation over base year was about 2.74%.

b) Import volumes and market share

45. Annexure-II (ii) of the AD Rules provides that “while examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India”. Thus, with regard to the volume of the dumped imports, it has been examined whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.
46. The table below summarises the factual position with regard to import volumes and market share -

PX-13

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Imports from Subject countries	MT	670	279	651	689
European Union	MT	650	279	651	689
Chinese Taipei	MT	20	-	-	-
Trend	Index	100	42	97	103
Imports from Other countries	MT	4,982	6,581	4,955	9,139
Total Imports	MT	5,652	6,860	5,606	9,828
Trend	Index	100	121	99	174
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	150	152	174
Demand	MT	8,753	11,095	10,053	14,311
Trend	Index	100	127	115	163
Subject Imports in relation to					
Total Imports	%	11.85	4.07	11.62	7.01
Production	%	15-20	3-8	8-13	8-13
Consumption	%	7.65	2.51	6.48	4.81
Market share of Domestic Industry in demand.	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	109	116	121

47. From the above, the Authority notes that:

- (i) The volume of imports from EU which declined in 2007-08, increased marginally in 2008-09 and the period of investigation. There were no imports of subject goods from Taiwan after 2006-07.
- (ii) The increase in volume of imports from EU is inspite of existing anti-dumping duties on imports.
- (iii) Imports from subject territory have declined in POI in relation to the total imports, production and consumption in India as compared to the base year.
- (iv) As a result of the decline in market share of imports, the market share of the domestic industry has increased from 100 (index) in base year to 121(index) in the POI.

TDO

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Imports from Subject countries	MT	70	308	368	581
European Union	MT	60	308	368	581
Chinese Taipei	MT	10	-	-	-
Trend	Index	100	440	526	830
Imports from Other countries	MT	1,254	1,199	1,171	1,747
Total Imports	MT	1,325	1,507	1,539	2,328
Trend	Index	100	114	116	176
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	106	107	97
Demand	MT	5,042	5,894	6,150	6,782
Trend	Index	100	117	122	135
Subject Imports in relation to					
Total Imports	%	5.29	20.41	23.89	24.95
Production	%	1-6	3-8	4-9	8-13
Consumption	%	1.39	5.22	5.98	8.57
Market share of Domestic Industry in demand	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	100	81	103

48. From the above, the Authority notes that:

- (i) The volume of imports from EU increased significantly in the period of investigation. No imports from Taiwan were reported after 2006-07.
- (ii) The increase in imports is inspite of existing anti-dumping duties on imports from EU.
- (iii) Imports from subject territory have increased significantly in POI in relation to the total imports, production and consumption in India.
- (iv) Inspite of increase in share of imports, the share of the domestic industry has increased during POI as compared to the base year.

MOR

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Imports from Subject countries	MT	722	910	527	683
China PR	MT	722	910	527	683
Trend	Index	100	126	73	95
Imports from USA	MT	104	52	-	-
Imports from EU	MT	1,354	1,535	1,334	1,642
Imports from Other countries	MT	42	15	-	-
Total Imports	MT	2,222	2,512	1,861	2,325
Trend	Index	100	113	84	105
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	118	101	104
Demand	MT	4,383	4,963	4,420	4,503
Trend	Index	100	113	101	103
Subject Imports in relation to					
Total Imports	%	32.49	36.23	28.32	29.38
Production	%	37-42	40-45	27-32	35-40
Consumption	%	16.47	18.34	11.92	15.17
Market share of Domestic Industry in demand	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	98	98	95

49. From the above, the Authority notes that:

- (i) The volume of dumped imports from China PR declined in the period of investigation as compared to the base year.
- (ii) Imports from China PR have declined in POI in relation to the total imports, production and consumption in India as compared to the base year.
- (iii) The share of the domestic industry has declined in POI.

H. Price effect of the subject imports on the Domestic Industry

50. In order to ascertain the price effect of the imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry, the Authority has examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In order to assess the extent of price undercutting, the Authority has compared net sales realization of the domestic industry with the landed price of imports. The net sales realization was arrived, after deducting all rebates and taxes. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry, even after considering the anti-dumping measure in force.

Price Undercutting**PX-13**

	Net Sales Realisation of DI (Rs./Kg)	Landed value (Rs./Kg.)		Price Undercutting (Rs./KG) (%)	
		With AD Duty	Without AD duty	With AD Duty	Without AD duty
M/s Solutia Europe BVBA/ SPRL	***	***	***	***	***
				2-7%	13-18%
All other producers/ exporters from EU	***	***	***	Negative	***
				Negative	15-20%
All producers/ exporters from Taiwan	***	No Imports			

51. From the above, the Authority notes that the landed price of imports of PX 13 from EU is below the net selling price of the domestic industry. The imports from EU are significantly undercutting the selling prices of domestic industry. Even after adding the existing anti-dumping duties to the landed value, the price undercutting is positive in respect of the M/s Solutia Europe BVBA/SPRL from EU.

TDQ

	Net Sales Realisation of DI (Rs./Kg)	Landed value (Rs./Kg.)		Price Undercutting (Rs./KG) (%)	
		With AD Duty	Without AD duty	With AD Duty	Without AD duty
All producers/ exporters from EU	***	114.28	98.49	***	***
				2-7%	15-20%
All producers/ exporters from Taiwan	***	No Imports			

52. From the above, the Authority notes that the landed price of imports of TDQ from EU is below the net selling price of the domestic industry. The imports from EU are significantly undercutting the selling prices of domestic industry. Even after adding the existing anti-dumping duties to the landed value, the price undercutting is positive.

MOR

	Net Sales Realisation	Landed value (Rs./Kg.)	Price Undercutting (Rs./KG) (%)
--	-----------------------	------------------------	---------------------------------

	of DI (Rs./Kg)	With AD Duty	Without AD duty	With AD Duty	Without AD duty
All producers/ exporters from EU	***	232.24	208.57	Negative	***
				Negative	7-12%
All producers/ exporters from China PR	***	181.07	159.33	***	***
				20-25%	28-33%
All producers/ exporters from USA	***	No Imports			

53. From the above, the Authority notes that the landed price of imports of MOR from the subject countries is below the net selling price of the domestic industry, if we determine it without the anti-dumping duty in force. Thus, the imports from subject countries are significantly undercutting the selling prices of domestic industry. However, after adding the existing anti-dumping duties to the landed value, the price undercutting by imports from China PR is still positive but it becomes negative in the case of EU.

Price underselling

54. The Authority has assessed the extent of price underselling by comparing non-injurious price of the domestic industry with the landed price of imports, as shown below:

PX-13

	Non-injurious Price (Rs./Kg)	Landed value (Rs./Kg.)		Price Underselling (Rs./KG) (%)	
		With AD Duty	Without AD duty	With AD Duty	Without AD duty
M/s Solutia Europe BVBA/SPRL	***	***	***	***	***
		***	***	5-10%	15-20%
All other producers/ exporters from EU	***	***	***	***	***
				1-6%	15-20%
All producers/ exporters from Taiwan	***	No Imports			

55. From the above, the Authority notes that
- The landed price of imports of PX 13 from EU is below the non-injurious price (NIP) of the domestic industry. Thus, the imports from EU are

significantly underselling the NIP of domestic industry. Even after adding the existing anti-dumping duties to the landed value, the price underselling is positive.

- b. The NIP of the domestic industry is higher than the net selling price of the domestic industry. Thus, the domestic industry is not able to realize fair selling price (i.e., NIP) for the subject goods (PX 13).

TDQ

	Non-injurious Price (Rs./Kg)	Landed value (Rs./Kg.)		Price Underselling (Rs./KG). (%)	
		With AD Duty	Without AD duty	With AD Duty	Without AD duty
All producers/ exporters from EU	***	114.28	98.49	Negative	***
				Negative	10-15%
All producers/ exporters from Taiwan	***	No Imports			

56. From the above, the Authority notes that:

- The landed price of imports of TDQ from EU is below the non-injurious price (NIP) of the domestic industry without considering the anti-dumping duty in force. Thus, the imports from EU are significantly underselling the selling prices of domestic industry. However, after adding the existing anti-dumping duties to the landed value, the price underselling is negative.
- The NIP of the domestic industry is lower than the net selling price of the domestic industry. Thus, the domestic industry is able to realize fair selling price (i.e., NIP) for the subject goods (TDQ) when the duty is in place. However, this could be because of the presence of the anti-dumping duty in force.

MOR

	Non-injurious Price (Rs./Kg)	Landed value (Rs./Kg.)		Price Underselling (Rs./KG) (%)	
		With AD Duty	Without AD duty	With AD Duty	Without AD duty
All producers/ exporters from EU	***	232.24	208.57	Negative	Negative
				Negative	Negative
All producers/ exporters from China PR	***	181.07	159.33	***	***
				8-13%	20-25%

All producers/ exporters from USA	***	No Imports
--------------------------------------	-----	------------

57. From the above, the Authority notes that
- The landed price of imports of MOR from EU, even with anti-dumping duty in force, is higher than the non-injurious price (NIP) of the domestic industry. The price underselling is therefore negative in respect of MOR as regards the imports from EU are concerned.
 - The landed price of imports of MOR from China PR is below the non-injurious price (NIP) of the domestic industry. Thus, the imports from China PR are significantly underselling the NIP of domestic industry. Even after adding the existing anti-dumping duties to the landed value, the price underselling is positive.
 - The NIP of the domestic industry is lower than the net selling price of the domestic industry. Thus, the domestic industry is able to realize fair selling price (i.e., NIP) for the subject goods (MOR).

Price suppression/depression

58. In order to assess whether the imports from subject countries were suppressing/depressing the prices of the domestic industry, the Authority has compared the cost of production and net selling price of the domestic industry along with the landed price of imports over the injury period, which is given in the following table:

PX13

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Cost of Production	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	122	109
Net Selling price	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	91	125	114
Profit/Loss	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	-9	167	207
Average Landed price of imports from EU	Rs./Kg	201.61	167.19	239.20	194.20
Trend	Indexed	100	83.12	118.93	96.5
Average Landed price of imports from Taiwan	Rs./Kg	182.76	-	-	-
Trend	Indexed	100.00	-	-	-

59. The Authority notes that whereas both the cost of production and net selling price of PX 13 increased over the injury period, the increase in the net selling price were more than the increase in the cost of production. Thus, apparently the price suppression/depression effect of the prices of the domestic industry is missing during the POI.

TDQ

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Cost of sales	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	126	101
Net Selling price	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	94	132	103
Profit/Loss	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	31	172	114
Average Landed price of imports from EU	Rs./Kg	102.55	88.42	131.23	96.28
Trend	Indexed	100	86.42	128.27	95.9
Average Landed price of imports from Taiwan	Rs./Kg	100.58	-	-	-
Trend	Indexed	100.00	-	-	-

60. The Authority notes that whereas both the cost of production and net selling price of TDQ increased over the injury period, the increase in the net selling price were more than the increase in the cost of production. Thus, apparently the price suppression/depression effect of the prices of the domestic industry is missing during the POI.

MOR

	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10 (POI)
Cost of Production	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	128	99
Net Selling price	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	134	113
Profit/Loss	Rs./Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	38	234	336
Average Landed price of imports from EU	Rs./Kg	199.03	157.69	250.73	207.85
Trend	Indexed	100.00	79.23	125.98	104.43
Average Landed price of imports from China PR	Rs./Kg	173.34	155.03	214.53	158.78
Trend	Indexed	100.00	89.44	123.76	91.60
Average Landed price of imports from USA	Rs./Kg	186.62	194.07	-	-
Trend	Indexed	100.00	103.99	-	-

61. The Authority notes that where the cost of production decreased in POI as compared to the base year, the net selling price of MOR increased over the injury period. Thus, apparently the price suppression/ depression effect of the prices of the domestic industry is missing during the POI.

I. Economic Parameters relating to the Domestic Industry

62. Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to determination of consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the AD Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

Production, sales, capacity and capacity utilization

63. Production, sales, capacity & capacity utilization of the domestic industry moved as shown below.

PX-13

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Capacity	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	136	136	144
Production	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	150	152	174
Capacity Utilization	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	111	112	121
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Trend	Index	100	138	133	198
Demand	MT	8,753	11,095	10,053	14,311
Sales in % of demand	%	***	***	***	***
Trend	Index	100	109	116	121

64. It is noted from above that the production, capacity utilization and sales of the domestic industry of PX13 have gone up in absolute term. The domestic sales of PX13 have increased as in relation to demand/consumption of the product in India.

TDO

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
		***	***	***	***
Capacity	MT				
Trend	Index	100	101	101	101
		***	***	***	***
Production	MT				
Trend	Index	100	106	107	97
		***	***	***	***
Capacity Utilization	MT				
Trend	Index	100	105	105	96
		***	***	***	***
Domestic Sales	MT				
Trend	Index	100	117	98	139
Demand	MT	5,042	5,894	6,150	6,782
		***	***	***	***
Sales in % of demand	%				
Trend	Index	100	100	81	103

65. It is noted from above that the production and capacity utilization of TQD of the domestic industry have slightly declined in absolute term. However, the domestic sales of TDQ have increased in absolute terms as well as in relation to demand/consumption of the product in India.

MOR

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
		***	***	***	***
Capacity	MT				
Trend	Index	100	100	100	100
		***	***	***	***
Production	MT				
Trend	Index	100	118	101	104
		***	***	***	***
Capacity Utilization	MT				
Trend	Index	100	118	101	104
		***	***	***	***
Domestic Sales	MT				
Trend	Index	100	111	99	97
Demand	MT	4,383	4,963	4,420	4,503
		***	***	***	***
Sales in % of demand	%				
Trend	Index	100	98	98	95

66. It is noted from above that the production and capacity utilization of MOR of the domestic industry have increased in absolute term. However, the domestic sales of MOR have slightly declined in absolute terms as well as in relation to demand/consumption of the product in India.

Profitability

67. Cost of production, net sales realization & profit/loss of the domestic industry is shown below.

PX-13

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	122	109
Net Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	91	125	114
Profit/Loss	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(9)	167	207
PBT on domestic sales	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(12)	222	410
PBIT on domestic sales	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	(3)	253	400

68. The Authority notes that performance of the domestic industry for PX13 has improved over the injury period and the domestic industry is in profits. The Authority examined profitability by considering the trends in the cost of production and selling prices over the injury period. It is found that both the cost of production and the selling prices increased throughout the injury period. But the increase in selling price is more than increase in cost of sales. Consequently, profitability of the domestic industry improved during the POI.

TDQ

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	126	101
Net Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	94	132	103
Profit/Loss	Rs/Kg	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	31	172	114
PBT on domestic sales	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	36	169	158
PBIT on domestic sales	Rs./Lacs	***	***	***	***

***	Trend ***	***	Indexed	100	39	178	157
69.	The Authority notes that performance of the domestic industry for TDQ has improved over the injury period and the domestic industry is in profits. The Authority examined profitability by considering the trends in the cost of production and selling prices over the injury period. It is found that both the cost of production and the selling prices increased throughout the injury period. But the increase in selling price is more than increase in cost of sales. Consequently, profitability of the domestic industry improved during the POI.						

MOR**QOT**

Particulars	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Cost of Sales	Rs/Kg			
Trend	Indexed	99	128	99
Net Selling Price	Rs/Kg			
Trend	Indexed	96	134	113
Profit/Loss	Rs/Kg			
Trend	Indexed	38	234	336
PBT on domestic sales	Rs./Lacs			
Trend	Indexed	42	231	327
PBIT on domestic sales	Rs./Lacs			
Trend	Indexed	148	250	320

70. The Authority notes that performance of the domestic industry for MOR has improved over the injury period and the domestic industry is in profits. The Authority examined profitability by considering the trends in the cost of production and selling prices over the injury period. It is found that where the cost of production declined, the selling prices increased over the injury period. Consequently, profitability of the domestic industry improved during the POI.

Particulars	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Employment	No.			
Trend	Indexed			
Productivity	Productivity per day			
Trend	Indexed			
Wages	Rs./Lacs			
Trend	Indexed			
Position with regard to employment, wages and productivity as follows:				
PX-13				
Employees	No.			
Trend	Indexed	173	136	164
Wages	Rs./Lacs			
Trend	Indexed	109	105	166

Productivity per day	MT/day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	150	152	174
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	87	111	106

72. The Authority notes that the productivity of the domestic industry for PX 13 improved with the improvement in production.

TDQ

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Employees	No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	120	100	60
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	135	102	81
Productivity per day	MT/day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	107	97
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	88	107	161

73. The Authority notes that the productivity per day for TDQ remained relatively stable over the injury period and productivity per employee of the domestic industry improved.

MOR

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Employees	No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	94	100
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	120	106
Productivity per day	MT/day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	101	104
Productivity per employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	107	104

74. The Authority notes that the productivity of the domestic industry for MOR improved with the improvement in production.

75. The Authority however notes the domestic industry is a multi-product company and hence the employment by the domestic industry and wages paid may not be a correct parameter to evaluate the injury in the instant matter.

Return on investments and cash flow

76. Position with regards to cash profits and return on investments are as follows:

PX13

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
		***	***	***	***
ROI - NFA basis	%				
Trend	Indexed	100	(3)	231	274
		***	***	***	***
Cash Profit	Rs. Lacs				
Trend	Indexed	100	41	185	314

77. The Authority notes that return on investment made by the domestic industry for PX 13 improved significantly over the injury period. Similar is the situation of cash profit as well.

TDQ

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
		***	***	***	***
ROI - NFA basis	%				
Trend	Indexed	100	47	234	157
		***	***	***	***
Cash Profit	Rs. Lacs				
Trend	Indexed	100	45	161	158

78. The Authority notes that return on investment made by the domestic industry for TDQ improved significantly over the injury period. Similar is the situation of cash profit as well.

MOR

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
		***	***	***	***
ROI - NFA basis	%				
Trend	Indexed	100	42	213	285
		***	***	***	***
Cash Profit	Rs. Lacs				
Trend	Indexed	100	61	193	261

79. The Authority notes that return on investment made by the domestic industry for MOR improved significantly over the injury period. Similar is the situation of cash profit as well.

Inventories

PX13

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Average Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	181	171	189

80. The inventories of PX13 have shown increasing trend over the injury period as compared to the base year.

TDQ

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	67	51	75

81. The inventories of TDQ have shown a declining trend till 2008-09 but increased thereafter during the POI.

MOR

Particular	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	65	47	67

82. The inventories of MOR have shown a declining trend till 2008-09 but increased thereafter during the POI.

Magnitude of Margin of Dumping

PX13

83. The Authority notes that the dumping margin from EU is significant and above *de-minimis* level. In view of no exports from Chinese Taipei during the period of investigation, the Authority notes that there is no case of continued dumping of PX 13 from Chinese Taipei.

TDQ

84. The Authority notes that the dumping margin from EU is significant and above *de-minimis* level. In view of no exports from Chinese Taipei during the period of investigation, the Authority notes that there is no case of continued dumping of TDQ from Chinese Taipei.

MOR

FROM

PX13

The Authority notes that while there has been a marginal growth in the import volume from the EU; the growth of domestic industry in terms of domestic sales production, and capacity utilization, cash profits, and return on investment has been positive over the injury period.

FD-302

MORSE

OUT

89. Further, the domestic industry, inter alia, has contended as follows on Likelihood of continuation or recurrence of injury:

3. The subject countries with respect to TDQ are causing severe price undercutting to the prices of the Domestic Industry. Should the present anti-dumping duty be removed, there is a high probability that the subject countries would definitely increase and ultimately cause injury to the Domestic Industry.

2. The subject countries with respect to PX-13 are causing severe price undercutting to the prices of the Domestic Industry. Should the present anti dumping duty is revoked, there is a clear likelihood that price undercutting would deepen further. In the event of revocation of Anti-dumping duties and owing to significant price undercutting, the domestic industry would be compelled to match its price to that

of imports in order to sustain in the market which will lead to company suffering losses.

3. The imports from subject countries have remained significant despite anti-dumping duties in force. The price undercutting and price underselling is significant at the landed price without ADD, signifying the likelihood of injury to the domestic industry, should the present duty in force be revoked

MOR

1. Producers/exporters in subject countries with respect to MOR are having excessive production capacities. In case of cessation of the present duty, dumping from the subject countries would definitely increase and ultimately cause injury to the Domestic Industry.
2. The subject countries with respect to MOR are causing severe price undercutting to the prices of the Domestic Industry. Should the present anti dumping duty is revoked, there is a clear likelihood that price undercutting would deepen further. In the event of revocation of Anti-dumping duties and owing to significant price undercutting, the domestic industry would be compelled to match its price to that of imports in order to sustain in the market which will lead to company suffering losses.
3. The market share of imports from subject countries have gone up and of domestic industry has declined despite anti-dumping duties in force. The imports are presently at such a lower price that even after adding the ADD, price undercutting is significant. This prevented the domestic industry to gain its market share inspite of available capacity. The domestic industry is able to maintain its profitability only by reducing its capacity utilization. Thus, the significant price undercutting even after adding ADD have resulted in adverse volume effect for domestic industry. This clearly suggests that there is every likelihood of injury in the event of revocation of anti-dumping duties.

TDQ

1. Producers/exporters in subject countries with respect to TDQ are having excessive production capacities. In case of cessation of the present duty, dumping from the subject countries would definitely increase and ultimately cause injury to the Domestic Industry.
2. The subject countries with respect to TDQ are causing severe price undercutting to the prices of the Domestic Industry. Should the present anti dumping duty is revoked, there is a clear likelihood that price undercutting would deepen further. In the event of revocation of Anti-dumping duties and owing to significant price undercutting, the domestic industry would be compelled to match its price to that of imports in order to sustain in the market which will lead to company suffering losses.
3. The market share of imports from subject countries have gone up despite anti-dumping duties in force. The petitioner submits that this is mainly due to significant price under-cutting even after adding ADD. A decline of profits is also

there in 2009-10 as compared to 2008-09. The injury to the domestic industry is therefore continuing even after the imposition of ADD. The significant price undercutting even after adding ADD clearly suggests the continued injury and every likelihood of injury in the event of revocation of anti-dumping duties.

90. The domestic industry has provided the following table with regard to surplus capacities of the subject goods in the subject countries:

S.No.	Particular	TDQ	PX13	MOR
A	EU			
	Capacity	39,500	123,000	16,000
	Ass. Consumption (2009)	15,745	25,860	500
	Surplus capacity	23,755	97,140	15,500
B	China			
	Capacity	-	-	11,600
	Ass. Consumption (2009)	-	-	4,000
	Surplus capacity	-	-	7,600
C	Total surplus	23,755	97,140	23,100
D	Indian demand	6,782	14,311	4,503

Submissions made by M/s Solutia Europe BVBA/SPRL

91. For PX-13, all injury factors are showing considerable improvement which can be inferred even from the information filed by the applicant industry. It is therefore absolute clear that there is no case of current or likely injury.

Submissions made by ATMA

92. It has contended that based on the facts, there is no case for recurrence of dumping and injury and hence the SSR investigation should be terminated.

Examination by the Authority

PX 13

EU

93. The Authority notes that the information provided by M/s Solutia Europe BVBA/SPRL shows significant price undercutting and price underselling in respect of PX 13 from EU. The Authority notes that there is continued injury from the imports of the product from EU during the POI on account of dumped imports of PX 13 from EU. Thus, there is likelihood of continuation of injury if the anti-dumping duty is allowed to expire.

China Taipei

94. In view of no exports of PX 13 from China Taipei during the period of investigation and that two years after the expiry of the anti-dumping duty there is no case of continued injury of the product from China Taipei. Further, no evidence has not been brought by any

interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of PX 13 from Chinese Taipei.

MOR

EU

95. The Authority notes that as per the information made available by IBIS, the imports of MOR from EU are undercutting the domestic industry selling prices. However, the price underselling is negative. The Authority therefore notes that there is no case of continued injury from the imports of MOR from EU.

96. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of MOR from EU.

China PR

97. The Authority notes that none of the exporters / producers of MOR from China PR responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. The Authority further notes that the information provided by IBIS shows significant price undercutting and price underselling in respect of MOR from China PR. Thus, the Authority notes that there is a case of continued injury from the imports of the product from China PR and therefore there is likelihood of continuance of injury from imports of MOR from China PR if the anti-dumping duty is allowed to expire.

USA

98. In view of no exports of MOR from USA during the period of investigation and previous years, the Authority notes that there is no case of continued injury from imports of the product from USA. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of the subject goods from USA.

TDQ

EU

99. The Authority notes that none of the exporters / producers of TDQ from EU responded to the initiation notification and provided information in the form and manner prescribed. The Authority further notes that the information provided by IBIS shows significant price undercutting and price underselling in respect of TDQ from EU. Thus, the Authority notes that there is a case of continued injury from the imports of the product from EU and therefore there is likelihood of continuance of injury from imports of TDQ from EU if the anti-dumping duty is allowed to expire.

Chinese Taipei

100. In view of no exports of TDQ from Chinese Taipei during the period of investigation and last two years, the Authority notes that there is no case of continued injury of the product from Chinese Taipei.
101. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of TDQ from Chinese Taipei.

Magnitude of Injury and Injury margin:-

102. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from for determination of injury margin during the POI. Thus compared, the injury margin is worked out as under:

PX13

Particulars	Unit	M/s Solutia Europe BVBA/SPRL	EU - Others	Taiwan
NIP	Rs./Kg	***	***	No imports
Landed Price	Rs./Kg	***	***	
Injury Margin	Rs./Kg	***	***	
Injury Margin (%)	%	20-25%	21-26%	

TDQ

Particulars	Unit	EU	Taiwan
NIP	Rs./Kg	***	No imports
Landed Price	Rs./Kg	***	
Injury Margin	Rs./Kg	***	
Injury Margin (%)	%	10-15%	

MOR

Particulars	Unit	EU	China PR	USA
NIP	Rs./Kg	***	***	No imports
Landed Price	Rs./Kg	***	***	
Injury Margin	Rs./Kg	Negative	***	
Injury Margin (%)	%	Negative	25-30%	

K. Causal Link

103. The Authority has examined the submissions with regard to the significance and relevance of causal link in a sunset review investigation. It is important to note under Section 9A(5), the Authority is required to examine the likelihood of dumping and injury and the need for continuation of duties irrespective of whether there have been any imports of the product under consideration during the review investigation period or not. It was examined whether other parameters listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It is noted as follows:

Volume and Prices from Other Countries**PX 13**

104. The other countries from where PX 13 was imported are China PR, Korea RP, Japan, USA and Thailand. It is noted from the import statistics that imports of the PX 13 from China PR and Korea PR are already attracting duty and imports from Japan, USA and Thailand are either *de-minimis* or the export price is higher.

TDQ

105. The other countries from where TDQ was imported are China PR, Korea RP, Japan, and Russia. It is noted from the import statistics that imports of the TDQ from China PR are already attracting duty and imports from Korea RP, Japan, and Russia are either *de-minimis* or the export price is higher.

MOR

106. MOR was not imported from any country other than the subject country during the POI.

Contraction in Demand and / or Change in Pattern of Consumption

107. It is noted that there is no contraction in demand for the three subject Rubber Chemicals, (i.e., PX 13, TDQ and MOR) in India. Possible decline in the demand has not, therefore, caused material injury to the domestic industry. Demand of the product in India marked significant increases over the years. There is also no indication of any change in the consumption pattern.

Trade Restrictive Practices of and Competition between the Foreign and Domestic producers

108. The import of the three subject Rubber Chemicals, (i.e., PX 13, TDQ and MOR) is not restricted in any manner and the same are freely importable in the country. The domestic producers compete among one another and at the same time compete with the landed prices of the subject goods. The price of the domestic industry is influenced substantially by the landed price of subject goods. Moreover, no evidence has been submitted by any interested party even to suggest that the conditions of competition between the foreign and the domestic producers have undergone any change.

Development of Technology

109. The Authority notes that the technology as also production process for producing the three subject Rubber Chemicals, (i.e. TDQ and MOR) is fairly stabilized with little technical or technological developments. There is no known difference between the technology employed by the petitioner and producers in subject countries, so far as MOR and TDQ are concerned. As regards PX13, the Authority notes that M/s Solutia Europe BVBA/SPRL has claimed that it has a unique and patent technology. It is, however, noted that as per the information/data filed by them, they are found to be dumping PX 13 into India. As regards the technology impacting the cost of production of PX 13 of the domestic industry, it has claimed to possess technology of international standards.

Export Performance

110. The Authority notes that the claimed injury to the domestic industry is not due to possible deterioration in the export performance of the three subject Rubber Chemicals, (i.e., PX 13, TDQ and MOR).

L. Likelihood of continuation/ recurrence of dumping and injury

PX13

111. The Authority notes that the information provided by M/s Solutia Europe BVBA/SPRL shows significant price undercutting and price underselling in respect of PX 13 from EU. The Authority notes that there is continued injury from the imports of the product from EU during the POI on account of dumped imports of PX 13 from EU. Thus, there is likelihood of continuation of injury if the anti-dumping duty is allowed to expire. Therefore, further examination of the likelihood of recurrence of dumping and injury is not required.

Chinese Taipei

112. The Authority notes that in view of no exports of PX 13 from Chinese Taipei during the period of investigation and last two years, there is no case of continued injury of the product from Chinese Taipei. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of PX 13 from Chinese Taipei.

MOR

EU

113. The Authority notes that as per the information available on record, the imports of MOR from EU are undercutting the domestic industry' selling prices. However, the price underselling is negative. The Authority therefore notes that there is no case of continued injury from the imports of MOR from EU.

114. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of MOR from EU.

China PR

115. The Authority notes that the information available on record shows significant price undercutting and price underselling in respect of MOR from China PR. Thus, the Authority notes that there is a case of continued injury from the imports of the product from China PR and therefore there is likelihood of continuance of injury from imports of MOR from China PR if the anti-dumping duty is allowed to expire.

USA

116. In view of no exports of MOR from USA during the period of investigation and previous years, the Authority notes that there is no case of continued injury from imports of the product from USA. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of the subject goods from USA.

TDQ

EU

117. The Authority notes that the information available on record shows significant price undercutting and price underselling in respect of TDQ from EU. Thus, the Authority notes that there is a case of continued injury from the imports of the product from EU and therefore there is likelihood of continuance of injury from imports of TDQ from EU if the anti-dumping duty is allowed to expire.

Chinese Taipei

118. In view of no exports of TDQ from Chinese Taipei during the period of investigation and last two years, the Authority notes that there is no case of continued injury of the product from Chinese Taipei. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of TDQ from Chinese Taipei.

M. CONCLUSIONS

119. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury and likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

PX13

- i. The subject goods are entering the Indian market from EU at dumped prices and dumping margin is significant and above the *de-minimis* limits prescribed. It is seen that the subject goods continues to be exported to India at dumped

prices inspite of the existing anti-dumping duties. However, the situation of domestic industry has improved due to the existing anti-dumping duties but it is noted that without the existing anti-dumping duties, the price undercutting and price underselling are significant from EU. Hence, injury to the domestic industry is likely to recur, in case the present anti-dumping duties are allowed to expire. It is further noted that as per information available on record, the anti-dumping duty is required to be extended and modified.

- ii. However, in view of no imports of PX 13 from Chinese Taipei during the period of investigation and last two years, there is no case of continued injury of the product from Chinese Taipei. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of PX 13 from Chinese Taipei. Hence, no anti-dumping duty is being recommended concerning imports of PX 13 from Chinese Taipei.

MOR

- i. The dumping margin of the subject goods imported from EU is negative. Besides, though the imports of MOR from EU are undercutting the domestic industry' selling prices but the price underselling is negative. The Authority therefore notes that there is no case of continued injury from the imports of MOR from EU. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of MOR from EU. Hence, no anti-dumping duty is being recommended concerning imports of MOR from EU.
- ii. The subject goods are entering the Indian market at dumped prices from China PR and dumping margin of the subject goods imported from China PR is significant and above the *de-minimis* limits prescribed. The subject goods continue to be exported to India at dumped prices inspite of existing anti dumping duties. Although the situation of domestic industry has improved due to the existing anti dumping duties, yet it is noted that without the existing anti-dumping duties, the price undercutting and price underselling are significant from China PR. Besides, the price undercutting and price underselling is positive even after applying the anti-dumping duty in force. Hence, injury to the domestic industry is likely to recur, in case the present anti dumping duties be allowed to expire. It is further noted that as per information available on record, the anti-dumping duty is required to be extended and modified.
- iii. However, in view of no imports of MOR from USA during the period of investigation and immediately preceding year, there is no case of continued injury of the product from USA. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of MOR from USA. Hence, no anti-dumping duty is being recommended concerning imports of MOR from USA.

TDO

- iii. TDQ has been imported in the Indian market from EU at dumped prices and it is seen that the dumping margin is significant and above the *de-minimis* limits prescribed. The subject goods continues to be exported to India at dumped prices inspite of the existing anti dumping duties. However, the situation of domestic industry has improved due to the existing anti-dumping duties but it is noted that without the existing anti-dumping duties, the price undercutting and price underselling are significant from EU. Hence, injury to the domestic industry is likely to recur, in case the present anti-dumping duties are allowed to expire. It is further noted that as per information available on record, the anti-dumping duty is required to be extended and modified.
- iv. However, in view of no imports of TDQ from Chinese Taipei during the period of investigation and last two years, there is no case of continued injury of the product from Chinese Taipei. Further, sufficient evidence has not been brought by any interested party to demonstrate the likelihood of recurrence of injury from the imports of TDQ from Chinese Taipei. Hence, no anti-dumping duties are being recommended concerning imports of TDQ from Chinese Taipei.

N. RECOMMENDATIONS

120. Having concluded as above, the Authority is of the opinion that the anti-dumping measure is required to be extended and the quantum of anti-dumping duties is required to be modified and extended in respect of imports of the subject goods from the subject countries/ subject territory as specified in the duty table below.
121. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duties equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty as per amount specified in Col 8 of the table below is recommended to be imposed in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries/ subject territory as mentioned herein below.

Duty Table

Sl. No	Heading/ Sub-heading	Description of goods	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	381210, 381212, 381220, 381230, 293420, 292519, 292520	Rubber Chemical PX 13	EU	EU	Solutia BVBA/ SPRL	Solutia BVBA/ SPRL	810	Per MT	US\$

2	-do-	Rubber Chemical PX 13	EU	EU	Any other that the combination of producer & exporter at 1 above		928	Per MT	US\$
3	-do-	Rubber Chemical MOR	China PR	China PR	Any	any	770	Per MT	US\$
4	-do-	Rubber Chemical TDQ	EU	EU	Any	any	262	Per MT	US\$

122. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

123. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

VIJAY LAXMI JOSHI, Designated Authority